शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 289 | गुवाहाटी | बुधवार, 17 मई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

तिनसुकिया में आयोजित हुआ 5वां जिला उपायुक्त सम्मेलन पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के श्री अन्न और योग को विश्व ने... पेज 4
राज्यपाल ने केजीएमयू के नवनिर्मित ट्रांसिट नर्सेज छात्रावास का उद्घाटन किया पेज 5
अपनी ही सरकार से जवाब मांग रहे पायलट पर गहलोत खेमे ने शुरू किए जुबानी प्रहार पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो गुजर गया उसकी चिंता नहीं करनी चाहिए, न ही भविष्य के बारे में चिंतिंत होना चाहिए। समझदार लोग केवल वर्तमान में ही जीते हैं।

– **आचार्य चाणक्य**

तीन महीने में फिट हो जाओ या होओगे रिटायर : डीजीपी

नाकारा पुलिसकर्मी की होगी छुट्टी

गुवाहाटी (हि.स./एजे)। असम पुलिस अब पेशेवर तरीके से अपने सभी कर्मचारियों-अधिकारियों, जिनमें भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी भी शामिल हैं, का बॉडी मास इन्डेक्स (बीएमआई) रिकॉर्ड करेगी, ताकि आने वाले वक्त में *नाकारा* हो चुके लोगों से पुलिस बल को छुटकारा दिलाया जा सके। पुलिसकर्मियों को अपनी फिटनेस पर काम करने के लिए तीन माह का समय दिया जाएगा, जिसके बाद बीएमआई रिकॉर्ड किया जाएगा। असम पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा कि हमारी योजना असम पुलिस के सभी कर्मियों, आईपीएस व एपीएस अधिकारियों सहित, को 15 अगस्त तक तीन माह का समय देने की है, और फिर 15 दिन के भीतर हम बीएमआई आकलन शुरू कर देंगे... जो कर्मी मोटापे की श्रेणी (बीएमआई 30+) में आएंगे, उन्हें वजन घटाने के लिए तीन और माह की पेशकश की जाएगी और उसके बाद उन्हें स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) की पेशकश कर दी जाएगी। जीपी सिंह ने कहा कि जिन्हें हाइपोथायरॉयडिज्म जैसी चिकित्सा समस्याएं होंगी, उन्हें छूट दी जाएगी। डीजीपी का कहना था कि 16 अगस्त को बीएमआई रिकॉर्ड करवाने वाले पहले शख्स वही होंगे। असम पुलिस में लगभग 70,000 कर्मचारी कार्यरत हैं। असम पुलिस के शीर्ष अधिकारी ने पिछले हफ्ते बताया था कि उन्होंने 650 से भी ज्यादा कर्मियों की एक लिस्ट बनाई है, जो कथित रूप से शराब पीने के आदी हैं या मोटे हैं, और उनमें से जो भी ड्यूटी के लिए अयोग्य पाए जाएंगे, उन्हें गहन समीक्षा के बाद स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की पेशकश की जाएगी। जीपी सिंह ने 8 मई को कहा था कि हमारे पास लगभग 680 लोगों की एक सूची पहले से मौजूद है... हालांकि बिना तार्किक आधार के कोई नाम लिस्ट में न जोड़ा जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए हमने बटालियनों और जिलों में समितियां गठित की हैं, जिनकी अध्यक्षता डिप्टी कमान्डेंट या एडिशनल एसपी रैंक के -शेष पृष्ठ दो पर

लेडी सिंघम की सड़क हादसे में मौत

नगांव। कई विवादों में फंसी असम पुलिस की महिला उप-निरीक्षक की मंगलवार तड़के एक सड़क हादसे में मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नगांव जिले में कलियाबोर अनुमंडल के जाखलाबंधा थाना क्षेत्र के तहत सरुभुगिया गांव मे महिला पुलिस अधिकारी की कार एक कंटेनर ट्रक से टकरा गई जिससे उसकी मौत हो गई। हादसे के समय वह अपनी निजी कार में थी और उन्होंने पुलिस की वर्दी धारण नहीं कर रखी थी। सड़क हादसे में जान गंवाने वाली महिला पुलिस जुनोमनी राभा को लेडी सिंघम या दबंग कॉप के नाम से मशहूर थी। वह मोरीकोलोंग पुलिस चौकी की प्रभारी थी और अपराधियों के खिलाफ कठोर कदम उठाती थी। जाखलाबांधा पुलिस थाने के प्रभारी पवन कलिता ने कहा कि देर रात करीब ढाई बजे हादसे की सूचना मिली जिसके बाद पुलिस गश्ती दल मौके पर पहुंचा और उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश से आ रहे कंटेनर ट्रक को पुलिस ने जब्त कर लिया है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। नगांव की पुलिस अधीक्षक लीना दलै ने सुबह मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। हालांकि, पुलिस को इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि महिला पुलिस अधिकारी अपनी निजी कार में बिना -शेष पृष्ठ दो पर

संचार साथी पोर्टल : अब खोए हुए मोबाइल नंबर का पता लगाना आसान

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार, रेलवे, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को संचार साथी पोर्टल लॉन्च किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि टेलीकॉम यूजर्स की सुरक्षा के लिए पीएम मोदी के विजन के तहत हमने संचार साथी पोर्टल लॉन्च किया है। इसमें टेलीकॉम यूजर्स की सुरक्षा के लिए तीन सुधार किए गए हैं, जो यूजर्स की डिजिटल पहचान की रक्षा करने में मदद करेंगे। ये सुधार वैश्विक स्तर पर भारत के टेलीकॉम सेक्टर को बेंचमार्क करने के लिए पूरी तरह से फिट हैं। वैष्णव ने बताया कि पहला सुधार केंद्रीकृत -शेष पृष्ठ दो पर

पत्रकार पर जासूसी का आरोप, सीबीआई ने किया केस दर्ज

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने स्वतंत्र पत्रकार विवेक रघुवंशी के खिलाफ जासूसी का मामला दर्ज किया है। उस पर डीआरडीओ और भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की खरीद से संबंधित संवेदनशील जानकारी एकत्र करके विदेशी खुफिया एजेंसियों के साथ साझा करने का आरोप है। सीबीआई ने मामला दर्ज करने के बाद दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और जयपुर में 12 स्थानों पर तलाशी ली है। सीबीआई के एक अधिकारी के मुताबिक वह डीआरडीओ और भारतीय सशस्त्र बलों की भविष्य की खरीद से संबंधित संवेदनशील जानकारी इकट्ठा कर रहा था। साथ ही उस पर मित्र राष्ट्रों के साथ भारत की कूटनीतिक और रणनीतिक वार्ता से संबंधित जानकारी एकत्र करने का भी आरोप है। आरोप है कि रघुवंशी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

गडकरी को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को सोमवार शाम उनके दिल्ली आवास पर फोन कॉल के जरिए जान से मारने की धमकी मिली। मंत्री के कार्यालय ने दिल्ली पुलिस को इस बारे में सूचित किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक, केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सोमवार शाम उनके दिल्ली स्थित आवास पर फोन कॉल आया। अनजान फोन कॉल के जरिए उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। मामले में दिल्ली पुलिस ने कहा कि गडकरी के आवास पर मिली जान से मारने की धमकी की सूचना मंत्री के स्टाफ ने पुलिस को दी थी।

पाकिस्तान में खूनी झड़प, 15 की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत पश्चिमोत्तर इलाके में कोयले की खदान के परिसीमन को लेकर दो गुटों के बीच हुई हिंसक झड़प में कम से कम 15 लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि ये घटना कोहट जिले में दर्रा आदम खेक इलाके में सन्नीखेल तथा जारघुन खेल जनजातियों के बीच हुई। उन्होंने कहा कि घटना में घायल हुए लोगों को पेशावर के एक अस्पताल में भेजा गया है। घायलों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय और असम सीमा वार्ता इसी माह के अंत में

शिलांग। मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा ने मंगलवार को जानकारी दी कि असम और मेघालय सरकारें कुछ हफ्ते में सीमा वार्ता करेंगी। सांग्मा ने कहा कि खंडुली गांव में तनाव की खबरों को लेकर मेघालय सरकार लगातार अपने समकक्ष के संपर्क में है। उन्होंने बताया कि इस महीने के अंत से पहले असम सरकार के साथ बैठक जरूर होगी। सांग्मा ने कहा कि हमने एक साथ यह भी फैसला किया है कि लोगों के विश्वास को बनाने के लिए इन संवेदनशील क्षेत्रों में एक संयुक्त दौरा किया जाएगा और साथ ही अपने संबंधित जिला प्रशासन, नागरिकों और संबंधित क्षेत्रों और संबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

इमरान को दे सकती है पाक सेना मौत की सजा

नई दिल्ली। पाकिस्तान में पिछले कई दिनों से गृहयुद्ध जैसे हालात बने हुए है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को भ्रष्टाचार के मामले में 9 मई को गिरफ्तार किया गया था। तबसे उनके पार्टी के नेता सड़कों पर हैं और इमरान खान के गिरफ्तारी को *अवैध* और *गैरकानूनी* बताते हुए हिंसक प्रदर्शन कर रहे हैं। यह हिंसा कई दिनों से चल रही है। अब पाक सेना पीटीआई चीफ और पीटीआई समर्थकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के मूड में है। सूत्रों के मुताबिक पाक सेना इमरान खान को घेरने के लिए आर्मी एक्ट और आफिशियल सीक्रेट्स एक्ट का इस्तेमाल कर सकती है। इन प्रावधानों में सजा-ए-मौत और आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। सेना ने अब इमरान खान सहित किसी को भी नहीं बख्शने का फैसला किया है, जिसे वह सैन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ जघन्य अपराध करार देती है। इसमें कहा गया है कि अपराधियों को पाकिस्तानी सेना अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम सहित पाकिस्तान के प्रासंगिक कानूनों के तहत मुकदमों के माध्यम से न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। आर्मी एक्ट और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट को शामिल करने का सेना का फैसला एक गंभीर प्रावधान है जिसमें इमरान खान, उनकी पार्टी के नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं पर ऐसे आरोप लगाए जा सकते हैं, जिसकी सजा मौत की सजा या आजीवन कारावास हो सकती है। पाकिस्तानी सेना अधिनियम आमतौर पर सेवारत अधिकारियों पर लागू होता है, जिन पर संस्था की आंतरिक जांच, परीक्षण और दंड प्रणाली के माध्यम से मुकदमा चलाया जाता है। जिसमें दोषी पाए जाने पर एक अधिकारी को कोर्ट मार्शल -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल के बिना अधूरे होते श्रीकृष्ण : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में अपने आवास पर अरुणाचल प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के समुदाय के नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत की। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल से मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने गुजरात की उनकी हाल की यात्रा के अनुभव के बारे में चर्चा की, विशेष रूप से केवडिया और गिफ्ट सिटी की उनकी यात्रा के बारे में। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश और गुजरात के बीच ऐतिहासिक और -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी : पूरे परिसर की एएसआई सर्वे करने की याचिका मंजूर

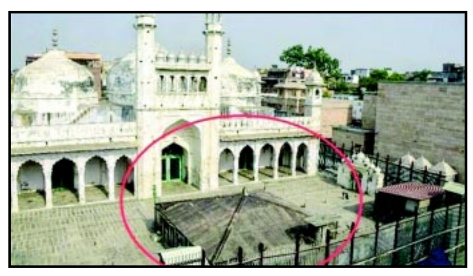

वाराणसी। काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी मस्जिद विवाद मामले में वाराणसी कोर्ट द्वारा पूरे ज्ञानवापी परिसर की एएसआई सर्वे की मांग वाली हिंदू पक्ष की याचिका को मंजूर कर लिया गया है। इस मामले में अगली सुनवाई 22 मई को होगी। वहीं मुस्लिम पक्ष को कोर्ट ने आपत्ति दाखिल करने के लिए 19 मई तक का समय दिया है। इसके अलावा चारों वादिनी महिलाओं ने कोर्ट में आज सुबह फ्रेश याचिका दाखिल की थी। मिली जानकारी के मुताबिक, 4 वादिनी महिलाओं ने विष्णु जैन के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

डॉक्टरों को मिलेगा डिजिटल कोड

नई दिल्ली। देश में जल्द ही डॉक्टरों को डिजिटल कोड दिया जाएगा। इसके जरिये न सिर्फ डॉक्टरों की पहचान, उपस्थिति सहित अन्य कार्यों में पहचान आसान होगी, बल्कि कोड से निगरानी भी की जाएगी। इतना ही नहीं, देश में ऑनलाइन चिकित्सा के दौरान भी डॉक्टर का वह डिजिटलकोड जरूरी होगा। जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की एक नीति समिति ने सभी मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालयों को डॉक्टरों के लिए एक यूआईडी नंबर देने का आदेश दिया है। जो डॉक्टर अलग-अलग राज्य मेडिकल काउंसिल से लाइसेंस प्राप्त हैं, उन्हें यह कोड -शेष पृष्ठ दो पर

एगरा : विस्फोट से उड़े नौ शव गिरे तालाब में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर के एगरा में अवैध पटाखे की फैक्ट्री में ब्लास्ट इतना तेज था कि मृतकों के शव पास के दो तालाब और गांव की सड़क पर उड़ कर पहुंच गए थे। विस्फोट की घटना के बाद घटना स्थल पर पहुंची पुलिस स्थानीय लोगों की मदद से शवों को एकट्ठा कर रही है। तालाब से शवों को निकाल रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक नौ शवों को शिनाख्त की गई है और शवों की मिलने की आशंका है। इस बीच जिला पुलिस अधीक्षक अमरनाथ ने घटना स्थल का दौरा किया और इलाके के आईसी को शॉ कॉज किया गया है, लेकिन स्थानीय लोग पुलिस पर सवाल उठा रहे हैं। मंगलवार दोपहर 12 बजे तक सबकुछ सामान्य था। अन्य दिनों की तरह ही एगरा के ब्लॉक नंबर 1 के सहारा ग्राम पंचायत क्षेत्र के खादीकुल गांव में दिनचर्या चल रही थी, करीब दोपहर बारह बजे तृणमूल कांग्रेस नेता कृष्णपद बाग उर्फ भानु बाग के अवैध पटाखे की फैक्ट्री में हुए धमाके ने गांव की पूरी तस्वीर बदल दी। -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिसकर्मियों को लोगों ने खदेड़ा

कोलकाता (हि.स.)। पूर्व मेदिनीपुर के एगरा में जहां अवैध पटाखा कारखाने में विस्फोट से कम से कम तीन लोगों की मौत हुई और चार लोग घायल हुए, वहां घटनास्थल पर पहुंचे पुलिसकर्मियों के साथ ग्रामीणों ने मारपीट की है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थानीय थाने की देखरेख में ही अवैध कारखाने चल रहे हैं। मंगलवार दोपहर घटना के बाद एगरा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची थी, जिसके बाद गुस्साई भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर हमला बोल दिया। ग्रामीणों की भीड़ ने एक पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ दी और माथे पर डंडे -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रक-टैंपो टक्कर में नौ लोगों की मौत

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ने जताया दु:ख

फतेहपुर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में फतेहपुर जिले के जहानाबाद थाना क्षेत्र में चिल्ली मोड़ के पास मंगलवार दोपहर को अनियंत्रित ट्रक ने यात्रियों से भरे टैंपो में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टैंपो में सवार नौ लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख जताया है। अपर पुलिस अधीक्षक विजय शंकर मिश्र ने बताया कि सड़क हादसे में टैंपो में सवार 11 लोगों में नौ लोगों की मौत हुई है। इनकी पहचान अनिल (32), उसकी पत्नी यशोदा देवी (28), छह साल की पुत्री पल्लवी और चार वर्षीय पुत्र लव के अलावा असरफी लाल (52) है। इसके साथ ही मृतकों में टैंपो चालक और अन्य तीन रिश्तेदार भी हैं, जिनकी अभी तक शिनाख्त नहीं हो सकी है। ये सभी लोग कानपुर देहात जिले के घाटमपुर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

आसमान से होगी कचरे की बारिश!

नई दिल्ली। वो दिन दूर नहीं जब आसमान से पानी नहीं रॉकेट-सेटेलाइट्स के टुकड़े बरसेंगे। हम इंसानों ने धरती पर तो कचरा फैलाया ही है, अंतरिक्ष को भी नहीं बख्शा। उसे भी *कचरा पेटी* बना दिया है। रॉकेट बूस्टर से लेकर बेकार हो चुकी जासूसी सेटेलाइट्स तक के टुकड़े ब्रह्मांड में बिखरे पड़े हैं। हमारे सिर पर एक *टाइम बम* बैठा हुआ है, जिसमें कभी भी विस्फोट हो सकता है। जिस ढंग से लगभग रोज नए रॉकेट या सेटेलाइट लॉन्च हो रही हैं, उससे पिछले 75 साल में ही बेतहाशा कचरा अंतरिक्ष में बढ़ गया है। एलन मस्क और जेफ बेजोस हजारों की तादाद में सेटेलाइट भेजने की तैयारियां कर रहे हैं। ऐसे में स्पेस एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है। लियो लैब नाम की एक कंपनी ने इसका इंटरेक्टिव मैप बनाया है, जो बेहद डराता है। ये मैप बताता है कि अगर समय रहते नहीं चेते तो भयानक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। इस लैब ने कचरे पर नजर रखने के लिए अलास्का, टेक्सस, न्यूजीलैंड और कोस्टा रिका में रडार लगाए हैं, जो अंतरिक्ष में कचरे पर नजर बनाए हुए है। यह सिस्टम छोटे से छोटे कचरे को भी डिटेक्ट कर सकता है। अंतरिक्ष में सबसे ज्यादा कचरा फैलाने वाला देश अमेरिका

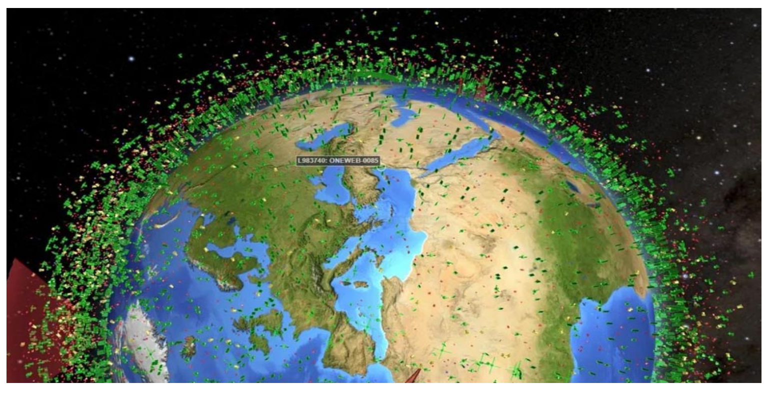

है। सिर्फ नासा ही नहीं बल्कि बहुत सारी प्राइवेट कंपनियां भी अंतरिक्ष में सेटेलाइट भेज रही हैं। लियो लैब के मुताबिक अमेरिका की 8497 चीजें अंतरिक्ष में तैर रही हैं। इनमें रॉकेट के टुकड़े, पेलोड और सेटेलाइट का कचरा है, जो पृथ्वी की कक्षा में घूम रहे हैं। दूसरे नंबर पर रूस का नाम है, जिसकी 4836 वस्तुएं स्पेस में बिखरी पड़ी हैं। चीन के भी 4,047 ऑबजेक्ट ब्रह्मांड में घूम रहे हैं। भारत की 143 तो जापान 142 चीजें अंतरिक्ष में हैं। तमाम देशों के अलावा निजी कंपनियां भी अंतरिक्ष के लिए प्रोजेक्ट चला रहे हैं। इससे विशेषज्ञों को अंतरिक्ष में सेटेलाइट ही सेटलाइट भरने की आशंका होने लगी है। एलन मस्क के स्पेस एक्स ने 12 हजार से ज्यादा सेटेलाइट्स लॉन्च करने की योजना बनाई है और अभी तो उसने महज 4000 की ही शुरुआत की है। वहीं अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस भी 3 हजार से ज्यादा सेटेलाइट लॉन्च करना चाहते हैं। अंतरिक्ष में इतनी ज्यादा सेटेलाइट होने लगी हैं, उनके आपस में टकराने का खतरा पैदा हो गया है। डेली मेल की खबर के अनुसार शोधकर्ताओं ने पाया कि हर हफ्ते स्टारलिंक की औसतन 1600 सेटेलाइट्स पर किसी दूसरी से टकराने का खतरा बना रहता है। दो मौके तो ऐसे आए जब दो सेटेलाइट्स के बीच महज की दूरी एक किलोमीटर से भी कम थी। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक अनुमान के मुताबिक पृथ्वी की कक्षा में इस समय 10,800 टन (करीब 98 लाख किलो) कचरा बिखरा हुआ है। इनमें से 200 तो *सुपर स्प्रेडर* हैं। ये सुपर स्प्रेडर दरअसल बड़े-बड़े रॉकेट हैं, जो टूटकर हजारों टुकड़ों में बिखर सकते हैं। इससे केसलर सिंड्रोम जैसी स्थिति बन सकती है। मतलब अंतरिक्ष में इतना ज्यादा मलबा कि वो सेटेलाइट्स और रॉकेट को नुकसान पहुंचा सकता है। एक अनुमान के मुताबिक अंतरिक्ष में 17 करोड़ से ज्यादा अंतरिक्ष कचरा तैर रहा है। इनमें से महज 27 हजार का ही अभी तक पता चल सका है। ये टुकड़े बड़ा नुकसान पहुंचा सकते हैं क्योंकि इनकी स्पीड करीब 27 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की है। यह स्पीड इतनी ज्यादा है कि एक छोटा सा टुकड़ा भी किसी रॉकेट या सेटेलाइट को तबाह कर सकता है। कई मौकों पर धरती पर भी स्पेस का कचरा आकर गिरा है।

चार दिवसीय प्रवास पर झारखंड पहुंचे संघ प्रमुख भागवत

रांची (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत चार दिवसीय प्रवास पर मंगलवार को झारखंड के रांची पहुंचे। इस दौरान वह लोहरदगा जिले में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल होंगे। डॉ. भागवत करीब 12 बजे तपस्विनी एक्सप्रेस से भुवनेश्वर से चलकर रांची जिले के हटिया स्टेशन पहुंचे। उनके आगमन से पहले ही रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। हालांकि उनको करीब 10.30 बजे पहुंचना था, लेकिन ट्रेन विलंब से पहुंची। रेलवे स्टेशन से वह सड़क मार्ग से लोहरदगा के लिए रवाना हो गए। लोहरदगा जिले में स्थित शीला अग्रवाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया गया है। डॉ. भागवत के आगमन के मद्देनजर यहां सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। डॉ. भागवत 19 मई को सुबह 9.30 बजे यहां से रांची जाएंगे और उसी दिन शाम को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से मुंबई के लिए रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि संघ शिक्षा वर्ग संघ का सांगठनिक प्रशिक्षण शिविर है। इसके प्रथम और द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षण हर साल प्रांत अथवा क्षेत्र स्तर पर आयोजित किया जाता है।

विस चुनाव में हार के बाद हटाए जा सकते हैं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को संकेत दिया कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कतील को बदला जा सकता है। कतील पहले ही अपना तीन साल का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। दक्षिण कन्नड़ से तीन बार लोकसभा सदस्य रहे कतील को अगस्त 2019 में तीन साल के कार्यकाल के लिए राज्य इकाई का प्रमुख नियुक्त किया गया था। 2023 के विधानसभा चुनावों को देखते हुए उन्हें पिछले साल सेवा विस्तार दिया गया था। 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को सत्ता से बेदखल कर दिया है। 224 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 135 सीटें मिलीं, जबकि भाजपा को 66 और जद (एस) को 19 सीटें मिलीं। धारवाड़ से लोकसभा सदस्य और केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला व खान मंत्री जोशी ने कहा कि भाजपा विधायक दल पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रतिनिधि की मौजूदगी में चर्चा के बाद फैसला करेगा।

रूस ने किया कीव पर भीषण हवाई हमला यूक्रेन ने 18 मिसाइलों को नष्ट किया

कीव, 16 मई (हि.स.)। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव को निशाना बनाकर अब तक की लड़ाई में भीषण हवाई हमला किया लेकिन यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली ने इसे विफल करते हुए सभी 18 मिसाइलों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की राजधानी कीव में मंगलवार तड़के रूस ने हवा, समुद्र और जमीन से मिसाइल दागते हुए भीषण हमला किया। हमलों के दौरान कीव में सोमवार देर रात तेज धमाकों की आवाज सुनी गई। हमलों में किसी के हताहत होने की अभी कोई सूचना नहीं है। यूक्रेन को पश्चिमी देशों द्वारा दिए गए हथियारों ने हमले को रोकने में मदद की। हमला ऐसे समय में किए गए जब यूरोपीय नेताओं ने रूस को युद्ध के लिए दंडित करने के नए तरीके खोजे हैं और चीन के एक दूत ने बीजिंग के शांति प्रस्ताव पर कार्रवाई की मांग की है। इस महीने में आठवीं बार रूस ने हवाई हमलों से कीव को निशाना बनाया है। कीव सैन्य प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने कहा कि कीव पर रूस का यह हमला संख्या के आधार पर बेहद व्यापक था। उन्होंने कहा कि दनादन मिसाइल दागी गईं। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के यूरोप की यात्रा समाप्त करने के बीच ये हमले किए गए। पोपको ने कहा कि प्राथमिक जानकारी के अनुसार कीव के हवाई क्षेत्र में हमला करने वालों के अधिकतर ठिकानों का पता लगाकर उन्हें नष्ट कर दिया गया। यूक्रेन की वायुसेना ने कहा कि हमले में ड्रोन, क्रूज मिसाइल और बैलिस्टिक मिसाइल सहित विभिन्न प्रकार की 18 मिसाइलें दागी गईं। वायुसेना के प्रवक्ता यूरी इनहात ने कहा कि सभी को मार गिराया गया। इनहात ने सोशल मीडिया ऐप टेलीग्राम पर बताया कि छह किंजल एयरो-बैलिस्टिक मिसाइल मिग-31के विमान से दागी गईं तथा काला सागर में मौजूद जहाजों से नौ क्रूज मिसाइल और तीन जमीन आधारित एस-400 क्रूज मिसाइलों से राजधानी को निशाना बनाया गया। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव ने बल की जवाबी कार्वाई की सराहना करते हुए ट्वीट किया, एक और अविश्वसनीय सफलता। यूक्रेन में ब्रिटेन की राजदूत मेलिंडा सिमंस ने ट्वीट किया कि हमले भीषण थे। उन्होंने लिखा कि हिलती दीवारों के बीच रात काटना आसान नहीं था। रूस के एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि मंगलवार के हमले में कीव में एक पैट्रियट मिसाइल इकाई को नष्ट कर दिया गया। रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता इगोर कोनाशेंकोव ने कहा कि प्रणाली को किंजल ने नष्ट किया। उन्होंने इस संबंध में कोई सबूत नहीं दिए और इस बयान की कोई पुष्टि भी नहीं की जा सकती। सैन्य विशेषज्ञों का कहना है कि मजबूत हवाई सुरक्षा ने रूसी विमानों को यूक्रेन में अंदर तक जाने से रोक दिया। हमला ऐसे समय किया गया जब यूरोपीय नेता महाद्वीप के मुख्य मानवाधिकार निकाय 46 देशों की यूरोपीय परिषद के एक दुर्लभ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं। वहीं, एक चीनी दूत आने वाले दिनों में यूक्रेन और रूस की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं क्योंकि बीजिंग फरवरी में जारी शांति योजना पर जोर दे रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, पूर्व राजदूत ली हुई पोलैंड, फ्रांस और जर्मनी की यात्रा भी करेंगे। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के अनुसार, सोमवार से मंगलवार सुबह तक यूक्रेनी क्षेत्रों में रूस की गोलाबारी में कम से कम सात नागरिकों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए।

पूर्वोत्तर में भारी बारिश की चेतावनी

गुवाहाटी। पूर्वोत्तर के कई राज्यों में इस हफ्ते भारी बारिश होने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार (16 मई) से शनिवार (20 मई) के दौरान पूर्वोत्तर में वर्षा की भविष्यवाणी की है। असम और मेघालय में मंगलवार और शनिवार (16-20 मई) के बीच भारी वर्षा होगी। दूसरी ओर नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में शुक्रवार (19 मई) तक भारी बारिश होगी। इसके अलावा असम और मेघालय में मंगलवार, गुरुवार और शुक्रवार (16, 18 और 19 मई) को भी भारी बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने 16 मई के लिए अरुणाचल प्रदेश पर यलो वॉच जारी की है। सप्ताहांत तक असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के लिए भी येलो वॉच जारी की गई है। आईएमडी ने स्थानीय लोगों से खराब मौसम के बारे में अद्यतित रहने का भी आग्रह किया है।

पृष्ठ एक का शेष

तीन महीने में ...

अधिकारी करेंगे... उन्होंने यह भी बताया कि जिन लोगों के नाम सूची में आ जाएंगे, लेकिन अगर वे वीआरएस चुनने के इच्छुक नहीं होंगे, तो उन्हें फील्ड ड्यूटी नहीं दी जाएगी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया था कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने हाल ही में शीर्ष पुलिस अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक के दौरान पुलिस बल से नाकारा लोगों को हटाने की पुरजोर तरफदारी की थी। इन लोगों में आदतन शराब पीने वाले, अत्यधिक मोटापे वाले कर्मियों के साथ-साथ वे कर्मी भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। मुख्यमंत्री का इरादा असम पुलिस बल को रेस्पॉन्सिव और एक्शन-ओरिएन्टेड बनाना है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, जो राज्य के गृहमंत्री भी हैं, ने बाद में यह भी कहा था कि सरकार के पास उन्हें वीआरएस देने का प्रावधान है... यह एक पुराना नियम है, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया था... इस बार हमने इस पर काम करना शुरू कर दिया है... जिन लोगों को वीआरएस की पेशकश की जाएगी, उन्हें उनका पूरा वेतन मिलता रहेगा और रिक्तियों को भरने के लिए नई भर्तियां की जाएंगी...

लेडी सिंघम की ...

किसी सुरक्षा और सादी कपड़ों में अकेले ऊपरी असम की ओर क्यों जा रही थी। वहीं, उनके परिवार को भी इस यात्रा के बारे में कोई जानकारी नहीं है। पिछले साल जून में उन्हें उनके पूर्व प्रेमी के साथ कथित भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और माजुली जिले की एक अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया था जिसके बाद उनकी सेवा निलंबित कर दी गई थी। बाद में उनका निलंबन खत्म कर दिया गया और वह पुलिस सेवा में फिर वापस आ गई। पिछले साल जनवरी में बिहपुरिया निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक अमिय कुमार भुइंया के साथ उनकी टेलीफोनिक बातचीत लीक होने के कारण भी वह विवाद में आयी थीं।

संचार साथी पोर्टल ...

उपकरण पहचान रजिस्टर (सीईआईआर) है, जो मोबाइल फोन के खो जाने या चोरी हो जाने पर उसे ब्लॉक करने, ट्रैक करने और उसका पता लगाने में मदद करता है। यदि सिम कार्ड हटा दिया जाता है और एक नया सिम कार्ड डाला जाता है, तो भी फोन को ब्लॉक किया जा सकता है। सीईआईआर फोन डेटा और व्यक्तिगत सामान को सुरक्षित करने में मदद करेगा। उन्होंने बताया कि दूसरा *नो योर मोबाइल* है। यूजर्स को यह जानने की सुविधा मिलेगी कि उनके नाम पर कितने सिम कार्ड हैं और किस तरह के दस्तावेज संलग्न किए गए हैं। अब आप यह जान सकते हैं और इसे बंद कर सकते हैं, क्योंको फोन नंबर केवाईसी से जुड़े हैं। यह एक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एल्गोरिध्म के साथ किए जाएगा।

मेघालय और असम ...

अधिकारियों से किसी भी तरह की कार्रवाई से परहेज करने के लिए कहा जाएगा। एक तनावपूर्ण स्थिति का कारण बनता है। उल्लेखनीय है कि 11 मई, 2023 को जयंतिया और कार्बी समुदाय के बीच पश्चिम जयंतिया हिल्स जिले में अंतर्राज्यीय सीमा से सटे खंडुली गांव में हिंसा हुई थी। खंडुली के दोरबार शोंग के बाद कार्बी लोगों को गांव से गुजरने से रोकने के बाद झड़प हुई। यह कार्बी लोगों के एक समूह द्वारा ग्रामीणों को उनके धान के खेतों में जाने से कथित तौर पर धमकी देने के बाद आया था। इस झड़प में पथराव, मारपीट और दो झोपड़ियों में आग लगाने की भी घटना हुई। कार्बी आंग्लांग के कम से कम दो लोगों को झड़प में चोटें आईं और उन्हें चिकित्सा के लिए होजाई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के दौरान गुस्साई भीड़ ने पश्चिम जयंतिया हिल्स के एसपी के सरकारी वाहन पर भी पथराव किया।

इमरान को दे ...

और एक अपमानजनक माध्यम से सेवा से छुट्टी दे दी जाती है। ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट और इसकी धाराएं देशद्रोह, जासूसी और खुफिया सूचना एकत्र करने से संबंधित हैं, जिनके लिए मृत्युदंड की सजा का प्रावधान है। पाकिस्तान की मीडिया के मुताबिक इमरान खान पर आर्मी एक्ट की धारा 59 और 60 के तहत कार्रवाई होगी। उनके खिलाफ पाकिस्तान की मिलिट्री सिमरी कोर्ट में सुनवाई होगी। इस एक्ट में दोष साबित होने पर इमरान को मौत की सजा या उम्रकैद की सजा हो सकती है। धारा- 59 के तहत दोषी पाए जाने पर सजा-ए-मौत का प्रावधान है। इस धारा का इस्तेमाल असैन्य अपराधों के लिए किया जाता है। ऑफिशियल सीक्रेट एक्ट 1923 के सेक्शन 3 में जासूसी के आरोप में 14 साल का प्रावधान है। यह कानून इसलिए भी खतरनाक है क्योंकि इसके तहत कार्रवाई में सबूतों की बहुत ज्यादा जरूरत नहीं होती है। अगर इस केस में सिर्फ परिस्थितियां ही साबित हो जाएं या फिर अपराध करने वाले का व्यवहार देश के खिलाफ साबित कर दिया जाए, तो भी सजा सुनाई जा सकती है। आर्मी एक्ट के क्लॉज डी का सब सेक्शन 1 इस कानून को और भी खतरनाक बनाता है। इसके मुताबिक अगर कोई पाकिस्तान के खिलाफ जंग छेड़ता है, हथियार उठाता है या फिर सुरक्षा बलों पर हमला करता है तो उसके खिलाफ इस सब सेक्शन के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। अवैध गतिविधियों के लिए इस एक्ट के तहत विदेश या स्थानीय स्रोत से फंडिंग लेना या देना दोनों ही अपराध है। ऐसा होने पर इसी एक्ट के तहत केस चलेगा। पाकिस्तान आर्मी एक्ट एक तरह से पाकिस्तानी सेना को मनमर्जी करने का अधिकार दे देता है। बहुत से भारतीयों के खिलाफ इसका इस्तेमाल किया जा चुका है।

पत्रकार पर जासूसी ...

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे थे और उनके कार्यों के कारण मित्र देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध भी तनाव में थे। सीबीआई ने कहा कि रघुवंशी ने डीआरडीओ की *संवेदनशील* और *मिनट* डिटेल जुटाई और उसे पैसों के लिए बेच दिया। रक्षा सूत्रों का कहना है कि रघुवंशी कथित रूप से पैसे के लिए रक्षा परियोजनाओं, खरीद और भविष्य की योजनाओं के रणनीतिक विवरण विदेशों को बेच रहे थे। सूत्रों ने कहा कि वह संवेदनशील प्रतिष्ठानों और परियोजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दे रहे थे। वह कुछ समय से लगातार विदेशी एजेंसियों के संपर्क में होने से अधिकारियों के राडार पर था। इसी मामले में सीबीआई दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और जयपुर में एक दर्जन स्थानों पर छापेमारी कर रही है, जहां से बड़ी मात्रा में डिजिटल रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

अरुणाचल के बिना...

सांस्कृतिक संबंधों पर भी चर्चा की। पीएम मोदी ने कहा कि अगर अरुणाचल न होता तो श्रीकृष्ण अधूरे होते। रुकमणि की श्रीकृष्ण से शादी हुई। ऐसे में अरुणाचल का सीधा नाता गुजरात से है। मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा कि केंद्र सरकार के समर्थन से असम-अरुणाचल सीमा विवाद जैसे कई लंबित सीमा मुद्दों को सुलझा लिया गया है। प्रतिनिधिमंडल ने बातचीत के लिए उन्हें आमंत्रित करने के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बारे में भी बात की कि कैसे केंद्र और राज्य सरकार के समर्थन से अरुणाचल प्रदेश ढांचागत विकास में बड़े कदम उठा रहा है। दिल्ली में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद अरुणाचल प्रदेश की विभिन्न जनजातियों के सामुदायिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने खुशी जाहिर की है। चाउ सिहाराजा चौटांग ने कहा कि ऐसा लगा जैसे हम अपने ही घर में हैं। ऐसा नहीं लगा कि हम घर से बहुत दूर हैं। न्यारी रिसो ने कहा कि पीएम से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हम विकास में पीएम का साथ देना चाहते हैं।

ज्ञानवापी : पूरे परिसर ...

पहले काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। इस दौरान विष्णु जैन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि अब एक-एक सच्चाई निकलकर बाहर आएगी। यहां अब केवल शिवलिंग वाली आकृति की नहीं बल्कि पूरे परिसर की साइंटिफिक जांच होगी। उन्होंने आगे कहा कि पूरा परिसर हिंदू मंदिर का है। इससे पहले एक अधिवक्ता ने शुक्रवार को बताया कि ज्ञानवापी प्रकरण से समबंधित एक ही प्रकृति के 7 मुकदमों को एक साथ सुने जाने के आदेश के बाद शुक्रवार को हिंदू पक्ष के अधिवक्ताओं ने वाराणसी के जिला न्यायाधीश के समक्ष अपनी आपत्ति जताई। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता मदन मोहन यादव ने बताया कि सभी मुकदमों को एक साथ सुने जाने का वादी राखी सिंह के अधिवक्ता की तरफ से भी विरोध किया गया। राखी सिंह के अधिवक्ता ने कहा था कि यह मामला अलग प्रकृति का है, अत: इसे अलग-अलग सुना जाय तथा सबको समेकित न किया जाए। अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी के अधिवक्ताओं ने भी सभी मुकदमों को समेकित करने का विरोध किया किया। जिसके बाद न्यायाधीश ने सुनवाई की अगली तारीख तय कर दी।

डॉक्टरों को मिलेगा...

मिलेगा जो एनएमआर में पंजीकरण और भारत में चिकित्सा का अभ्यास करने की पात्रता प्रदान करेगा। देश के सभी लाइसेंसधारी डॉक्टरों के लिए एक सामान्य राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर होगा। इसे एनएमसी के तहत नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड (ईएमआरबी) द्वारा बनाए रखा जाएगा। इस रजिस्टर में विभिन्न राज्य चिकित्सा परिषदों द्वारा बनाए गए सभी राज्य रजिस्टरों के पंजीकृत चिकित्सकों की सभी प्रविष्टियां होंगी और उनकी डिग्री, विश्वविद्यालय, विशेषज्ञता से संबंधित डेटा के साथ अन्य महत्वपूर्ण जानकारी होगी। जानकारी यह भी है कि डॉक्टर को हर पांच साल बाद लाइसेंस रिन्यू करना होगा।

एगरा : विस्फोट से ...

धमाके की आवाज से पूरा इलाका थर्रा किया और चारों ओर केवल धुआं और आग दिखाई दे रहा था। घटना स्थल पर केवल आग और धुआं दिखाई दे रहा था। धमाके की आवाज सुनकर जब स्थानीय लोग घटना स्थल पहुंचे तो चारों ओर क्षत-विक्षत हालत में शव पड़े थे। घायल लोग कराह रहे थे। किसी का हाथ नहीं था, तो किसी का पैर नहीं था, तो कुछ लोग उड़ कर तालाब में गिर गए थे। हर जगह दर्द और चीख की आवाज सुनाई दे रही थी। हर तरफ सिर्फ चीख-पुकार मची हुई थी। स्थानीय निवासियों के मुताबिक, विस्फोट की तीव्रता इतनी तेज थी कि शव घर की छत से गिरकर तालाब में जा गिरे। इस घटना के बाद पुलिस और दमकल को सूचना दी गई। दमकल की नौ इंजन की मदद से आग बुझाई गई, लेकिन जब पुलिस पहुंची तो स्थानीय लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा। पुलिस जान बचाकर भागती हुई दिखी। स्थानीय विधायक भी घटना स्थल पर पहुंचे, लेकिन उन्हें भी आम लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। इस बीच, पुलिस पास के दो तालाबों से शव निकालने का सिलसिला जारी रहा। शाम छह बजे तक नौ लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। नौ लोगों के शव मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि अभी और भी शव मिल सकते हैं। स्थानीय अस्पताल में सात से अधिक लोग भर्ती हैं और उनमें से कई की हालत गंभीर है। एक स्थानीय निवासी ने कहा कि घटना के लिए पुलिस प्रशासन जिम्मेदार है। यहां बम शेल्टर बनाया गया था। यह फैक्ट्री पुलिस के भरोसे चल रही थी। पुलिस सब जानती थी। पुलिस जिम्मेदार है। वे रोज आते थे। लेन-देन नहीं तो इतना बड़ा घोटाला कैसे हो गया सकता था। श्यामपद प्रधान नामक एक अन्य निवासी ने कहा कि यहां महिलाएं अधिक काम करती थीं। कई लोग इस विस्फोट में मारे गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पूरा खेल पुलिस की मिलीभगत से चल रहा था और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं करती थी।

पुलिसकर्मियों को ...

से हमला किया। इसका एक वीडियो सामने आया है जिसमें देखा जा सकता है कि गांव वाले एक सुर में शोर मचाते हुए पुलिसकर्मियों को खदेड़ रहे हैं। मंगलवार दोपहर अवैध पटाखा फैक्टरी में विस्फोट और उसमें हुई मौत की घटना के बाद से लगातार सैकड़ों की संख्या में एकत्रित हुए गांव वाले विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि पुलिस वाले अवैध कारखानों से वसूली कर गैरकानूनी तरीके से विस्फोटकों को एकत्रित करने में संरक्षण देते हैं। यह भी आरोप है कि अवैध कारखानों के बारे में कई बार पुलिस को शिकायत की गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। पूर्व मेदिनीपुर के जिला पुलिस अधीक्षक अमरनाथ ने बताया है कि पुलिस कर्मियों पर हमले के मामले में अलग से प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। सीसीटीवी फुटेज देखकर हमलावरों की शिनाख्त की जाएगी।

ट्रक-टैंपो टक्कर...

थाना क्षेत्र के मूसानगर कस्बे के निवासी थे। मंगलवार सुबह मूसानगर से टैंपो में बैठकर जहानाबाद कस्बे के बारादरी में शादी के लिए लड़की देखने आ रहे थे। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहानाबाद में भर्ती कराया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मृतकों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई। फतेहपुर की घटना को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय से ट्वीट किया गया है। इसमें कहा गया है कि उत्तर प्रदेश के फतेहपुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की निगरानी में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की पूरी मदद में जुटा है। प्रधानमंत्री मोदी ने फतेहपुर सड़क हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए और घायलों को 50-50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। पीएमओ ने ट्वीट कर कहा कि फतेहपुर में हुआ सड़क हादसा अत्यंत दुखद है। इसमें जिन्होंने अपने परिजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदना है। इसके साथ ही मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की निगरानी में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की पूरी मदद में जुटा है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने ट्वीट कर कहा कि फतेहपुर में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दु:खद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार के लिए निर्देश दिए हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

पाकिस्तान में खूनी ...

जानकारी नहीं हैं लेकिन दोनों गुटों के बीच गोलीबारी में दोनों ओर से लोग हताहत हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस का संयुक्त दल तथा सुरक्षा बल घटनास्थल पर पहुंचे और उन्होंने दोनों गुटों के बीच गोलीबारी रुकवाई। दर्दा आदम खेल पुलिस थाने में इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। गौरतलब है कि सन्नीखेल तथा जारघुन खेल जनजातियों के बीच कोयला खदान के परिसीमन को लेकर विवाद पिछले कुछ वर्षों से चल रहा है और इसे सुलझाने के लिए कई बार *जिरगा* बुलाई जा चुकी हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **द्वादश अध्याय**

(चार प्रकार के भक्त)

(अर्थार्थी)

अमित अनन्त ब्रह्माण्ड के, साशक प्रभु पर देव।
स्वतन्त्र देश आपन मिलै, पूर्ण काम जन सेव॥ 17॥

शब्दार्थ : (अमित) अपरिमित (सेव) भक्ति।

भाष्य : हे अनंत ब्रह्मांड के शासक सर्व प्रदाता परमप्रभो! मैं आपकी भक्ति करता हूं। मुझे अपना स्वतंत्र देश प्राप्त हो, जिससे मेरे सभी कर्त्तव्य पूर्ण हों। इस सद्ग्रंथ की रचना भारत के स्वतंत्र होने के पूर्व की गयी थी इसलिए प्रभु से देश-स्वतंत्र कर देने और पूर्ण काम होने की प्रार्थना की गई है।

अखिल लोक ब्रह्माण्ड का, सम्मराट् प्रभु एक।
सम्मराज्य निज देश का, देहु नीति सत्य टेक॥ 18॥

शब्दार्थ : (अखिल) संपूर्ण (नीति) न्याय-व्यवस्था (टेक) प्रतिज्ञा, प्रण, संकल्प।

भाष्य : हे अखिल विश्व अनंत ब्रह्मांड के सम्राट एकेश्वर महाप्रभो! मुझे सत्य-न्याय से अपने देश का साम्राज्य दीजिए। यही मेरा सत्यसंकल्प है।

तिनसुकिया में आयोजित हुआ 5वां जिला उपायुक्त सम्मेलन

मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी जिलों को समान रूप से विकास की ओर बढ़ने पर बल दिया

तिनसुकिया (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा आज तिनसुकिया में आयोजित पांचवें जिला आयुक्त सम्मेलन के दूसरे दिन के कार्यक्रम में शामिल हुए। सम्मेलन के आज के शुरुआती बैठक में उपस्थित राज्य सरकार के मंत्री एवं मुख्य सचिव और जिला आयुक्तों सहित शीर्ष अधिकारियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में असम के लोगों के विकास और नई उम्मीदों से भरे असम के निर्माण के प्रयासों और सपनों की यात्रा शुरू की है। इस दौरान राज्य सरकार ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं और कई यात्राओं की दिशा दिखाने में सफल रही है। उन्होंने राज्य सरकार के पिछले दो वर्षों के कार्यकाल के दौरान महाबीर लाचित बरफुकन की 400वीं जयंती मनाई गई। 11 हजार से अधिक बिहुआ-बिहुवती की उपस्थिति में बनाए गए विश्व रिकार्ड आदि का उल्लेख करते हुए बोड़ो, कार्बी, डिमासा और आदिवासी समझौता से राज्य में शांति का वातावरण तैयार हुआ है। राज्यवासियों के सहयोग से राज्य में एक आंदोलन रहित वातावरण तैयार हुआ है। इसके अलावा, राज्य के बड़े क्षेत्रों से अशांत क्षेत्र अधिनियम को वापस ले लिया गया है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पिछले दो वर्षों में असम में 15 हजार करोड़ रुपए से अधिक का निवेश आकर्षित किया है और कई निवेश प्रस्ताव उद्योग विभाग द्वारा विचाराधीन हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने पूरे राज्य के अधोसंरचना विकास पर दूरगामी प्रभाव डाला है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रति वर्ष औसतन 25 हजार करोड़ रुपए खर्च करने में सक्षम है और केंद्र सरकार को उम्मीद है कि 2023-24 में राज्य की जीडीपी 5 लाख 50 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने जीएसटी और अन्य राजस्व एकत्र करने में एक अच्छी पृष्ठभूमि बनाई है और राज्य सरकार द्वारा कृषि में धान खरीद करने के प्रयासों को नई गति मिली है। राज्य में चाय उद्योग ने भी पिछले एक साल में अच्छे परिणाम दिखाए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में असम माला परियोजना के कार्यान्वयन, जिलों में *लैंड बैंक* के निर्माण, मिशन वसुंधरा के कार्यान्वयन आदि की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक साल में स्वास्थ्य क्षेत्र में तीन मेडिकल कॉलेज खोलना असम के इतिहास में एक अभूतपूर्व घटना साबित हुई है। उन्होंने कहा कि अरुणोदय योजना और मुख्यमंत्री आयुष्मान असम योजना सहित योजनाओं के कार्यान्वयन में राज्य ने लक्ष्य को पार कर लिया है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में प्रदेश के सभी जिलों को समान रूप से विकास की ओर बढ़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि योजना तय समय से पीछे चलने वाले जिलों के आयुक्त उस जिले का दौरा करेंगे जिसने इस संबंध में अच्छा प्रदर्शन किया है और जानेंगे कि उस जिले ने कैसे सफलता हासिल की है। अगले छह माह में पिछड़े जिलों का मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव तथा अभिभावक मंत्री एवं अभिभावक सचिव पिछड़े जिलों का लगातार दौरा कर प्रदर्शन में सुधार के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सम्मेलन में सभी जिलों का समान विकास चर्चा का प्रमुख विषय होगा। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में इस बात पर भी विस्तार से चर्चा होगी कि जिला आयुक्त प्रशासन के केंद्र के रूप में अपने कार्यों का निष्पादन कैसे कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह जानना बहुत जरूरी है कि किसी जिले की आर्थिक गति किस दिशा में जा रही है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने आज तिनसुकिया में नवनिर्मित कांफ्रेंस सेंटर का विधिवत उद्घाटन किया। अत्याधुनिक सम्मेलन केंद्र 15.60 करोड़ रुपए की लागत से बनाया गया है और इसमें सेमिनार कक्ष और अतिथि कक्ष सहित कई सुविधाएं हैं। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कांफ्रेंस सेंटर में प्रदर्शित चिंगफो लोगों की पारंपरिक चाय *फाल पो* का स्वाद चखा। उल्लेखनीय है कि फाल पो को तिनसुकिया जिले के *वन डिस्ट्रिक्ट रनिंग प्रोडक्ट* के रूप में प्रचारित किया गया है। उन्होंने उसी स्थान पर स्थानीय कागजी नीबू के शरबत का भी स्वाद चखा। कांफ्रेंस सेंटर के उद्घाटन के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कल के बाद जिला आयुक्तों को पांच समूहों में विभाजित किया गया था, जिसमें राज्य सरकार के एक मंत्री और एक अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ एक दिन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई थी। सुबह 10 बजे से रात 9 बजे तक चली समीक्षा बैठक में जिला आयुक्तों ने प्रस्तुतियां दी और एक मंत्री और एक अतिरिक्त मुख्य सचिव ने प्रस्तुतियों पर अपनी टिप्पणी दर्ज की। ज्ञात हो कि राज्य सरकार जिला उपायुक्त कार्यालय को निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर स्थानांतरित करने की योजना बना रही है। सम्मेलन में असम में 12 प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन पर भी चर्चा की गयी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रत्येक छह माह में होने वाला जिला आयुक्त सम्मेलन की अगली बैठक उत्तर लखीमपुर में होगी। वहीं पुलिस अधीक्षक सम्मेलन जून में बंगाईगांव में होगा। बैठक में राज्य सरकार के मंत्री रंजीत कुमार दास, अतुल बोरा, यूजी ब्रह्म, केशव महंत, परिमल शुक्लबैद्य और अजंता नेउग, चंद्र मोहन पटवारी, डॉ. रनोज पेगु, योगेन महन, संजय किसान, अशोक सिंघल, बिमल बोरा, नंदिरा गार्लोसा के साथ ही केंद्रीय राज्य मंत्री रामेश्वर तेली, और मुख्य सचिव पवन कुमार बरठाकुर भी उपस्थित थे।

रिश्वत लेते रंगे हाथों महिला लोक सेवक गिरफ्तार

शोणितपुर (हिंस)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय, असम की टीम ने एक शिकायत के आधार पर आज कार्रवाई करते हुए शोणितपुर जिला मुख्यालय शहर तेजपुर में जिला उपायुक्त कार्यालय में एक महिला लोक सेवक प्रतिलिपिकार बॉबी खान सैकिया को एक हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। शिकायतकर्ता से भूमि दस्तावेजों की प्रमाणित प्रति जारी करने के नाम पर रिश्वत के रूप में महिला लोक सेवक ने एक हजार रुपए की मांग की थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत का भुगतान करने की अनिच्छा से उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए निदेशालय से संपर्क किया। निदेशालय की एक टीम द्वारा आज उपायुक्त कार्यालय में एक जाल बिछाया गया था। बॉबी खान सैकिया को रुपए स्वीकार करने के तुरंत बाद रंगे हाथों पकड़ा गया। आरोपी लोक सेवक के कब्जे से शिकायतकर्ता से रिश्वत के रूप में एक हजार रुपए दागी रिश्वत की रकम बरामद कर ली गई है और इसे स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में जब्त कर लिया गया है। आरोपी लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत मिलने पर, उसे सतर्कता और भ्रष्टाचार विरोधी निदेशालय, असम की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में आज एसीबी थाने में मामला दर्ज किया गया है। बॉबी खान सैकिया के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 7 (ए) के तहत मामला संख्या 34/2023 पंजीकृत किया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

टनल संख्या-14 में कंक्रीट लाइनिंग का कार्य पूरा

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सेवक-रंगपो रेल परियोजना (एसआरआरपी) के टनल संख्या टी-14 में 15 मई को अंतिम कंक्रीट लाइनिंग को पूरा कर एक और माइलस्टोन हासिल किया है। पिछले साल इस टनल की खनन पूरी हुई थी और इस परियोजना में शामिल इंजीनियरों ने अंतिम कंक्रीट लाइनिंग को पूरा करना एक अद्भुत उपलब्धि है। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने मंगलवार को बताया है कि पिछले मार्च माह में रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस सुरंग का निरीक्षण कर कार्य की सराहना की थी। अंत में, फाइनल कंक्रीट लाइनिंग के पूर्ण होने के अवसर को इस परियोजना के इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में चिह्नित किया गया है। यह टनल सिक्किम राज्य के लिए रेलवे नेटवर्क का प्रवेश द्वार है। यह टनल लगभग 1977 मीटर लंबी है और सिक्किम के पाकयोंग जिले के रंगपो अनुमंडल में स्थित है। परियोजना के 14 टनलों में से इस टनल ने अंतिम कंक्रीट लाइनिंग को सबसे पहले पूरा करने का श्रेय हासिल किया है। यह टनल पूर्वी सिक्किम क्षेत्र में कुमरेक और खानीखोला के बीच स्थित है और निम्न हिमालय की चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय परिस्थितियों से गुजरती है। इस परियोजना में अत्यधिक अनुभवी विदेशी इंजीनियरों के साथ-साथ भारत के अनुभवी इंजीनियरों की देखरेख में चुनौतीपूर्ण और संवेदनशील भूमि पर टनल को पूरा करने के लिए न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीएम) को अपनाया गया है। ट्रैक जोड़ने का कार्य बहुत जल्द इस टनल के माध्यम से शुरू होने वाली अगली गतिविधि होगी। निर्माणाधीन रंगपो स्टेशन सुरंग संख्या टी-14 के तुरंत बाद स्थित है और पूरा होने पर यह सिक्किम राज्य के लिए एक वाणिज्यिक और पर्यटन केंद्र के रूप में होगा। यह रेल परियोजना राज्य के सामाजिक-आर्थिक क्षेत्र के स्तर को बढ़ाएगी। सेवक से रंगपो तक की यह नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 किमी लंबी और 14 टनल, 22 पुल और तीस्ता बाजार, पश्चिम बंगाल स्थित एक भूमिगत स्टेशन सहित 5 स्टेशनों की विशेषता वाली है। संपूर्ण परियोजना संरेखण का लगभग 38 किमी टनलों से होकर गुजरना है और लगभग 76 प्रतिशत टनल निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। 6 टनलों का खनन कार्य पूरा हो चुका है और कइयों के खनन पूर्ण होने के कगार पर हैं। अन्य टनलों में अंतिम कंक्रीट लाइनिंग का कार्य भी शुरू हो गया है। वर्तमान में इस परियोजना पर सुरंगों, पुलों और स्टेशनों के निर्माण से संबंधित सभी गतिविधियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं और दिसंबर, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह भारत में चल रही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजनाओं में से एक है और इस परियोजना के पूर्ण होने पर, पहली बार सिक्किम राज्य रेलवे से जुड़ जाएगा।

एनएच-37 से होकर इंफाल घाटी के लिए वैकल्पिक मार्ग खोला गया

इंफाल (हिंस)। जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर के कांगपोकपी जिले में अशांति के बीच इंफाल घाटी में दवा और राशन जैसी आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी प्रभावित हुई थी। इसे सुचारू करने के लिए मणिपुर पुलिस और नागरिक प्रशासन के साथ असम राइफल्स (एआर) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के माध्यम से इंफाल घाटी में आपूर्ति के मार्ग के लिए एक वैकल्पिक रास्ते को खोल दिया है। असम रायफल्स के सूत्रों ने मंगलवार को बताया है कि असम से इंफाल घाटी तक सिविल वाहनों, माल ढोने वाले ट्रकों और तेल टैंकर इस अतिरिक्त मार्ग का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। एनएच-37 के साथ चलने वाले वाहनों के चालकों ने नोनी से इंफाल घाटी तक सुरक्षित मार्ग प्रदान करने के लिए असम राइफल्स और नागरिक प्रशासन को धन्यवाद दिया। उल्लेखनीय है कि हिंसा प्रभावित मणिपुर में मुख्य मार्ग से होकर आवाजाही करने वाले वाहनों को कई स्थानों पर रोक दिया गया था। जिसके चलते राज्य में आवश्यक वस्तुओं की कमी होने की स्थिति उत्पन्न होने लगी थी। ट्रकों के काफिले को रोकने से वापस लौटना पड़ा था। ऐसे में सुरक्षा एजेंसिया और नागरिक प्रशासन के संयुक्त प्रयास से सामानों की आपूर्ति को बहाल करने के लिए वैकल्पिक रास्ता खोल दिया है।

सड़क हादसे में पांच पुलिसकर्मी घायल

कछार (हिंस)। कछार जिला के रामनगर में बीती मध्य रात को हुए भीषण सड़क हादसे में पांच पुलिस कर्मी गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने आज (मंगलवार) को बताया है कि पुलिस की एक गाड़ी ने सड़क किनारे खड़े ट्रक को टक्कर मार दिया। हादसे में सूमो वाहन में सवार पांच पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को सिलचर मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (एसएमसीएच) में भर्ती कराया गया है। घायलों में दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी पुलिसकर्मी करीमगंज जिला के रहने वाले हैं। करीमगंज जेल से दो बीमार कैदियों को इलाज के लिए एसएमसीएच में भर्ती कराने के लिए पुलिस टीम आई थी। हादसा रामनगर में उस समय हुआ जब दोनों कैदियों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के बाद सभी पुलिस कर्मी करीमगंज लौट रहे थे।

नामरूप में कोआपरेटिव गोदाम पर विभागीय छापा

डिब्रूगढ़ (हिंस)। जिला के नामरूप कोऑपरेटिव सोसायटी के गोदाम पर खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा छापामारी की गई जिसमें व्यापक अनियमितता के सबूत मिले। मंगलवार को मिली जानकारी के अनुसार कॉपरेटिव के इस विक्रेता से सुलभ मूल्य के 36 अभिकर्ता अनाज ले जाकर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाते थे। बीते माह इनमें से 16 एजेंटों को कॉआपरेटिव गोदाम से चावल नहीं दिया गया। चावल से वंचित एजेंटों ने इससे संबंधित शिकायत खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के कार्यालय में की। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए बीते कल की गई छापामारी के दौरान पाया गया कि इस गोदाम के सचिव पवित्र बरगोहाईं ने ढाई सौ क्विंटल से अधिक चावल इस माह भी काले बाजार में बेच डाला।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मना दारोगा का जन्मदिन

करीमगंज (हिंस)। पुलिस अधीक्षक कार्यालय में मंगलवार को करीमगंज के टीएसआई (शहर दारोगा) पलाश राभा का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर जन्मदिन का केक काटा गया और कार्यालय के सभी साथियों ने शुभकामनाएं दीं। इस दौरान पुलिस अधीक्षक पार्थप्रतिम दास, सदर थाना के ओसी भावेश दिहिंगिया सहित सदर थाने के अन्य सहकर्मी भी शामिल हुए। करीमगंज के पुलिस अधीक्षक पार्थप्रतिम दास ने कहा कि असम पुलिस जनता की सेवा कर रही है। धार्मिक उत्सवों और पारिवारिक उत्सवों के अलावा असम पुलिस के सदस्य पुलिस थानों या चौकियों पर लोगों की सेवा के लिए तैनात रहते हैं।

डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस भविष्य संविदाएं शुरू कीं

गुवाहाटी। एनएसई (एनएसई) डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस भविष्य संविदाएं शुरू करता है। भारत का प्रमुख स्टॉक एक्सचेंज, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई), सत्यापन और विनिमय बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) से मंजूरी प्राप्त करने के बाद, 15 मई 2023 को अपने कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में रुपए दर्जनीकृत एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस भविष्य संविदाएं शुरू की है। पहले ही, एनएसई ने सीएमई ग्रूप के साथ एक डेटा लाइसेंसिंग समझौता साइन किया था, जिससे एनएसई को अपने प्लेटफॉर्म पर रुपए दर्जनीकृत एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस के परिवर्तनात्मक संविदाओं की सूची, व्यापार और निपटान करने की अनुमति मिली है। इन संविदाओं की जोड़े से, एनएसई के उर्जा बास्केट में उत्पाद प्रस्तावना और उसके समग्र कमोडिटी सेगमेंट में विस्तार हुआ है। इन संविदाओं के शुरू होने से बाजार के प्रतिभागियों को एकल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर महत्वपूर्ण ऊर्जा उत्पादों की उपलब्धता के साथ प्रभावी व्यापार और हेजिंग के अवसर प्रदान किए जाएंगे। श्रीराम कृष्णन, मुख्य व्यापार विकास अधिकारी, एनएसई ने कहा कि बाजार के प्रतिभागियों को सूचित करने का हमें बहुत आनंद हो रहा है कि एनएसई ने आज एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस भविष्य संविदाएं शुरू की है। एनएसई तकरीबन तीन दशकों से बाजार के प्रतिभागियों का विश्वसनीय विनिमय है, क्योंकि इसके पास उच्च स्तर पर सुरक्षा और प्रतिरोधक्षमता वाले मजबूत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म का होना है। एनसीएल द्वारा निपटान गारंटी और सभी एनएसई बाजार सेगमेंट्स में जमानत की अदला-बदली की सुविधा के साथ, हम आशा करते हैं कि ये दो संविदाएं बाजार के प्रतिभागियों को उनके मूल्य जोखिम को संरक्षित करने और उनके व्यापार उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी विकल्प प्रदान करेंगे। अनुबंध विशेषताओं, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा भागीदारी, लेन-देन शुल्क आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए, आप एक्सचेंज / क्लियरिंग कॉर्पोरेशन द्वारा जारी किए गए नवीनतम सर्कुलर्स का संदर्भ ले सकते हैं। पहले ही, एनएसई ने सीएमई ग्रूप के साथ एक डेटा लाइसेंसिंग समझौता साइन किया था, जिससे एनएसई को अपने प्लेटफॉर्म पर रुपए दर्जनीकृत एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस के परिवर्तनात्मक संविदाओं की सूची, व्यापार और निपटान करने की अनुमति मिली है। इन संविदाओं की जोड़े से, एनएसई के उर्जा बास्केट में उत्पाद प्रस्तावना और उसके समग्र कमोडिटी सेगमेंट में विस्तार हुआ है। इन संविदाओं के शुरू होने से बाजार के प्रतिभागियों को एकल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर महत्वपूर्ण ऊर्जा उत्पादों की उपलब्धता के साथ प्रभावी व्यापार और हेजिंग के अवसर प्रदान किए जाएंगे। श्री श्रीराम कृष्णन, मुख्य व्यापार विकास अधिकारी, एनएसई ने कहा कि बाजार के प्रतिभागियों को सूचित करने का हमें बहुत आनंद हो रहा है कि एनएसई ने आज एनवाईएमईएक्स डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल और प्राकृतिक गैस भविष्य संविदाएं शुरू की है। एनएसई तकरीबन तीन दशकों से बाजार के प्रतिभागियों का विश्वसनीय विनिमय है, क्योंकि इसके पास उच्च स्तर पर सुरक्षा और प्रतिरोधक्षमता वाले मजबूत प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म का होना है। एनसीएल द्वारा निपटान गारंटी और सभी एनएसई बाजार सेगमेंट्स में जमानत की अदला-बदली की सुविधा के साथ, हम आशा करते हैं कि ये दो संविदाएं बाजार के प्रतिभागियों को उनके मूल्य जोखिम को संरक्षित करने और उनके व्यापार उद्देश्यों को पूरा करने के लिए एक प्रभावी विकल्प प्रदान करेंगे। अनुबंध विशेषताओं, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) द्वारा भागीदारी, लेन-देन शुल्क आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए, आप एक्सचेंज / क्लियरिंग कॉर्पोरेशन द्वारा जारी किए गए नवीनतम सर्कुलर्स का संदर्भ ले सकते हैं।

अणुव्रत व्याख्यानमाला का आयोजन

बरपेटारोड (विभास)। अणुव्रत आंदोलन के गौरवशाली 75 वर्ष पूर्ण होने पर अणुव्रत अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्थानीय तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण की विदुषी शिष्या साध्वी स्वर्णरेखा केसान्निध्य एवं अणुविभा केनिर्देशन में अणुव्रत समिति बरपेटारोड द्वारा अणुव्रत व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अणुव्रत गीत के संगान से किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष अनिल बैंगानी ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन किया। व्याख्यानमाला में अतिथि केरूप में प्रो. डॉ. जवाहरलाल नाहटा, समाजसेवी शिवरतन राठी, कानाईलाल स्कूल के प्रधानाध्यापक कमलेश्वर कलिता उपस्थित रहे। संयोजक अनिल बैंगानी ने अणुव्रत आंदोलन केउद्देश्यों व इतिहास केबारे में जानकारी दी। प्रो. डॉ. जवाहरलाल नाहटा ने अणुव्रत के नियमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अणुव्रत आंदोलन ने देश की नैतिकता, सत्य, प्रामाणिकता, असांप्रदायिकता आदि सार्वभौम तत्वों की धारा बहाकर अणुव्रत चेतना को झकझोरा। व्याख्यानकर्ता साध्वी स्वर्णरेखा ने कहा कि अणुव्रत को अपनाने से कषाय मंद होते हैं। उन्होंने कहा कि अपने आमोद-प्रमोद केलिए किसी भी निरपराध प्राणी को नहीं सताना, प्राणियों से बने वं या प्रसाधन सामग्री का उपयोग नहीं करना ही सच्चे धर्म की अनुपालना है।

रेडिसन ब्लू गुवाहाटी ने मास्टर सेफ इंडिया सीजन 7 के विजेता नयन ज्योति सैकिया को किया सम्मानित

गुवाहाटी। रेडिसन ब्लू गुवाहाटी ने मास्टर सेफ इंडिया सीजन 7 के विजेता नयन ज्योति सैकिया कि जीत का जश्न धूमधाम से मनाया से गया सेकिया कि इस सफलता से गदगद रेडिसन ब्लू प्रबंधन ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्तर पूर्व के क्षेत्रीय व्यंजनों के ऊपर सफलता को देखते हुए उनकी सराहना की। इस अवसर पर नयन ज्योति सैकिया ने होटल के प्रबंधन समिति एवं होटल कर्मचारियों के साथ अपने अनुभव साझा किए उन्होंने कहा कि मास्टरशेफ इंडिया सीजन 7 जीतना मेरा सपना था। मैं अपने दोस्तों और परिवार के समर्थन के लिए सभी का आभारी हूं। पूर्वोत्तर का भोजन स्वाद और खाना बनाने की तकनीक के अनूठे मिश्रण के लिए जाना जाता है और मुझे इसे राष्ट्रीय मंच पर पेश करने का अवसर मिला, इन सभी अनुभवों से मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि है। आत्मविश्वास हासिल करना मुझे उम्मीद नहीं थी कि जज मेरे व्यंजनों को पसंद करेंगे या मैं प्रतियोगिता में इतनी दूर जा पाऊंगा खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करने के बावजूद मैं लगातार खुद पर संदेह कर रहा था लेकिन समय के साथ यह संदेश आत्मविश्वास में बदल गया इस अवसर पर रेडिसन ब्लू गुवाहाटी के कार्यकारी सहायक प्रबंधक विकास कुमार वर्मा ने से किया कि सफलता की सराहना करते हुए कहा कि हमें नए ज्योतिया से से किया पर गर्व है जिन्होंने राज्य का नाम रोशन किया उन्होंने कहा कि रेडिसन ब्लू गुवाहाटी हमेशा अपने मेहमानों को एक अनूठा और यादगार अनुभव प्रदान करने का प्रयास किया है और इस अवसर पर आज अपने होटल में नयन ज्योति सैकिया का स्वागत करते हुए अपार खुशी हो रही है।

फिजिक्स वाला की ऑफलाइन माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति देने की योजना

गुवाहाटी। पिछले एकैडमिक वर्ष में मेधावी छात्रों को पहले ही 100 करोड़ से अधिक का पुरस्कार दिया जा चुका है। भारत के प्रमुख एड-टेक प्लेटफॉर्म, फिजिक्स वाला (पीडब्ल्यू) ने छात्रों की भारी मांग को ध्यान में रखते हुए अपने स्कॉलरशिप एडमिशन टेस्ट (एसएटी) के बहुप्रतीक्षित दूसरे संस्करण को लांच करने की घोषणा की है। पीडब्ल्यू एसएटी 8वीं से 12वीं कक्षा के मेधावी जेईई/नीट उम्मीदवारों और ड्रॉपर्स के लिए 90त्न तक छात्रवृत्ति प्राप्त करने का मौका देता है, जिससे वे विद्यापीठ सेंटर्स में अनुभवी फैकल्टी सदस्यों से उच्च गुणवत्ता वाली कोचिंग और मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें। गुणवत्तापूर्ण ऑफलाइन शिक्षा को हर छात्र के लिए वहन करने योग्य व सुलभ बनाने के उद्देश्य से पीडब्ल्यू ने आने वाले एकैडमिक वर्ष में 160 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति देने की योजना बनाई है। पीडब्ल्यू एसएटी का आगामी चरण 2023 में प्रतिदिन 14 मई तक ऑनलाइन और 7 मई व् 14 मई को ऑफलाइन आयोजित किया जाएगा। छात्र पीडब्ल्यू ऐप या वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन परीक्षा दे सकते हैं और निकटतम विद्यापीठ सेंटर्स में ऑफलाइन परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इस एकैडमिक वर्ष में फिजिक्स वाला पहले ही 100 करोड़ रुपए से अधिक की स्कॉलरशिप दे चुका है। अप्रैल 2023 तक 100 से अधिक छात्रों ने पीडब्ल्यू एसएटी के लिए पंजीकरण करा लिया है। पीडब्ल्यू एसएटी ने अब तक 40,000 से अधिक छात्रों को सशक्त बनाया है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के 'श्री अन्न' और योग को विश्व ने स्वीकारा : नरेंद्र सिंह तोमर

-उत्तराखंड पात्र किसानों को लाभ पहुंचाने में अग्रणी : केन्द्रीय कृषि मंत्री

देहरादून, (हि.स.)। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने 'श्री अन्न' महोत्सव में मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पोषक युक्त अनाज को 'श्री अन्न' का नाम दिया गया। भारत के योग, अनाज को आज पूरा विश्व स्वीकार कर रहा है। यह दोनों स्वास्थ्य के लिहाज से लाभकारी साबित हो रहा है। यह बदलते भारत की शक्ति के प्रभाव का असर है। मंगलवार को सर्वे ऑफ इंडिया स्टेडियम, हाथीबड़कला में चार दिवसीय उत्तराखंड 'श्री अन्न' मिलेट्स महोत्सव के अंतिम दिवस कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि मंत्री तोमर ने बतौर मुख्य अतिथि यह बातें कहीं। इस मौके आचार्य बालकृष्ण, वित्त मंत्री प्रेम चंद और कृषि मंत्री गणेश जोशी भी मौजूद थे। केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि पोषक अनाज को प्रधानमंत्री ने 'श्री अन्न' का नाम दिया है। देश के विभिन्न राज्यों में परम्परागत 08 प्रकार के मोटे अनाज उगाए जाते हैं। चावल और गेहूं के दौर में मोटे अनाज का उपयोग कम हुआ करता था। तब समाज में एक धारणा बन गयी थी कि मोटा अनाज गरीबों का है, आज बढ़ते बीमारी में मिलेट्स अनाज की उपयोगिता बढ़ने लगी है और 'श्री अन्न' अमीरों की थाली का भोजन बन गया है। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि देश में विकास की बात हो या उद्योग लगाने का स्टार्टअप, स्किल इंडिया हो सब में भारत की शक्ति को विश्व के लोहा मनवाने की सोच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। उन्होंने कहा कि कोई सहमत हो या न लेकिन दुनिया के अर्थशास्त्री भारत की क्षमता को स्वीकार कर रहे हैं। भारत की विशेषता दुनिया की विशेषता बने, इस उद्देश्य के लिए प्रधानमंत्री कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के प्रयासों के फलस्वरूप भारत का योग ,विश्व का योगा बन गया, मोटा अनाज भारत का है, लेकिन विश्व के लोग स्वीकार कर रहे हैं। यह है बदलते भारत की शक्ति। उन्होंने कहा कि मोटे अनाज की मांग कम होने पर उत्पादन कम होने लगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2018 में पोषक अनाज के लिए अभियान चलाया। 72 देशों ने प्रधानमंत्री के प्रस्ताव को स्वीकार किया। इस आयोजन से मिलेट्स की महता और उत्पादन बढ़ेगा। मोटे अनाज की खेती में फर्टिलाइजर की जरूरत नहीं पड़ती। 85 प्रतिशत देश के छोटे किसान खेती कर सकते हैं।

जब अगुवाई भारत कर रहा है तो उत्पादन और निर्यात बढ़ेगा, जिससे आर्थिकी भी बढ़ेगी। उत्तराखंड विभिन्न जलवायु के साथ खेती के लिए भी अनुकूल और उपयुक्त है। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार लगातार खेती को बढ़ावा देने का काम कर रही है। पहले 21 हजार करोड़ कृषि का बजट हुआ करता था,आज 01 लाख 25 हजार करोड़ है। जैविक, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए राशि को बढ़ाया गया है। पांच साल में उत्तराखंड को नजदीक से देख रहा हूँ । उत्तराखंड सरकार पात्र किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्य में अग्रणी है। अनुसंधान, विकास, हॉर्टिकल्चर सहित हर क्षेत्र में केन्द्र सहयोग करेगी। इस मौके पर आचार्य बाल कृष्ण, वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल, कृषि सचिव बीबीआरसी पुरषोत्तम, कृषि निदेशक गौरीशंकर, विनय कुमार सहित बड़ी संख्या में किसान और विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

महाराष्ट्र के 16 विधायकों की अपात्रता का निर्णय हर पहलू की छानबीन के बाद : राहुल नार्वेकर

मुंबई (हि.स.)। महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा कि 16 विधायकों के अपात्रता का निर्णय हर पहलू की छानबीन के बाद लेकिन समय से लिया जाएगा। नार्वेकर ने कहा कि इस छानबीन में जुलाई, 2022 में शिवसेना की राजनीतिक स्थिति क्या थी, इसे भी देखा जाएगा। राहुल नार्वेकर ने मंगलवार को मुंबई में पत्रकारों को बताया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ गया है। कोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष की शक्तियों में दखल देने से इनकार किया है। हम अयोग्यता याचिकाओं पर सुनवाई करेंगे। नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत पर हम सभी को अपने विचार रखने का मौका देंगे। राहुल नार्वेकर ने इस मौके पर कहा, "विधानसभा में अभी तक ऐसी स्थिति थी कि उस दल के गुट के विधायक बहुमत से अपना नेता और उपनेता चुनते थे और इसकी सूचना विधानमंडल सचिवालय को देते थे। हम इसे मंजूरी दे रहे थे। अब कोर्ट ने कहा है कि आपको जांच करनी चाहिए कि राजनीतिक दल कौन था। राहुल नार्वेकर ने कहा कि जुलाई, 2022 में यह पता लगाने के बाद कि राजनीतिक दल किस पार्टी का है, उस पार्टी द्वारा नामित उम्मीदवार को मंजूरी देनी होगी। उस स्वीकृति को देने के बाद अयोग्यता के बारे में सोचना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी होने का दावा करने वाले विधायकों, नेताओं, सभी की बात सुनी जानी चाहिए। राहुल नार्वेकर ने कहा कि अगर यह सामने आता है कि शिंदे समूह पार्टी का प्रतिनिधित्व करता है, तो भरत गोगावले को व्हिप के रुप में स्वीकार करना होगा। इस मामले को जल्द निपटाने की कोशिश करेंगे। लेकिन कोई हड़बड़ी नहीं होगी। बिना कारण के कोई देरी नहीं होगी।

एमसीडी में एल्डरमैन के मनोनयन के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर आज होगी सुनवाई

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली नगर निगम में उप राज्यपाल की ओर से एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) के मनोनयन के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर आज सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि आज विस्तार से मामला सुना जाएगा। सुनवाई के दौरान उप राज्यपाल ने कहा कि दिल्ली के प्रशासनिक काम में उन्हें दिल्ली सरकार की सलाह-सहायता से काम करना होता है, लेकिन नगर निगम में पार्षदों का मनोनयन इस दायरे में नहीं आता है। दस अप्रैल को कोर्ट ने इस मामले में जवाब देने के लिए उप राज्यपाल कार्यालय को एक हफ्ते का समय दिया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा था कि उप राज्यपाल बिना मंत्रिमंडल की सलाह के कोई फैसला कैसे कर सकते हैं। तब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली सरकार अधिनियम में 2019 में बदलाव के आधार पर एल्डरमैन की नियुक्ति की गई है। अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा था कि पार्षद मनोनीत करना दिल्ली सरकार का अधिकार है, इसके बावजूद लोकतंत्र का अपमान किया जा रहा है। पार्टी बहुमत से जीतकर आती है और उसे पलटने की कोशिश हो रही है।

डीईआरसी के अध्यक्ष की नियुक्त का मामला, सुप्रीम कोर्ट में 19 मई को सुनवाई

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली विद्युत नियामक आयोग (डीईआरसी) के अध्यक्ष की नियुक्ति के मामले पर सुनवाई टाल दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर 19 मई को अगली सुनवाई करने का आदेश दिया। उप-राज्यपाल कार्यालय की तरफ से पेश वकील मुकुल रोहतगी ने कहा कि याचिका का जवाब लगभग तैयार है, जल्द ही दाखिल कर देंगे। इसके लिए समय दिया जाए। इस पर दिल्ली सरकार की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंधवी ने कहा कि उप-राज्यपाल कार्यालय मामले में जानबूझ कर देरी कर रहा है। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 19 मई को मामले पर अगली सुनवाई का आदेश दिया। कोर्ट ने 21 अप्रैल को दिल्ली के उप-राज्यपाल कार्यालय को नोटिस जारी किया था।

सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार ने कहा था कि उसने चार महीना पहले दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व जज राजीव कुमार श्रीवास्तव को इस पद पर नियुक्त करने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन उप-राज्यपाल ने अब तक नियुक्ति का आदेश जारी नहीं किया। याचिका में कहा गया है कि इससे प्रशासनिक कार्यों में समस्या आती है। इसकी वजह से प्रशासन कई महत्वपूर्ण कार्यों को करने में असमर्थ रहता है।

अमेरिका दौरे पर जाएंगे राहुल गांधी

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी 10 दिवसीय दौरे पर अमेरिका जाएंगे।कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी 30 मई को अमेरिका के लिए रवाना होंगे। इस दौरान वह न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। सूत्रों का कहना है कि मैडिसन स्क्वायर में आयोजित होनी वाली रैली में 5000 के आस-पास भारतीय लोग शामिल होंगे। वह स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में पैनल चर्चा और भाषण के लिए वाशिंगटन और कैलिफोर्निया जाएंगे। अपनी यात्रा के दौरान वह नेताओं और उद्यमियों से भी मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राहुल गांधी लंदन का दौरा कर चुके हैं। इस यात्रा को लेकर काफी विवाद भी उठा था। राहुल ने वहां कहा था कि भारत का लोकतंत्र खतरे में है।

लेह एयरपोर्ट के रनवे पर खराब हुआ भारतीय वायुसेना का विमान, सभी उड़ानें रद्द

- लेह में मौजूद देश-विदेश के पर्यटकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा

लेह, (हि.स.)। भारतीय वायुसेना का एक विमान लेह एयरपोर्ट पर मंगलवार को रनवे पर खराब हो गया, जिसके चलते लद्दाख के लिए सभी उड़ानें रद्द करनी पड़ी। लद्दाख की सभी उड़ानें रद्द होने के कारण लेह में मौजूद देश-विदेश के पर्यटकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा है। भारतीय वायुसेना की ओर से अपने विमान को ठीक करने की दिशा में कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने बताया गया कि सुबह दिल्ली से लेह के लिए स्पाइसजेट की एक फ्लाइट एयरपोर्ट पर उतरी। इसके बाद वायुसेना के विमान सी-17 ग्लोबमास्टर ने चंडीगढ़ के लिए उड़ान भरने की तैयारी की। जब ग्लोबमास्टर ने टेक ऑफ की तैयारी की, तो विमान रनवे के बीच अचानक खराब हो गया और वहीं रुक गया। रनवे पर विमान के खराब हो जाने के कारण एयरपोर्ट पर किसी भी विमान का उतरना या वहां से उड़ान भरना संभव नहीं था। इस वजह से एयरपोर्ट अथॉरिटी ने लद्दाख की सभी उड़ानें रद्द कर दीं। लद्दाख की सभी उड़ानें रद्द होने के कारण लेह में मौजूद देश-विदेश के पर्यटकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि इनमें अन्य देशों के कुछ पर्यटकों की दिल्ली से अपने देश के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट थी।

त्र्यंबकेश्वर मंदिर में जबरन प्रवेश की होगी एसआईटी जांच : देवेंद्र फडणवीस

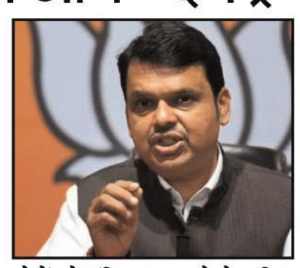

मुंबई, (हि.स.)। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर में जबरन प्रवेश की छानबीन विशेष जांच दल (एसआईटी) के माध्यम से करवाई जाएगी। एसआईटी पिछले वर्ष भी त्र्यंबकेश्वर मंदिर में हुए जबरन प्रवेश की जांच करेगी। उन्होंने कहा कि इस समय त्र्यंबकेश्वर मंदिर के आस पास स्थिति नियंत्रण में है। उरुस के दौरान सोमवार को कुछ लोगों ने त्र्यंबकेश्वर मंदिर में जबरन प्रवेश करने का प्रयास किया था, लेकिन इन लोगों को मंदिर प्रशासन ने रोक दिया था, जिससे मंदिर के आस पास तनाव उत्पन्न हो गया था। पुलिस और मंदिर प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद तनाव शांत हुआ। इसके बाद ब्राह्मण महासंघ ने मामले की गहन जांच कर कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई नहीं होने पर ब्राह्मण महासंघ ने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी थी। ब्राह्मण समाज की इस मांग के बाद उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि उन्होंने इस मामले एसआईटी जांच का आदेश दिया है। यह जांच महानिरीक्षक स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में की जाएगी। अब एसआईटी पिछले वर्ष हुए इसी तरह के जबरन प्रवेश की भी जांच करेगी।

आर्थिक अपराधियों की एक यूनीक आईडी बनाएगी मोदी सरकार

-माल्या, मोदी, चौकसी और चिदंबरम के नाम शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार आर्थिक अपराधियों के लिए एक यूनीक आईडी बनाने की योजना पर काम कर रही है। बहुत जल्द ही योजना को अमली जामा पहनाया जा सकता है। मोदी सरकार एक यूनीक आईडी सिस्टम लांच करने की तैयारी में है। जिस भी कंपनी या शख्स ने आर्थिक अपराध किया होगा उन्हें एक यूनीक आईडी दी जाएगी। आर्थिक अपराध करने वाले व्यक्ति की आईडी आधार कार्ड से लिंक होगी जबकि कंपनी की आईडी को पैन कार्ड से लिंक किया जाएगा। खबर के मुताबिक इसतरह के करीब 2.5 लाख अपराधी हैं जिन्हें यह आईडी दी जाएगी। इस लिस्ट को सेंट्रल इकोनॉमिक इंटेलीजेंस ब्यूरो ने तैयार किया है। इन लोगों में नीरव मोदी, विजय माल्या और मेहुल चौकसी जैसे लोग शामिल हो सकते हैं। केवल उद्योगों व उद्योगपतियों ही नहीं बल्कि आर्थिक अपराध करने वाले राजनेताओं की भी यह आईडी बनेगी। यह आईडी जारी करने का मकसद अपराधियों के खिलाफ विभिन्न एजेंसियों द्वारा जांच में तेजी लाना है।

खबरों की मानें तब यूनीक आईडी जारी हो जाने से इन लोगों व संस्थानों के आर्थिक अपराध की ट्रैकिंग आसान हो जाएगी। इससे विभिन्न एजेंसियों के बीच तालमेल भी बेहतर होने की उम्मीद है। कोड को औपचारिक तौर पर यूनीक इकोनॉमिक ऑफेंडर कोड (विशिष्ट आर्थिक अपराधी कोड) कहा जाएगा। यह अल्फा न्यूमेरिक कोड होगा। इसका मतलब है कि इसमें अंग्रेजी के अक्षर और गिनतियां दोनों होंगी। एक बार पुलिस या जांच एजेंसी द्वारा नेशनल इकोनॉमिक ऑफेंस रिकॉर्ड में डाटा डालने के बाद संबंधित व्यक्ति या संस्थान को यह कोड असाइन कर दिया जाएगा। यूनीक कोड उन सभी संस्थानों और व्यक्तियों को दिया जाएगा जिन पर आर्थिक अपराध का मुकदमा चल रहा है। इसमें दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम भी शामिल हैं। बताया जाता हैं कि नेशनल इकोनॉमिक ऑफेंस रिकॉर्ड को अभी पूरी तरह क्रियान्वित होने में 4 माह का समय लगेगा। उसके बाद इसमें डाटा फीड किया जा सकेगा।

पोन्नियिन सेलवन बनाने वाली लायका प्रोडक्शंस पर ईडी ने मारा छापा

चेन्नई(ईएमएस)। प्रमुख तमिल फिल्म निर्माण कंपनी लायका प्रोडक्शंस से जुड़े 10 स्थानों पर ईडी ने छापे मारे हैं। मंगलवार को ईडी की टीम ने यह छापेमार कार्रवाही की है। गौरतलब है कि लाइका तमिलनाडु के प्रमुख फिल्म निमार्ताओं में से एक है जिसने पोन्नियिन सेलवन 2 और कमल हासन की विक्रम जैसी सुपरहिट फिल्में बनाई हैं। लाइका इंडियन 2 के दूसरे संस्करण का भी निर्माण कर रही है। ईडी ने तीन महीने पहले कई फिल्म निमार्ताओं, अभिनेताओं, वितरण कंपनियों और फाइनेंसरों के परिसरों पर छापेमारी की थी। जांच एजेंसी के सूत्रों ने बताया कि पिछले छापे के दौरान, धन के हस्तांतरण, निजी फाइनेंसरों द्वारा पंप किए गए धन के बारे में कुछ डिजिटल सबूतों का पता चला, जिनका हिसाब नहीं था। हालांकि ईडी ने 26 करोड़ रुपये की बेहिसाब धनराशि बरामद की गई, साथ ही 3 करोड़ रुपये के आभूषण भी बरामद किए गए। लाइका प्रोडक्शंस के परिसरों पर छापे जांच के बाद मारे गए हैं।

हिंदुत्व कोई धर्म नहीं, बजरंग दल को बताया गुंडों की टोली : दिग्विजय सिंह

भोपाल (ईएमएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने हिंदुत्व को धर्म से परे बताते हुए बजरंग दल को गुंडों की टोली बताया है। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि हिंदुत्व कोई धर्म नहीं है और वह सनातन धर्म में विश्वास करते हैं जो सद्भाव और सभी के कल्याण का उपदेश देता है। कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य ने यहां पत्रकार वार्ता में बजरंग दल (विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा) को गुंडों की जमात करार दिया। सिंह ने एक सवाल के उत्तर में कहा कि हमारा सनातन धर्म है। हम हिंदुत्व को धर्म नहीं मानते। धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो जैसे नारे सनातन धर्म की सभाओं का प्रतीक है। यह सनातन धर्म है। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन हिंदुत्व के साथ ऐसा नहीं है। हिंदुत्व है- जो नहीं माने उन्हें डंडों से मारो, उनके घरों को तोड़ दो, पैसे उड़ाओ। सिंह ने कहा कि यह दुखद है कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि गुंडों की जमात ने जबलपुर में कांग्रेस कमेटी कार्यालय में तोड़फोड़ करने के लिए हमला किया था। बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से करना देवता का अपमान करने के समान है। इसके लिए आपको क्षमा मांगनी चाहिए। सिंह ने कहा कि कांग्रेस संविधान, नियमों और कानूनों का पालन करती है। कर्नाटक में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के कांग्रेस के चुनावी वादे के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने नफरत फैलाने वाले बयान देने वाले किसी भी धर्म के व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। कांग्रेस ने हाल ही में हुए कर्नाटक चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में कहा था कि पार्टी जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 मई को होने वाले चुनाव प्रचार के दौरान बजरंग बली का जिक्र किया। कर्नाटक में भाजपा चुनाव हार गयी।

'सशक्ति आत्मरक्षा कैंप' में आत्मरक्षा के गुर सीखकर लड़कियां बनेंगी सशक्त

अजय त्यागी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में लड़कियों से छेड़छाड़ व विरोध करने पर सिरफिरों द्वारा मारपीट या जानलेवा हमला करने की वारदातें होती रहती हैं। बहुत से मामलों में तो पीड़ित लड़कियां व महिलाएं लोकलाज के डर से पुलिस तक नहीं जातीं। ऐसी ही लड़कियों को सशक्त बनाने के लिए दिल्ली पुलिस ने ह्यसशक्ति आत्मरक्षा कैंपह्न का आयोजन किया है। यह कैंप 25 मई से लेकर छह जून तक आयोजित किया जाएगा। राजधानी में पांच जगहों पर यह कैंप आयोजित किया जाएगा जिसमें लड़कियों और महिलाओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएंगे। 011-20865499 पर कॉल करके इच्छुक लड़कियां और महिलाएं 19 मई तक अपना रजिस्ट्रेशन करा सकती हैं। इस शिविर में शारीरिक प्रशिक्षण देने के साथ ही लड़कियों को मानसिक रूप से भी इस बात के लिए तैयार किया जाएगा कि मुसीबत के समय वह मनचलों से कैसे निपटें। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस का मानना है कि मनचलों से निपटने के लिए लड़कियों को सिर्फ शरीर से नहीं बल्कि इरादों से भी फौलादी बनना होगा। मनचलों को उनकी हरकतों का जवाब मौके पर ही मिल जाए तो वे कभी दोबारा ऐसी हरकत नहीं करेंगे। इन्हीं सब को देखते हुए लड़कियों को मुख्य रूप से ताइक्वांडो सिखाया जाएगा। इससे मुसीबत के वक्त में लड़कियों को आत्मरक्षा के साथ ही हमलावर को करारा जवाब देने के लिए तैयार किया जाएगा। वहीं, लड़कियों को मानसिक व बौद्धिक स्तर पर मजबूत करने के लिए भी इन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि इस शिविर में पहली क्लास की बच्चियों से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक की युवतियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पांचवीं तक की छात्राओं को गुड टच-बैड टच, अच्छे व बुरे लोगों की पहचान करना सिखाया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि वह किसी अजनबी के साथ अकेले न जाएं, उससे बात न करें। कोई पड़ोसी या रिश्तेदार उन्हें गलत तरीके से छूता, देखता या व्यवहार करता है तो माता-पिता या विश्वसनीय अभिभावकों को बताएं। स्कूल वैन में चालक-परिचालक और स्कूल के अन्य स्टाफ के व्यवहार के बारे में घरवालों को बताएं। मुसीबत में पुलिस व परिजनों से कैसे मदद मांगें। छात्राओं को पीसीआर, फायर व चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर भी याद कराए जायेंगे। इसी क्रम में छठी से 12वीं तक की छात्राओं को आत्मरक्षा के साथ ही जवाबी हमला करने के लिए भी ट्रेनिंग दी जाएगी। इसमें सेल्फ डिफेंस के साथ ही साइबर क्राइम व कानूनी अधिकार भी बताए जाएंगे। लड़कियों को आम और विशेष आपराधिक हमलों से बचाव व मार्शल आर्ट के जरिये बदमाशों को सबक सिखाने के लिए तैयार किया जाएगा। साइबर क्राइम से बचने के लिए तकनीकी जानकारी व साइबर लॉ के साथ यह भी बताया जाएगा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग कर कैसे लड़कियों का शोषण किया जाता है। इससे बचने व अपराधियों को पकड़वाने के लिए क्या करना चाहिए। फेसबुक, वाट्सऐप, यू-ट्यूब, स्नैपचैट, इंस्टाग्राम व ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सर्फिंग के दौरान क्या सावधानी बरतें। उन्हें दिल्ली पुलिस के मोबाइल ऐप जैसे हिम्मत प्लस, क्यूआर कोड वाली टैक्सी समेत ऐप बेस्ड टैक्सी में सफर करते समय बरती जाने वाली सावधानियां भी बताई जाएंगी।

डीआरडीओ वैज्ञानिक के बाद वायुसेना अधिकारी को हनी ट्रैप में फंसाया गया

- पुणे में तैनात निखिल शेंडे से वायु सेना अधिकारियों ने की पूछताछ
- कोर्ट में वायु सेना अधिकारी निखिल शेंडे का बयान दर्ज कराया गया

नई दिल्ली, (हि.स.)। डीआरडीओ लैब के निदेशक डॉ. प्रदीप कुरुलकर के बाद अब भारतीय वायु सेना के एक अधिकारी का नाम भी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के लिए जासूसी करने में सामने आया है। डीआरडीओ वैज्ञानिक फिलहाल मुंबई एटीएस की हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ के आधार पर बेंगलुरु में तैनात वायु सेना अधिकारी के बारे में खुलासा हुआ है। वायु सेना के अधिकारियों ने भी उनसे गहन पूछताछ की है। एटीएस के बाद शिवाजीनगर कोर्ट में प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के सामने वायु सेना अधिकारी का बयान दर्ज किया गया है। महाराष्ट्र आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) की जांच में पता चला है कि हनी ट्रैप के जरिये फंसाए गए डीआरडीओ वैज्ञानिक डॉ. प्रदीप कुरुलकर और वायु सेना अधिकारी निखिल शेंडे से संवेदनशील जानकारी हासिल करने के लिए 'जारा दासगुप्ता' नाम के फर्जी खाते से संपर्क किया गया था। एटीएस ने मुंबई की विशेष अदालत में खुलासा किया है कि पाकिस्तानी खुफिया विभाग ने कुरूलकर के अलावा वायु सेना अधिकारी निखिल शेंडे को इसी तरह के हनी ट्रैप में निशाना बनाया गया है। बेंगलुरु में तैनात शेंडे से वायुसेना के अधिकारी पूछताछ कर रहे हैं। उन्होंने एटीएस को अपना बयान भी दिया है, जिसे शिवाजीनगर कोर्ट में प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किया गया है। एटीएस की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक सुजाता तनवाडे ने विशेष अदालत को बताया कि हालांकि, वायु सेना अधिकारी निखिल शेंडे को मामले में आरोपित के रूप में नहीं फंसाया गया है लेकिन तकनीकी जांच से पता चला है कि कुरूलकर और शेंडे को पाकिस्तानी आईपी पते से सन्देश भेजे गए थे।

जांच में पाकिस्तान से कुरूलकर को भेजे गए कई ई-मेल का पता लगा है, जिससे उन पर राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने वाली संवेदनशील जानकारी साझा किये जाने की आशंका है। डीआरडीओ वैज्ञानिक के पास से जब्त लैपटॉप और मोबाइल फोन का तकनीकी विश्लेषण किया गया है। पुणे में डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला के निदेशक वैज्ञानिक को तीन मई को गिरफ्तार किया गया था। कुरुलकर ने एटीएस को बताया कि पिछले साल अक्टूबर में उसके वॉट्सऐप पर एक मैसेज आया। मैसेज में उसे गलत नाम से संबोधित किया गया। इस पर कुरुलकर ने जवाबी वॉट्सऐप किया कि मैं वह नहीं, बल्कि प्रदीप कुरुलकर हूं। इसके बाद दोनों के बीच वाट्सएप चैटिंग शुरू हो गई। कुरुलकर ने बताया कि वॉट्सऐप चैट करने वाली महिला ने खुद को लंदन में रहने वाली भारतीय बताया और पाकिस्तान के खिलाफ नफरत व्यक्त की। दोनों के बीच फरवरी, 2023 तक चैट होती रही। कुरुलकर के साथ चैट करने के लिए जिस नंबर का इस्तेमाल किया गया था, उसका पाकिस्तानी आईपी होने से खुफिया अधिकारयों ने डीआरडीओ को सतर्क किया और एटीएस को शिकायत करने से पहले डीआरडीओ की सतर्कता टीम ने जांच की। वैज्ञानिक कुरुलकर ने हनीट्रैप में फंसकर पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव के साथ जानकारियां साझा की थी। जांच में यह भी पता चला कि वैज्ञानिक ने अपनी कुछ निजी तस्वीरें साझा करने के अलावा एक मिसाइल की फोटो और कुछ स्थानीय पता का विवरण भी साझा किया था।

71 हजार युवाओं को मिली जॉब तो मुख्यमंत्री योगी ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

-उप्र के लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मुरादाबाद और गोरखपुर में भी वितरित हुए नियुक्ति पत्र

लखनऊ, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पूरे देश में 71 हजार युवाओं को पीएम रोजगार मेले के माध्यम से ऑनलाइन नियुक्त पत्र वितरित किए। उत्तर प्रदेश के भी कई जनपदों में रोजगार मेले का आयोजन किया गया और सैकड़ों छात्रों को नियुक्ति पत्र का उपहार मिला। प्रधानमंत्री मोदी की इस पहल पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका आभार जताया है।

45 स्थानों पर रोजगार मेले का किया गया आयोजन - मुख्यमंत्री योगी ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर लिखा, आदरणीय पीएम मोदी जी के मार्गदर्शन में नए-नए अवसरों का सृजन कर युवाओं को राष्ट्र की विकास-यात्रा से सतत जोड़ा जा रहा है। उसी कड़ी में नव-चयनित 71 हजार से अधिक युवाओं को आज राष्ट्रीय रोजगार मेला के माध्यम से नियुक्ति-पत्र मिलने पर ढेरों बधाई! आभार प्रधानमंत्री जी! उल्लेखनीय है कि देशभर में 45 स्थानों पर रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें उप्र के लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मुरादाबाद और गोरखपुर में भी नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इन नियुक्ति पत्रों को बांटने के लिए लखनऊ में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास और अल्पसंख्यक मामलों की मंत्री स्मृति जुबिन इरानी, वाराणसी में केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय, मुरादाबाद में केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंह वर्मा, आगरा में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री, डॉ. संजीव कुमार बालियान और गोरखपुर में केंद्रीय राज्यमंत्री अजय कुमार मौजूद रहे।

देवभूमि में किसी भी सूरत में गौकशी बर्दाश्त नहीं : संजय गुप्ता

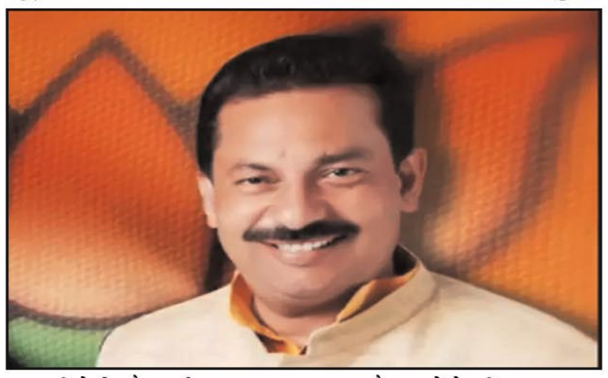

हरिद्वार, (हि.स.)। जिले में बढ़ रहे गौ तस्करी और गौकशी के मामलों पर चिंता जताते हुए पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने कहा कि इसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस गौ माता की हम पूजा करते हैं, उसी की हत्या की जाए ये बिल्कुल भी सहन करने वाला कृत्य नहीं है। ऐसे अपराध के लिए सख्त से सख्त सजा का प्रावधान होना चाहिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की तर्ज पर उत्तराखंड में भी गौ तस्करों के घरों पर बुलडोजर की कार्रवाई होनी चाहिए, तब जाकर ऐसे अपराधियों में भय का माहौल बनेगा। पूर्व विधायक गुप्ता ने कहा कि प्रदेश में जब से मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार है तब से पुलिस लगातार गौ तस्करों पर नकेल कसने का काम कर रही है। जिस प्रकार से प्रदेश सरकार ने नकल विरोधी और धर्मान्तरण कानून बनाया है, उसी प्रकार से गौ तस्करों और गौकशी करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाने की अब जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसके लिए वे प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि गौ तस्करों को पकड़ने के लिए सोमवार व मंगलवार दो दिन में दो जगह गौ तस्करों ने पुलिस पर हमला किया। जिनके साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई, जिनमें चार गौ तस्कर पकड़े गए, जबकि तीन फरार है। हालांकि गौ तस्करी रोकने के लिए अलग से गौ संरक्षण स्क्वाड भी बना है, जो पुलिस टीम के साथ मिलकर इस तरह के मामलों पर छापेमारी करता है।

हाईकोर्ट से शुआट्स के आरबी लाल को झटका

-पासपोर्ट जारी करने का समादेश जारी करने से इनकार, याचिका खारिज

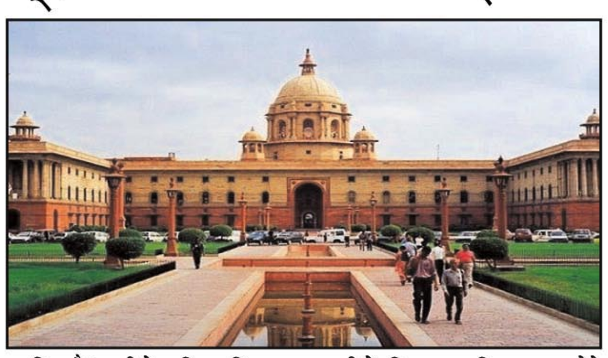

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि पासपोर्ट कानून की धारा 6(2) की शर्तों के अधीन अथॉरिटी आपराधिक केस दर्ज होने के आधार पर पासपोर्ट या ट्रैवलिंग दस्तावेज जारी करने से इनकार कर सकती है, किंतु यदि कोर्ट ने अनुमति दी है तो जारी किया जा सकता है। कोर्ट ने आरबी लाल के पासपोर्ट का नवीनीकरण करने से इनकार करने के आदेश के खिलाफ याचिका खारिज कर दी है। किंतु कहा है कि याची तीन हफ्ते में यदि अथॉरिटी के आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करता है तो कालबाधित न मानते हुए, सक्षम अदालत अपील की सुनवाई करे। यह आदेश न्यायमूर्ति एसपी केसरवानी तथा न्यायमूर्ति अनीश कुमार गुप्ता की खंडपीठ ने आर बी लाल की याचिका पर दिया है। याची के वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल स्वरूप चतुर्वेदी का कहना था कि कोर्ट ने पासपोर्ट अथॉरिटी को याची की अर्जी तय कर सूचित करने का आदेश दिया था। जिस पर पासपोर्ट जारी करने से इनकार करने का आदेश जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि पुलिस रिपोर्ट याची के खिलाफ है। उसके खिलाफ आपराधिक केस लंबित है। कोर्ट से अनापत्ति नहीं दाखिल की गई है। याची के खिलाफ याचिका दायर होने के बाद 7 आपराधिक केस दर्ज हो गये। भारत सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि याची के खिलाफ कुल 18 आपराधिक केस दर्ज हैं। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल के दौरान अथॉरिटी को पासपोर्ट जारी करने से मना करने का कानूनी अधिकार है। जिसके लिए समादेश जारी नहीं किया जा सकता। कोई भी अथॉरिटी कानूनी उपबंधों के विपरीत आदेश नहीं दे सकती।

चार दिवसीय प्रवास पर झारखंड पहुंचे संघ प्रमुख भागवत

रांची, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत चार दिवसीय प्रवास पर मंगलवार को झारखंड के रांची पहुंचे। इस दौरान वह लोहरदगा जिले में आयोजित संघ शिक्षा वर्ग में शामिल होंगे। डॉ. भागवत करीब 12 बजे तपस्विनी एक्सप्रेस से भुवनेश्वर से चलकर रांची जिले के हटिया स्टेशन पहुंचे। उनके आगमन से पहले ही रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। हालांकि उनको करीब 10.30 बजे पहुंचना था, लेकिन ट्रेन विलंब से पहुंची। रेलवे स्टेशन से वह सड़क मार्ग से लोहरदगा के लिए रवाना हो गए। लोहरदगा जिले में स्थित शीला अग्रवाल सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में संघ शिक्षा वर्ग का आयोजन किया गया है। डॉ. भागवत के आगमन के मद्देनजर यहां सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। डॉ. भागवत 19 मई को सुबह 9.30 बजे यहां से रांची जाएंगे और उसी दिन शाम को बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से मुंबई के लिए रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि संघ शिक्षा वर्ग संघ का सांगठनिक प्रशिक्षण शिविर है। इसके प्रथम और द्वितीय वर्ष का प्रशिक्षण हर साल प्रांत अथवा क्षेत्र स्तर पर आयोजित किया जाता है।

जेब खर्च से राहत सामग्री खरीद कर अभाविप कार्यकर्ता पहुंचे अग्निकांड पीड़ितों के बीच

बेगूसराय, (हि.स.)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) बेगूसराय नगर इकाई के कार्यकताओं ने अपना जेब खर्चा जमा कर सिहमा के पथला टोल में हुए भीषण आगजनी के पीड़ित परिवारों के बीच चूड़ा, शक्कर, मोमबत्ती, बिस्कुट, सलाई एवं कपड़ा सहित अन्य सामग्री का वितरण मंगलवार को किया। मौके पर उपस्थित विभाग संयोजक सोनू कुमार व जिला संयोजक पुरुषोत्तम कुमार ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समाज हित, राष्ट्र हित एवं छात्र हित में कार्य करने वाली संगठन है। जब समाज और छात्र को परेशानी होती है, वहां अग्रणी भूमिका में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता उपस्थित रहते हैं। किसान समाज के सबसे कमजोर आदमी होते हैं, किसान कभी बाढ़ तो कभी वर्षा, कभी जानवर, तो कभी आग से प्रभावित होते रहते हैं। इन सभी चीजों से बचकर किसान देश में लिए समाज के लिए अनाज की उपज करते हैं। सिहमा के पथला टोल में आग की लपटों के साथ सभी का अनाज जल गया। इन सबों के सामने भविष्य रूपी चिंता साफ रूप से देखी जा सकती है। नगर मंत्री दिव्यम कुमार एवं प्रदेश कार्यकारणी सदस्य आदित्य कुमार ने कहा कि तत्काल समाजसेवी, विधायक, सांसद, जिला पदाधिकारी सहित अन्य संगठनों के द्वारा त्वरित पहल करते हुए राहत सामग्री उपलब्ध करवाया गया जो कि सराहनीय है। मौके पर उपस्थित अभाविप कार्यकर्ता राघव कुमार ने बताया कि आज विद्यार्थी परिषद के द्वारा जेब खर्च जमा कर सैकड़ों पीड़ित परिवार के बीच सामग्री उपलब्ध करवाई गई। मौके पर प्रिंस, मोहित, अमन एवं नितिन सहित अन्य उपस्थित थे।

राज्यपाल ने केजीएमयू के नवनिर्मित ट्रांसिट नर्सेज छात्रावास का उद्घाटन किया

- जब आवास की सुविधा प्राप्त होती है तो परिवार को प्रसन्नता होती है
- हॉस्टल सुविधा मिलने से नर्सेज अपनी सेवाएं और बेहतर ढंग से दे सकेंगी : ब्रजेश पाठक

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को लखनऊ स्थित किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के नवनिर्मित ट्रांसिट नर्सेज छात्रावास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र उपस्थित रहे। समारोह का शुभारम्भ राज्यपाल ने मटकी में जलधारा प्रवाहित कर जल संरक्षण के संदेश के साथ जल भरो कार्यक्रम से किया। इस अवसर पर समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश नर्सिंग स्टाफ का कृतज्ञ है, जो कोविड काल की चुनौतियों में निरंतर अपनी सेवाएं देते हुए अग्रिम पंक्ति में खड़ा रहा। उन्होंने कहा कि एक समयावधि में कोविड टीकाकरण का कार्य पूरा करके हमारे देश की नर्सों ने पूरी दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की। मेहनत से अपने कार्यों को पूरा करने वाली नर्सों को राज्यपाल ने विश्वविद्यालय परिसर अवासीय सुविधा हेतु ट्रांजिट नर्सेज हास्टल सुविधा प्राप्त होने के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि जब आवास की सुविधा प्राप्त होती है तो परिवार को प्रसन्नता होती है और कार्य-सम्पादन सुगम हो जाता है। सम्बोधन के दौरान राज्यपाल ने निर्माण कार्यों में कार्यदायी संस्थाओं द्वारा समय से कार्य न करने, निर्माण नियमों को अनदेखा करके कार्य करने, निर्धारित बजट के अंतर्गत कार्य पूर्ण न करके अधिक बजट की मांग करने जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच समुचित ताल-मेल और मंत्रियों द्वारा कार्यों की भौतिक जानकारी कार्यों के समयबद्ध सम्पादन के लिए जरूरी है।

उन्होंने मंत्रियों और अधिकारियों को निमार्णाधीन कार्यों का समय-समय पर स्थलीय सत्यापन, ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की पूर्ति का वास्तविक अवलोकन करने को भी कहा। समारोह में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री तथा चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य मंत्री, ब्रजेश पाठक ने कहा कि चिकित्सा सेवाओं में नर्सेज की सेवाएं बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। उन्होंने कहा कि नर्सेज के लिए केजीएमयू में ट्रांजिट हॉस्टल का निर्माण हो सका है। इसके बन जाने से नर्सेज और बेहतर तरीके से अपनी सेवाएं दे सकेंगी। समारोह में राज्यमंत्री चिकित्सा शिक्षा, मयंकेश्वर शरण सिंह ने ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण हेतु राज्यपाल के व्यापक दिशा-निर्देश के लिए धन्यवाद दिया। मुख्य सचिव दुगार्शंकर मिश्रा ने कहा कि नव निर्मित ट्रांजिट हास्टल में एक माह के अंदर नर्सों को आवासित कर दिया जाए। उन्होंने निर्माण कार्यों में नियमों के अवलोकन पर विशेष जोर दिया। केजीएमयू के कुलपति ले. जन. डॉ. बिपिन पुरी ने हॉस्टल के निर्माण में आयी बाधाओं और शासन के सहयोग से पूर्ण हो सके निर्माण कार्य पर विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि हॉस्टल में 256 कमरों का निर्माण हुआ है। प्रत्येक कमरे में एक लॉबी के साथ एक बेडरूम, एक किचन तथा एक बाथरूम बनाया गया है। प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा ने समारोह में धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो. विनीत शर्मा, विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, चिकित्सकगण तथा बड़ी संख्या में नर्सेज एवं चिकित्सा छात्र उपस्थित थे।

राजनाथ सिंह से दिल्ली में मिलीं लखनऊ की नवनिर्वाचित महापौर सुषमा खर्कवाल

लखनऊ, (हि.स.)। लखनऊ नगर निगम से भारतीय जनता पार्टी की नवनिर्वाचित महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंगलवार को रक्षामंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह से उनके दिल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की। महापौर बनने के बाद खर्कवाल की रक्षामंत्री सिंह से यह पहली मुलाकात है। इस अवसर पर राजनाथ सिंह की पत्नी सावित्री देवी सिंह भी उपस्थित रहीं। महापौर बनने के बाद सुषमा खर्कवाल पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं से मिलकर उनका आभार जता रही हैं। खर्कवाल ने इससे पहले लखनऊ में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, नोएडा विधायक पंकज सिंह, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत, उत्तर प्रदेश के पूर्व उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, लखनऊ की पूर्व मेयर संयुक्ता भाटिया और विधायक योगेश शुक्ला से मिलकर उनके प्रति आभार जता चुकी हैं।

नियुक्ति पत्र बांटे जाने के बाद केन्द्रीय मंत्री ने झारखंड सरकार पर निशाना साधा

धनबाद, (हि. स.)। बेरोजगारी का दंश झेल रहे हजारों बेरोजगारों के चेहरे उस वक्त खुशी से खिल उठे, जब राष्ट्रीय रोजगार मेले के दौरान लगभग 71000 से अधिक युवाओं को नौकरी का नियुक्ति पत्र सौंपा गया। प्रधानमंत्री मोदी मंगलावर को ऑनलाइन नियुक्ति पत्र वितरण में शामिल हुए, जबकि प्रत्यक्ष रूप से केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, धनबाद सांसद पशुपतिनाथ सिंह, स्थानीय विधायक राज सिन्हा समेत धनबाद के तमाम हस्ती कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहें। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद अभ्यर्थियों ने न सिर्फ अपने संघर्ष को साझा किया, बल्कि बेरोजगारी दूर होने पर पीएम मोदी को धन्यवाद देते हुए उनके दूरदर्शी सोच को सल्यूट भी किया। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि पीएम मोदी का सपना है दस लाख युवाओं को रोजगार देना, इसके तहत पांचवें चरण में इस बार फिर से 71000 से अधिक युवाओं को 45 अलग-अलग जगहों पर रोजगार मेले का आयोजन कर नियुक्ति पत्र सौंपा गया है। इससे देश में बेरोजगारी दूर होगी। साथ ही इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और स्टार्टअप पर भी भारत सरकार ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार मुहैया कराया जाए। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार शिक्षा एवं रोजगार मुहैया कराने के मामले में केंद्र सरकार का सहयोग नहीं कर रही है। इसकी वजह से झारखंड के युवाओं को कई मामलों में परेशानी हो रही है। केंद्र सरकार से मिलने वाला विविध तरह के फंड वापस हो जा रहे हैं।

छह साल बाद भी राहत शिविर का भुगतान नहीं, मंत्री समेत अधिकारियों से गुहार

अररिया, (हि.स.)। फारबिसगंज में 2017 में शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में बाढ़ की विभीषिका ने काफी तबाही मचाई थी। शहरी और ग्रामीण इलाकों में बाढ़ के कारण भारी जानमाल की क्षति हुई थी। विपदा के इस कॉल में शहरी और ग्रामीण इलाकों में प्रशासन की ओर से बाढ़ राहत शिविर का आयोजन किया गया था लेकिन छह साल बीत जाने के बावजूद शिविर लगाने वाले संवेदकों को अब तक भुगतान नहीं किया गया है, जिससे संवेदक परेशान हैं। इसी कड़ी में भागकोहलिया वार्ड संख्या 1 से 7 के लिए बाढ़ राहत शिविर प्रशासनिक आदेश पर अर्जुन मंडल पिता स्वर्गीय घुटर मंडल के द्वारा 13 से 18 अगस्त 2017 तक लगाया गया था। लेकिन अब तक अर्जुन मंडल को शिविर की राशि का भुगतान नहीं हो पाया है। जबकि उन्होंने फारबिसगंज अंचल पदाधिकारी से लेकर अन्य अधिकारियों के पास गुहार लगाकर थक जाने के बाद बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के मंत्री शाहनवाज आलम के पास गुहार लगाया है।

बाढ़ राहत शिविर में समान की खरीदारी किराना दुकानदार से उधारी की गई थी। इसके अलावे कारीगर, गैस सिलेंडर, जनरेटर एवं अन्य सामग्री का भुगतान भी लंबित है। जिसको लेकर वह परेशान है। हालांकि बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री शाहनवाज आलम ने आवेदन लेकर जांचोपरांत भुगतान कराने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया है।

पूर्व मंडल प्रभारी प्रशांत गौतम बसपा से निष्कासित

मेरठ, (हि.स.)। निकाय चुनावों में करारी हार के बाद बसपा ने अपने नेताओं पर गाज गिरानी शुरू कर दी है। बसपा ने अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पूर्व मंडल प्रभारी प्रशांत गौतम को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। जबकि प्रशांत गौतम ने बसपा अध्यक्ष मायावती पर निशाना साधते हुए खुद ही पार्टी छोड़ने की बात कही है। निकाय चुनाव 2017 में बसपा ने मेरठ के महापौर पद पर जीत हासिल की थी। अभी तक बसपा का तीन बार मेरठ में महापौर बन चुका है, लेकिन इस बार बसपा का महापौर उम्मीदवार चौथे नंबर पर पहुंच गया। 2017 में जहां बसपा के 25 पार्षद चुनकर आए थे, इन चुनावों में बसपा के केवल छह पार्षद ही चुने गए। निकाय चुनाव खत्म होने के बाद बसपा ने अपने नेताओं पर गाज गिरानी शुरू कर दी है। बसपा ने पूर्व मंडल प्रभारी और पूर्व दर्जा राज्य मंत्री प्रशांत गौतम को अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण पार्टी से निष्कासित कर दिया है। बसपा जिलाध्यक्ष मोहित आनंद इस आशय का पत्र जारी किया है। जबकि प्रशांत गौतम ने खुद ही बसपा से त्यागपत्र देने की बात कही है। मंगलवार को प्रशांत गौतम ने 15 मई को बसपा अध्यक्ष मायावती को दिए गए त्यागपत्र को जारी किया। इस त्यागपत्र में प्रशांत गौतम ने कहा है कि नगर निकाय चुनाव में पार्टी की बुरी हार और मुस्लिम समाज का पार्टी की नीतियों से अलग रहने के चलते करारी हार का सामना करना पड़ा। पार्टी के बड़े पदाधिकारी केवल आर्थिक हितों को साधने का कार्य करते रहे। जबकि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव के दौरान भ्रमण करते रहे, लेकिन बसपा अध्यक्ष ने कोई चुनावी बयान नहीं दिया और कहीं पर भी रैली नहीं किए जाने से पार्टी कार्यकताओं का मनोबल गिरा। ऐसे लोगों के हाथ में पार्टी की कमान है, जिनका अपना ही कोई जनाधार नहीं है।

राष्ट्रपति के हाथों 24 मई को होगा देश के सबसे बड़े कोर्ट भवन का लोकार्पण

रांची (ईएमएस)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों आगामी 24 मई को देश के सबसे बड़े कोर्ट भवन का लोकार्पण होगा। जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति 24 से 26 मई तक झारखंड के दौरे पर रहेंगी। इस दौरान वह रांची में झारखंड हाईकोर्ट के नए भवन परिसर का उद्घाटन करने के अलावा ट्रिपल आईटी, रांची के कन्वोकेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। वहीं खूंटी में महिला स्वयं सहायता समूहों के सम्मेलन को संबोधित करने, देवघर के बाबा धाम मंदिर में पूजा-अर्चना करने और रांची स्थित राजभवन में विशिष्ट जनों से मुलाकात का भी उनका कार्यक्रम है। जानकारी के अनुसार 24 मई को रांची के धुर्वा में हाईकोर्ट के नए भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी. वाई. चंद्रचूड़, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कई जस्टिस मौजूद रहेंगे। उल्लेखनीय है कि लगभग 600 करोड़ की लागत से बनकर तैयार झारखंड का नया हाईकोर्ट देश का सबसे बड़ा हाई कोर्ट कैंपस है। इसका क्षेत्रफल सुप्रीम कोर्ट के कैंपस से भी साढ़े तीन गुणा ज्यादा है। इसके लिए झारखंड सरकार की ओर से 165 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई गई है। इसमें से 72 एकड़ जमीन पर हाईकोर्ट बिल्डिंग सहित वकीलों के लिए आधारभूत संरचना तैयार की गयी है। शेष जमीन पर न्यायाधीशों और रजिस्ट्री के कर्मियों के लिए आवासों का निर्माण कराया जाना है।

राष्ट्रपति के कार्यक्रम की सूचना मिलने के बाद सरकार और प्रशासन की ओर से तमाम आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। राष्ट्रपति सबसे पहले 24 मई को दिल्ली से देवघर पहुंचेंगी। यहां पूजा अर्चना करने के बाद इसी दिन रांची आएंगी। इसी रोज शाम पांच बजे झारखंड उच्च न्यायालय के भवन उद्घाटन का कार्यक्रम हैं। अगले दिन 25 मई को राष्ट्रपति खूंटी में आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन को संबोधित करेंगी। इसी दिन वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी(ट्रिपल आईटी) के दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगी। राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की तैयारियों को लेकर केंद्रीय जनजातीय कार्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने राजभवन में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की है। इस दौरान उन्होंने राज्यपाल के साथ राष्ट्रपति के झारखंड आगमन के क्रम में खूंटी में आयोजित होने वाले महिला सम्मेलन के संदर्भ में चर्चा की।

बागेश्वर बाबा ने पटना के महावीर मंदिर में लगाई हाजिरी

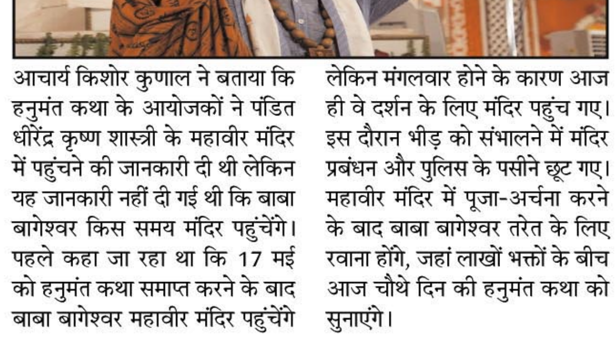

पटना, (हि.स.)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश धीरेंद्र शास्त्री अपनी पांच दिवसीय पटना दौरे पर हैं।नौबतपुर के तरेत पाली गांव में आयोजित कार्यक्रम में लाखों लोगों को हनुमंत कथा सुना रहे हैं। इसी बीच मंगलवार को बाबा बागेश्वर पटना के महावीर मंदिर पहुंचे और बजरंगबली के दरबार में हाजिरी लगाई। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने मंदिर में पूजा अर्चना की और भगवान के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लोग बागेश्वर सरकार की एक झलक पाने के लिए उतावले दिखे। आज सुबह से ही यह संभावना जताई जा रही थी कि बाबा बागेश्वर बजरंगबली के दर्शन के लिए पटना के महावीर मंदिर में पहुंच सकते हैं। महावीर मंदिर के आचार्य किशोर कुणाल ने बताया कि हनुमंत कथा के आयोजकों ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के महावीर मंदिर में पहुंचने की जानकारी दी थी लेकिन यह जानकारी नहीं दी गई थी कि बाबा बागेश्वर किस समय मंदिर पहुंचेंगे। पहले कहा जा रहा था कि 17 मई को हनुमंत कथा समाप्त करने के बाद बाबा बागेश्वर महावीर मंदिर पहुंचेंगे लेकिन मंगलवार होने के कारण आज ही वे दर्शन के लिए मंदिर पहुंच गए। इस दौरान भीड़ को संभालने में मंदिर प्रबंधन और पुलिस के पसीने छूट गए। महावीर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद बाबा बागेश्वर तरेत के लिए रवाना होंगे, जहां लाखों भक्तों के बीच आज चौथे दिन की हनुमंत कथा को सुनाएंगे।

संपादकीय

हिंदुओं ने हराया हिंदुत्व

एक बार फिर आकलन करना पड़ेगा कि प्रधानमंत्री मोदी 'अजेय' नहीं हैं। उनके नेतृत्व और धुआंधार प्रचार के बावजूद भाजपा को चुनावी पराजय दी जा सकती है। यह कर्नाटक के जनादेश ने साबित कर दिया है। ऐसा भी नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी के नौ साल के अनवरत कार्यकाल के कारण उनकी छवि में ठहराव आया है अथवा उनके प्रति मोहभंग होने लगा है। कर्नाटक में भाजपा के पक्ष में 36 फीसदी से अधिक वोट आए हैं। उसका साफ अर्थ है कि न तो भाजपा के खिलाफ प्रचंड सत्ता-विरोधी लहर थी और न ही मतदाता उसके प्रति उदासीन हुआ है। बीते चुनाव 2018 में वोट प्रतिशत इससे कम ही था और कांग्रेस को 38.4 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह भाजपा से पिछड़ गई थी। अब खुद प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व को गहरा आत्ममंथन और विमर्श करना पड़ेगा कि हिन्दुत्व के आधार पर ध्रुवीकरण के लिए आजमाए गए मुद्दों के बजाय किन मुद्दों पर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने हैं और अंततः 2024 के आम चुनाव की चुनौती को जीतना है। इसी साल तेलंगाना में विधानसभा चुनाव है, जहां भाजपा हिन्दुत्व की ही जमीन पुख्ता कर रही है। भाजपा को सिर्फ हिन्दुत्व की जगह उन मुद्दों पर भी ध्यान देना चाहिए, जो आम आदमी की जेब से सीधा जुड़े हैं। कर्नाटक में 84 फीसदी से ज्यादा हिन्दू हैं, लेकिन वे जातियों, वर्गों और समुदायों में बंटे हैं। कर्नाटक चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 'बजरंग बली की जय' बोली और जनता का उद्घोष भी कराया। उन्होंने यहां तक कहा कि पहले 'बजरंग बली की जय' बोलना और फिर वोट का बटन दबाना। रोड शो के दौरान भी एक व्यक्ति को भगवान हनुमान का प्रतिरूप बनाकर पेश किया गया। सडक से लेकर मंदिरों तक 'हनुमान चालीसा' का पाठ किया गया। फिर भी इतने वोट नहीं मिल सके कि भाजपा जीत जाती। इसके अलावा राम मंदिर, टीपू सुल्तान, हिजाब, हलाला, केरल स्टोरी, लव जेहाद और मुस्लिम आरक्षण आदि मुद्दे भी गूंजते रहे। भाजपा की रणनीति थी कि ऐसे मुद्दों पर हिन्दू तल्ख प्रतिक्रिया करेंगे और भाजपा के पक्ष में लबालब वोट करेंगे। यह रणनीति बिल्कुल नाकाम रही। मतदाताओं ने इसे सिरे से नकार दिया। दरअसल हिन्दुओं ने ही हिन्दुत्व की सोच और राजनीति को पराजित किया। दक्षिण में भाजपा का प्रवेश-द्वार कर्नाटक हिन्दुत्व की प्रयोगशाला था, लेकिन हिन्दू वोट बैंक ने विभाजित जनादेश दिया, जबकि 13 फीसदी मुसलमानों और 2 फीसदी ईसाइयों में से ज्यादातर ने लगभग एकमुश्त वोट कांग्रेस के पक्ष में किया। लिंगायतों के 46 विधायक जीते हैं, जिनमें से 37 विधायक कांग्रेस के हैं। भाजपा का परंपरागत समर्थक और हिन्दू वोट बैंक इस तरह शिफ्ट हुआ है। आदिवासियों के लिए 15 सीटें आरक्षित हैं। सभी सीटें कांग्रेस की झोली में गईं। आदिवासी भी आस्था के आधार पर 'हिन्दू' ही हैं। ग्रामीण इलाकों की कुल 151 सीटों में से 97 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इनमें भी अधिकांश 'हिन्दू' हैं। दरअसल यह आर्थिक सरोकार का दौर है। बेशक लाभार्थी कहें या जन-कल्याण का नाम दे लें अथवा कांग्रेस की 'गारंटियां' मान लें या प्रधानमंत्री के शब्दों में ये 'मुफ्त की रेवडियां' हैं, लेकिन चुनाव इन्हीं मुद्दों पर तय हो रहे हैं। कर्नाटक भी एक उदाहरण है। हालांकि कर्नाटक अर्थव्यवस्था के लिहाज से देश का 5वां राज्य है। सम्पन्न है, कारोबार है, आईटी की राजधानी है। फिर भी कांग्रेस ने जो 'गारंटियां' घोषित की हैं, उन्हें पूरा करने पर करीब 36,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। अर्थशास्त्रियों के ऐसे अनुमान हैं। कांग्रेस का कहना है कि साथ-साथ वह आर्थिक बढ़ोतरी भी सुनिश्चित करेगी। कर्नाटक में प्रति व्यक्ति आय 2021-22 में 1.64 लाख रुपए थी। दरअसल कर्नाटक देश के प्रमुख 'आर्थिक इंजनों' में एक है। कोरोना के बाद सेवाओं के निर्यात में 25 फीसदी से ज्यादा का उछाल आया है। यह समृद्धि मंद नहीं होनी चाहिए।

बीते चुनाव 2018 में वोट प्रतिशत इससे कम ही था और कांग्रेस को 38.4 फीसदी वोट मिले थे, लेकिन सीटों के मामले में वह भाजपा से पिछड़ गई थी। अब खुद प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व को गहरा आत्ममंथन और विमर्श करना पड़ेगा कि हिन्दुत्व के आधार पर ध्रुवीकरण के लिए आजमाए गए मुद्दों के बजाय किन मुद्दों पर आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने हैं और अंततः 2024 के आम चुनाव की चुनौती को जीतना है। इसी साल तेलंगाना में विधानसभा चुनाव है, जहां भाजपा हिन्दुत्व की ही जमीन पुख्ता कर रही है। भाजपा को सिर्फ हिन्दुत्व की जगह उन मुद्दों पर भी ध्यान देना चाहिए, जो आम आदमी की जेब से सीधा जुड़े हैं। कर्नाटक में 84 फीसदी से ज्यादा हिन्दू हैं, लेकिन वे जातियों, वर्गों और समुदायों में बंटे हैं। कर्नाटक चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने 'बजरंग बली की जय' बोली और जनता का उद्घोष भी कराया। उन्होंने यहां तक कहा कि पहले 'बजरंग बली की जय' बोलना और फिर वोट का बटन दबाना। रोड शो के दौरान भी एक व्यक्ति को भगवान हनुमान का प्रतिरूप बनाकर पेश किया गया।

कुछ अलग

चंबा चौगान के बचाव में

एक प्रतिष्ठित नागरिक एवं पद्मश्री पुरस्कार विजेता विजय शर्मा के पत्र का संज्ञान लेते हुए माननीय उच्च न्यायालय ने चंबा चौगान के किनारे निर्माण को हटाने का आदेश दिया है। सार्वजनिक मैदान और चंबा नगर विकास योजना का उल्लंघन करते हुए नगर परिषद चौगान के चारों तरफ दुकानें बनवा रही थी, जिसे तुरंत प्रभाव से अब हटाना होगा। यह निर्णय एक साथ कई संदेश और नव निर्माण के चरित्र पर टिप्पणी कर रहा है। एक ओर टीसीपी कानून के सीधे उल्लंघन पर अदालत सख्त हो रही है, जबकि दूसरी ओर वह नागरिक समाज की चिंताओं को अधिमान भी दे रही है। आश्चर्य यह कि नगर परिषद शहर के व्यवस्थित विकास की योजना की पहरेदार बनने के बजाय, उसे ही लूट रही थी। कमोबेश इसी तरह हर शहर की योजना में संस्थागत अतिक्रमण जारी है। खास तौर पर सरकारी इमारतों ने शहरों में ऐसे जंगल बसा दिए हैं, जिन्हें हटाने की दरकार है। आज तक यह ऑडिट नहीं हुआ है कि नगर निकायों की संपत्तियों के कौन मालिक बने बैठे हैं। इतना ही नहीं दुकानों के नाम पर हर शहर में सरकारी धन का बेहूदा इस्तेमाल करके आबंटन की मिलीभगत में सियासी स्वार्थ पूरे किए जा रहे हैं। यहां मसला उस सीना जोरी का भी है जो शहर की सूरत संवारने के बजाय बिगाड़ रहा है। इतना ही नहीं कातिल निगाहें पारंपरिक मैदानों, सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक व पर्यटक स्थलों को निगल रही हैं। कभी सुजानपुर का मैदान अपने आकार में एक राज्यस्तरीय धरोहर था, लेकिन इमारतों के बढ़ते दायरे ने इसका भी दम घोंट दिया। पहले ही चंबा के चौगानों में व्यापार के मंसूबे खोद दिए गए हैं और अब रही सही कसर मुख्य मैदान को नोंच कर पूरी की जा रही है। कुछ वर्ष पूर्व इसी तरह धर्मशाला के नेता जी सुभाष स्टेडियम के एक छोर पर जनता के भारी विरोध के बावजूद पुलिस ने अपने भवन की छाती ठोंक दी। यह सरकारी कार्यालयों, परियोजनाओं और स्थानीय निकायों का अतिक्रमण है, जो गांव से शहर तक के सुकून को छीन रहा है। अगर प्रसिद्ध चित्रकार विजय शर्मा इस मामले को हाई कोर्ट न ले जाते, तो चंबा चौगान की छाती पर दुकानें उग कर आबंटित भी हो जातीं। धर्मशाला और शिमला की स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत भी जमीन घेरने के कई परिकल्प चल रहे हैं। धर्मशाला के गांधी पार्क की सीमित जमीन पर स्मार्ट सिटी का पैसा यूं ही करीब तीन दर्जन दुकानों के निर्माण को तरजीह दे रहा है। यह स्थान प्रकृति और पार्क के महत्त्व को कम करके कल खानपान की मार्केट में तबदील हो जाएगा। नव निर्माण की सूलियों पर एक तो सरकारी धन जाया हो रहा है, दूसरे ऐसे विकास की कोई परिभाषा विकसित नहीं हो रही। बेशक रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए आधुनिक बाजारों का निर्माण करना होगा, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सार्वजनिक उपयोग की जमीन या सामुदायिक मैदानों में निर्माण के तंबू गाड़ दिए जाएं। चंबा में दुकानों का निर्माण तो कहीं भी हो सकता है, मगर फिर से ऐसा चौगान शायद ही विकसित होगा। होना तो यह चाहिए कि हर शहर की चारों दिशाओं में सामुदायिक मैदान विकसित किए जाएं ताकि लोग किसी को सैरगाह, मनोरंजन, खेल या व्यापारिक उद्देश्य से सार्वजनिक रूप से इस्तेमाल कर सकें। हाई कोर्ट के आदेश में शहरी विकास योजनाओं का महत्त्व भी समझाया जा रहा है। विडंबना यह है कि किसी भी शहर का विकास योजनाओं के तहत नहीं हो रहा है।

नेशनल क्वांटम मिशन को अपनाने के कारण भारत भी इन देशों के समकक्ष आ गया है

प्रौद्योगिकी में लंबी उड़ान : क्वांटम मिशन

डा. अश्वनी महाजन

वित्तीय धोखाधड़ी तो रोज़मर्रा का विषय है। इससे देशों की सुरक्षा पर भी लगातार ख़तरा मंडरा रहा है। क्वांटम प्रौद्योगिकी कंप्यूटर प्रणाली में एक बड़े बदलाव और विकास के रूप में देखी जा रही है जिससे कंप्यूटरों को पहले से कहीं ज़्यादा तीव्र, प्रभावी और सुरक्षित बनाया जा सकता है। अप्रैल 19, 2023 को केंद्रीय केबिनेट द्वारा नेशनल क्वांटम मिशन के लिए 6003 करोड़ रुपए की अनुमति के बाद भारत दुनिया में 7वां देश बन गया है जिसका अपना एक क्वांटम मिशन है। इससे पहले संयुक्त राज्य अमरीका, ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, फ्रांस, कनाडा और चीन का ही अपना समर्पित क्वांटम मिशन है।

कई दशक पूर्व कंप्यूटरों का आविष्कार हुआ। इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉफ्टवेयर के विकास के साथ साथ कंप्यूटर प्रौद्योगिकी में भारी सुधार भी हुआ, जिसके चलते संचार, स्वास्थ्य, ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, अंतरिक्ष आदि में अभूतपूर्व प्रगति हुई। इस प्रगति को आज की भाषा में चौथी औद्योगिक क्रांति भी कहते हैं। लेकिन इस विकास की अपनी सीमाएं रही। यही नहीं इसकी सबसे बड़ी समस्या यह रही कि कंप्यूटरों को विभिन्न प्रकार के वायरस और मेलवेयर भेजकर अथवा हैक करके कब्जाया जा सकता है। इससे पूरी व्यवस्था ठप्प हो सकती है। पूर्व में ऐसा हुआ भी है। वित्तीय धोखाधड़ी तो रोज़मर्रा का विषय है। इससे देशों की सुरक्षा पर भी लगातार ख़तरा मंडरा रहा है। क्वांटम प्रौद्योगिकी कंप्यूटर प्रणाली में एक बड़े बदलाव और विकास के रूप में देखी जा रही है जिससे कंप्यूटरों को पहले से कहीं ज़्यादा तीव्र, प्रभावी और सुरक्षित बनाया जा सकता है। अप्रैल 19, 2023 को केंद्रीय केबिनेट द्वारा नेशनल क्वांटम मिशन के लिए 6003 करोड़ रुपए की अनुमति के बाद भारत दुनिया में 7वां देश बन गया है जिसका अपना एक क्वांटम मिशन है। इससे पहले संयुक्त राज्य अमरीका, ऑस्ट्रिया, फिनलैंड, फ्रांस, कनाडा और चीन का ही अपना समर्पित क्वांटम मिशन है। इस विषय की शुरुआत दिसंबर 2018 में हुई थी, जब नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में 'नेशनल मिशन ऑन साइबर फिजिकल सिस्टम्स' हेतु 3660 करोड़ रुपए की घोषणा की गई थी। अप्रैल 2023 से प्रारंभ नेशनल क्वांटम मिशन के 4 हिस्से होंगे। पहले तीन हिस्से हैं : क्वांटम कम्प्यूटिंग, क्वांटम कम्युनिकेशन (संचार) एवं क्वांटम सेंसिंग (संवदेन) एवं चौथा हिस्सा उपरोक्त तीनों कार्यक्रमों हेतु उपकरणों का निर्माण है। माना जा रहा है कि इससे पूर्व क्वांटम मिशन अपनाने वाले देश भी अभी शोध एवं विकास के स्तर पर ही हैं, और इनमें से किसी ने भी क्वांटम तकनीकी का अनुप्रयोग शुरू नहीं किया है। इस प्रकार नेशनल क्वांटम मिशन को अपनाने के कारण भारत भी इन देशों के समकक्ष आ गया है। गौरतलब है कि विकसित देशों की बड़ी कंपनियों ने भविष्य की क्वांटम प्रौद्योगिकी में अरबों डालर का निवेश किया है। इस प्रौद्योगिकी में अति सुरक्षित प्रतिरक्षा संचार से लेकर स्वास्थ्य सेवाओं के अनुप्रयोगों जैसे- अति स्टीक एमआरआई इत्यादि के संदर्भ में अनंत संभावनाएं हैं। जानकारों का कहना है कि इस मिशन को किसी एक व्यक्ति अथवा संस्था के द्वारा संचालित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह प्रौद्योगिकी बहुत जटिल है। इस कार्यक्रम को मिशन की तर्ज पर ले

जाने की जरूरत है, जिसमें विभिन्न प्रकार की संस्थाओं एवं शोधकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा। क्वांटम कंप्यूटर आधुनिक कंप्यूटरों की तुलना में बहुत तीव्र और अद्यतन हैं। कंप्यूटिंग शक्ति में इससे अभूतपूर्व विकास होगा। इनमें जटिल समस्याओं को हल करने की भी क्षमता है जो वर्तमान में हमारी पहुंच से परे हैं। क्वांटम यांत्रिकी के सिद्धांतों पर आधारित होने के कारण क्वांटम एनक्रिप्शन तकनीकें पारंपरिक एनक्रिप्शन विधियों की तुलना में अधिक सुरक्षित होती हैं। क्वांटम संचार नेटवर्क पारंपरिक नेटवर्क की तुलना में द्रुत गति से और अधिक सुरक्षित रूप से सूचना प्रसारित कर सकते हैं, जिनमें पूरी तरह से हैकिंग से मुक्त होते हैं। इसमें सुरक्षित संचार की क्षमता होती है। इसलिए इस मिशन के कार्यों में एक महत्वपूर्ण कार्य है- एक लंबी दूरी का संचार। इस मिशन के फलस्वरूप संचार व्यवस्था में अभूतपूर्व क्रांति तो आएगी ही, भारत विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका में आ सकता है। यह मिशन भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा। इस मिशन के तहत वर्ष 2023 और 2031 के 8 वर्षों के दौरान देश में क्वांटम प्रौद्योगिकी के लिए वैज्ञानिक एवं औद्योगिक शोध एवं विकास के कार्यों को गति दी जाएगी और इसके लिए एक नवाचार हेतु वातावरण निर्माण किया जाएगा। गौरतलब है कि वर्तमान समय की कम्प्यूटर प्रक्रिया दो अंकों 'एक' और 'शून्य' पर आधारित है। लेकिन इस मिशन के अंतर्गत बनाए जा रहे क्वांटम कम्प्यूटरों की प्रक्रिया में 'क्यूबिट्स' अथवा 'क्वांटम बिट्स' इकाइयां रहेंगी। पहले 5 वर्षों में 50 से 100 क्यूबिट्स वाले कम्प्यूटर बनेंगे और 8 वर्षों में 50 से 1000 क्यूबिट्स वाले कम्प्यूटरों का निर्माण शुरू हो जाएगा। इन क्वांटम उपकरणों के निर्माण हेतु साजो-सामान तैयार करने में यह मिशन काम करेगा। इस प्रकार के कम्प्यूटरों के निर्माण से सेटेलाइट आधारित संचार व्यवस्था संचालित होगी और अन्य देशों के साथ सुरक्षित क्वांटम संचार संभव हो पाएगा। आम भाषा में यदि कहें तो क्वांटम मिशन के द्वारा भारत में एक स्वदेशी और स्वावलंबी संचार व्यवस्था हेतु नवीनतम शोध तो संभव होगा ही, साथ ही साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान अत्यधिक सुरक्षित हो जाएगा जिससे कम्प्यूटर प्रणाली को हैक नहीं किया जा सकेगा। चिकित्सीय निदान, पर्यावरणीय निगरानी और भू-वैज्ञानिक अन्वेषण जैसे उपयोगी क्षेत्रों में इसका उपयोग देखा जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से भारत ने डिजिटलाइजेशन में अभूतपूर्व प्रगति की है। जनधन खाते, आधार और मोबाइल की तिगड़ी यानी 'जैम ट्रिनिटी' के कारण न केवल सरकार द्वारा लोक कल्याण सेवाओं की डिलीवरी, बल्कि प्रत्यक्ष नकद राशि का लाभार्थियों को सीधा भुगतान भी संभव हो सका है। उधर जो भुगतान पूर्व में बैंकिंग व्यवस्था के माध्यम से अथवा नकद के लेनदेन से होते थे, वे अब बेहद आसान तरीके से यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से होने लगे हैं। उधर ई-कॉमर्स ने जहां लोगों के लिए जीवन आसान बना दिया है, वहीं उसके रोजगार आदि पर पडने वाले दुष्प्रभावों के कारण उससे आशंकाएं भी निर्माण हो रही हैं। इसके समाधान के लिए सरकार ओपन नेटवर्क डिजिटल कॉमर्स के नाम से एक नई व्यवस्था की तरफ आगे बढ़ रही है। शिक्षा हो, लैंड रिकॉर्ड हो, चिकित्सा एवं जनस्वास्थ्य या बड़े पैमाने पर नागरिकों को सेवा प्रदान करने का कार्य हो, इन सबको आधुनिकतम तरीके की कम्प्यूटर व्यवस्था से ही अंजाम दिया जा सकता है। लेकिन पिछले समय में कंप्यूटर व्यवस्था में वायरस, मेलवेयर आदि और अपराधियों और दुश्मन देशों द्वारा हैकिंग के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। हालांकि इन सबसे निपटने के कारगर उपाय करने के बावजूद कई बार निजी व्यक्तियों, कारपोरेट एवं सरकारी संस्थानों, सरकारी विभागों, वायुयान व्यवस्था आदि को उनके भारी नुकसान वहन करने पड़े हैं। एक ऐसी कम्प्यूटर व्यवस्था जो तीव्र हो, जिसमें बहुआयामी प्रक्रियाओं को अंजाम दिया जा सके, जो बिग डाटा को समाहित कर सके और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जिसकी हैकिंग न हो सके, उसकी जरूरत महसूस की जा रही थी। ऐसे में क्वांटम फिजिक्स में हो रहे शोध और नवाचार से भारत अलग नहीं रह सकता। भारत सरकार का राष्ट्रीय क्वांटम मिशन भारत को डिजिटलाइजेशन, शोध एवं विकास, अंतरिक्ष विज्ञान, नागरिक सेवाओं के बेहतर निष्पादन समेत कई मामलों में दुनिया से आगे ले जाएगा।

सुपुर्दे ढाका की तारीख दोहराने का वक्त

वीरभूमि हिमाचल के सैन्य दस्तावेज का हर पन्ना पहाड़ के रणबांकुरों की दास्तान-ए-शुजात से भरा है। देश रक्षा के मोर्चे पर पहाड़ का शौर्य हमेशा सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ है। लेकिन जम्मू-कश्मीर राज्य को लेकर देश के सियासी हुक्मरानों की ढुलमुल नीतियों का खामियाजा देश के सैनिक व सैन्य परिवार 75 वर्षों से भुगत रहे हैं। 4 मई 2023 को पाक विदेश मंत्री ने 'गोवा शंघाई सहयोग' के इजलास में दहशतगर्द मुल्क का तर्जुमान बनकर शिरकत की थी। दौरे से पूर्व 20 अप्रैल को पुंछ के 'भाटा दूरियां' इलाके में आतंकी हमले में पांच जवान शहीद हो गए। 20 अप्रैल 2023 को दंत्तेवाड़ा में 'डिसट्रिक्ट रिजर्व गाड्रस' के ग्यारह जवान नक्सली हमले में जांवाहक हो गए। 'एससीओ' मीटिंग के दौरान ही 5 मई 2023 को राजौरी सेक्टर में आंतकी मुठभेड़ में भारतीय सेना की 'स्पेशल फोर्स' के पांच कमांडो वीरगति को प्राप्त हो गए, जिनमें दो सपूतों का बलिदान हिमाचल के हिस्से आया है। कमांडो प्रमोद नेगी का संबंध सिरमौर तथा कमांडो अरविंद कुमार का ताल्लुक कांगड़ा जिला से था। दुनिया की सर्वोत्तम सेनाओं में शुमार भारतीय स्पेशल फोर्सेज के जवानों का आतंकी हमलों में शहीद होना दुर्भाग्यपूर्ण है। देश रक्षा के लिए प्रतिबद्ध सैनिक फिदा-ए-वतन हो रहे है, मगर सैन्य शौर्य के सबूत मांगने वाले व धारा 370 के वियोग में अश्क बहाने वालों से लेकर मुल्क के रहबर सैनिकों की शहादत पर खामोश हैं। उत्तर प्रदेश में एक तसादुम में हलाक हुए माफियाओं की फुरकत में अब भी मातम मनाया जा रहा है। देश की सियासत अपने चुनावी समीकरण को साधने में मशगूल है। कश्मीर घाटी में आतंकी वारदातें हों, नक्सली हमले या अन्य राज्यों में सांप्रदायिक हिंसा तशद्दुद के भयानक दौर में देश की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए हुक्मरानों की नजर-ए-करम सुरक्षा बलों पर ही होती है। जम्मू-कश्मीर के लिए हिमाचल की सैन्य कुर्बानियों का इतिहास रियासती दौर से ही रहा है। जम्मू-कश्मीर रियासत की सरहदों को विस्तार देने का श्रेय जनरल जोरावर सिंह कहलूरिया को जाता है। मेजर जनरल 'जनक सिंह कटोच' व कर्नल 'रघवीर सिंह पठानियां' जैसे हिमाचल के सैन्य अधिकारियों ने पहली जंगे अजीम व कई सैन्य मिशनों में जम्मू-कश्मीर रियासत की सेना का नेतृत्व किया था। जनक सिंह कटोच व न्यायमूर्ति मेहर चंद महाजन ने जम्मू-कश्मीर रियासत की सियासत में भी अहम भूमिका निभाई थी। कश्मीर पर 1947 में पाक हमले के खिलाफ सिरमौर के 'कर्नल शेरजंग' ने 'कश्मीर नेशनल मिलिशिया' फौज का हिस्सा बनकर अहम किरदार अदा किया था। फरवरी 1948 में 'कर्नल शेरजंग थापा' 'महावीर चक्र' ने पीओके स्थित 'स्कार्दू किले' पर कब्जा करके अदम्य साहस का परिचय दिया था। 1947 के पाक हमले में कश्मीर को महफूज रखने के लिए हिमाचल के 43 सैनिकों ने बलिदान दिया था। मेजर 'सोमनाथ शर्मा' व कै. 'बिक्रम बत्रा' दोनों 'परमवीर चक्र' विजेताओं की जांबाजी की दास्तान कश्मीर के लिए ही मिसाल बनी थी। यह भारतीय सैन्य पराक्रम का ही जलवा था कि 'सुपुर्दे ढाका' की शिकस्त में पाक सैन्य तारीख को शर्मिंदा करने वाले सिपहसालारों याहिया खान व आमीर अब्दुल्ला नियाजी को पाकिस्तान ने दम-ए-इताब में आकर सेवानिवृत्त करके गुमनाम जिंदगी जीने पर मजबूर कर दिया था। दो जुलाई 1972 को हिमाचल की राजधानी शिमला उस तारीख का चश्मदीद बना जब 1971 की भारत-पाक जंग के 93 हजार पाक युद्धबंदियों को छुड़ाने के लिए पाक सदर व बिलावल भट्टो के नाना जुल्फिकार अली भुट्टो अमन का पैरोकार बनकर शिमला में तशरीफ लाए थे। शिमला समझौते के बाद जुल्फिकार अली भुट्टो ने पाकिस्तान जाकर कहा था कि घास की रोटी खाकर भी भारत से एक हजार साल तक लड़ेंगे। भुट्टो की वो तहरीर सच साबित हो रही है। पाकिस्तान की आवाम घास की रोटी खाने को मजबूर है। कई मुल्कों से खैरात मांगकर पाक हुक्मरान 'आईएमएफ' की कदमबोसी भी कर रहे हैं, मगर आतंक को पनाह देने से पाक तौबा नहीं कर रहा। अतः बिलावल को भारत के प्रति हिकारत भरा नजरिया विरासत में मिला है। 1990 के दशक में अपनी सियासी जमीन तलाशने के लिए पाक वजीरे आजम मोहतरमा बेनजीर भट्टो की कश्मीर को लेकर जहर उगलती तकरीरें घाटी में आतंक का नुक्ता-ए-आगाज साबित हुईं। पाक पोषित आतंक को घाटी में वहां की सियासत व स्थानीय आवाम की हिमायत हासिल होने से 'कश्यप ऋषि' की तपोस्थली कश्मीर आतंक में तब्दील हो गया। आतंक के खौफनाक मंजर से कश्मीर के मूल निवासी अपने ही राज्य में शरणार्थी होकर फरियादी बन गए। देश में कई सियासी रहनुमां व मानवाधिकारों की पैरवी करने वाले दहशतगर्दों के हलाक होने पर अश्क जरूर बहाते हैं। मगर घाटी में एक मुद्दत से विस्थापित हुए कश्मीरी पंडितों का मुद्दा राष्ट्रीय व आलमी सतह पर उस शिद्दत से नहीं उठा कि आतंक के कारण पंडितों का विस्थापन दुनिया की तवज्जो का मरकज बन सके। कश्मीर में आतंकी हमले 'अफस्पा' हटाने की वकालत करने वालों के लिए आईना हैं। अब कश्मीर में होने वाला जी-20 देशों का इजलास पाक हुक्मरानों को खटक रहा है। भावार्थ यह है कि हमारे बहादुर सैनिकों ने पाक फौज की हर पेशकदमी तथा आतंकियों के तमाम मंसूबों को ध्वस्त करके आतंक के मरकज पाकिस्तान को आलमी सतह पर भी शर्मसार किया है। मगर मुल्क की सियासत ने देश रक्षा के महाज पर ऐसा कोई साहस नहीं दिखाया जिस पर राष्ट्र गर्व कर सके। देश पर शासन करने की हसरत लेकर विपक्ष को एकजुट करने में जुटे सियासी रहनुमा भी आतंक के मुद्दे पर खामोश हैं। बहरहाल वतन-ए-अजीज की हशमत के लिए कुर्बान होकर तिरंगे में लिपट कर आने वाले सैनिकों के परिवारों के दर्द भरे जज्बातों को समझने की जरूरत है। चार युद्धों में अपनी मारक क्षमता से पाक फौज को मफलूज करने वाली भारतीय सेना पाक हुक्मरानों की हनक जमींदोज करके सुपुर्दे ढाका का इतिहास दोहराने की पूरी सलाहियत रखती है, बशर्ते देश की सियासत इच्छाशक्ति दिखाए। आतंक की पनाहगाह पर सैन्य कार्रवाई ही एकमात्र विकल्प है। सैनिकों के बलिदान को देश नमन करता है।

देश रक्षा के लिए प्रतिबद्ध सैनिक फिदा-ए-वतन हो रहे है, मगर सैन्य शौर्य के सबूत मांगने वाले व धारा 370 के वियोग में अश्क बहाने वालों से लेकर मुल्क के रहबर सैनिकों की शहादत पर खामोश हैं। उत्तर प्रदेश में एक तसादुम में हलाक हुए माफियाओं की फुरकत में अब भी मातम मनाया जा रहा है। देश की सियासत अपने चुनावी समीकरण को साधने में मशगूल है। कश्मीर घाटी में आतंकी वारदातें हों, नक्सली हमले या अन्य राज्यों में सांप्रदायिक हिंसा तशद्दुद के भयानक दौर में देश की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए हुक्मरानों की नजर-ए-करम सुरक्षा बलों पर ही होती है। जम्मू-कश्मीर के लिए हिमाचल की सैन्य कुर्बानियों का इतिहास रियासती दौर से ही रहा है। जम्मू-कश्मीर रियासत की सरहदों को विस्तार देने का श्रेय जनरल जोरावर सिंह कहलूरिया को जाता है। मेजर जनरल 'जनक सिंह कटोच' व कर्नल 'रघवीर सिंह पठानियां' जैसे हिमाचल के सैन्य अधिकारियों ने पहली जंगे अजीम व कई सैन्य मिशनों में जम्मू-कश्मीर रियासत की सेना का नेतृत्व किया था।

देश दुनीया से

न आदतां जांदियां ने

वारिस शाह ने सही फरमाया था कि ना आदतां जांदियां ने, पावें कटिए कटियां पोरियां पोरियां वे। अब एक सूफी की नैतिकोक्ति और शायर के कहने के अन्दाज में कुछ तो फर्क होगा ही। एक जहां गन्ने की मिसाल दे रहा है तो वहीं दूसरा सोमरस से अपनी बात रख रहा है। जाहिर है कि एक शायर एक सूफी से ज्यादा व्यावहारिक होगा। उसे पता है कि आम आदमी कौन से उदाहरण से जल्दी समझेगा। पर आदतें न इन दोनों की बातें सुनने से छूट सकती हैं और न मार खाकर। अन्यथा न ठरकी कभी जूते खाते और न कभी शराबी नालियों में गिरे होते या कुत्ते उनके मुंह चाट कर उन्हें जगाते। मनुष्य के चरित्र से याद आया कि आदतें व्यक्तिगत भी हो सकती हैं और सामूहिक भी। मेरे दो परिचित हैं। दोनों ही ऊंचे पदों से सेवानिवृत्त हैं। एक तो नौकरी की ऐसी आदत थी कि आईएएस से सेवानिवृत्त होकर भी चुनाव जीतने के बाद बतौर विधायक लोगों की वैसी ही सेवा कर रहे हैं, जैसी पैंतीस साल की नौकरी के दौरान की थी। प्रदेश प्रशासनिक सेवा में आने से पहले उन्होंने अपना करियर बतौर टेलीफोन ऑपरेटर शुरू किया था। पचास साल बाद भी आज तक वह अपनी 'हैलो...हैलो...' कहने की आदत नहीं छोड़ पाए हैं। दूसरे सज्जन अपने पिता की सेवा काल के दौरान मृत्यु की वजह से करुणामूलक आधार पर पुलिस महकमे में थानेदार हुए थे। सारी उम्र अपनी थानेदारी की आदत के कारण अठतीस साल की नौकरी में केवल दो प्रमोशन ही पा सके। एसपी बनने के बावजूद लोगों से किसी थानेदार की तरह ही पेश आते रहे। एक बार पुलिस मैदान में उनकी अनुमति से आयोजित विश्व पुस्तक मेले के दौरान एक प्रकाशक द्वारा उन्हें घास न डालने की वजह से वे इतने नाराज हो गए कि दूसरे दिन ही दो हफ्ते तक चलने वाले मेले को चलता कर दिया। एक अन्य घटना में उन्होंने अपने एसपी के कार्यकाल के दौरान आयोजित अखिल भारतीय पुलिस खेलों के दौरान फाइनल में अपनी टीम को हारता हुआ देखकर, विरोधी टीम के कप्तान की कुटाई कर दी और मैच जीत लिया। यहां तक होता तो भी ठीक था। वह सारी उम्र दूसरे विभागों के अधिकारियों को अपनी थानेदारी का रौब दिखाते रहे। उनका तकिया कलाम था, 'तुम मुझे अच्छे से जानते नहीं हो। मैं बंदों को कहीं भी ठीक कर देता हूं।' एक तो करेला दूजे नीम चढ़ा। इसलिए लोग उनसे एक निश्चित दूरी बनाए रखते थे। पर सेवानिवृत्ति के बाद भी उनकी थानेदारी की आदत गई नहीं है। आज भी जहां भीड़ देखते हैं, लाइन बनवाना शुरू कर देते हैं। आर्यावर्त की सामूहिक आदतों में लोगों का भीड़ होना सतयुग से लेकर आज तक बराबर बना हुआ है। चेतना का मंत्र जपने वाले देश में एक हांके की जरूरत होती है कि 'संतोषी मां' जैसी सी ग्रेड धार्मिक फिल्म सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ देती है या मूर्तियां दूध पीना शुरू कर देती हैं। सारी उम्र पाप करने के बाद भी एक गंगा स्नान आदमी को पवित्र कर देता है या गंगा में अस्थियां प्रवाहित होते ही मृतक की आत्मा मोक्ष प्राप्त कर लेती है। रामनवमी के जुलूस में दूसरे धर्म के लोगों पर हिंसा या ताजिए के दौरान छाती पीटना या अपने को घायल करना धार्मिकता के परिचायक हैं। भगवान पर भरोसा करने वाला देश चुनावों के दौरान यह तो पूछना शुरू कर देता है कि प्रधान सेवक बनाम चौकीदार का विकल्प क्या है? पर कभी अपनी चेतना या सजगता पर भरोसा करते हुए ईमानदार, परिश्रमी और कत्र्तव्यनिष्ठ उम्मीदवार का चुनाव नहीं करता। लेकिन जब कोरोना काल में तालियां-थालियां बजने लगती हैं तो नाना पाटेकर के 'क्रांतिवीर' के इस डायलॉग की जरूरत भी नहीं पड़ती कि एक मच्छर आदमी को हिजड़ा बना देता है।

प्रदेश प्रशासनिक सेवा में आने से पहले उन्होंने अपना करियर बतौर टेलीफोन ऑपरेटर शुरू किया था। पचास साल बाद भी आज तक वह अपनी 'हैलो...हैलो...' कहने की आदत नहीं छोड़ पाए हैं। दूसरे सज्जन अपने पिता की सेवा काल के दौरान मृत्यु की वजह से करुणामूलक आधार पर पुलिस महकमे में थानेदार हुए थे। सारी उम्र अपनी थानेदारी की आदत के कारण अठतीस साल की नौकरी में केवल दो प्रमोशन ही पा सके। एसपी बनने के बावजूद लोगों से किसी थानेदार की तरह ही पेश आते रहे। एक बार पुलिस मैदान में उनकी अनुमति सडे आयोजित विश्व पुस्तक मेले के दौरान एक प्रकाशक द्वारा उन्हें घास न डालने की वजह से वे इतने नाराज हो गए कि दूसरे दिन ही दो हफ्ते तक चलने वाले मेले को चलता कर दिया।

नागरिक बोध

सचिन पायलट की जनसंघर्ष यात्रा युवाओ के भविष्य और भ्रष्टाचार के खिलाफ

सचिन पायलट ने जनसंघर्ष यात्रा की समाप्ति पर कहा कि यह यात्रा किसी के खिलाफ नही है। युवाओ के भविष्य के लिए और राजस्थान में करप्शन को खत्म करने के लिए हम सड़कों पर उतरे है। राजस्थान में सचिन खेमे के विधायकों ने जनसंघर्ष यात्रा में साथ चले। दरअसल, विधायक विकेंद्रीकरण की बात पर जोर दे रहे है। कांग्रेस सरकार के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले सचिन पायलट यू कहते सुने है कि यह सरकार के खिलाफ नही है।लेंकिन सचिन खेमे के विधायकों ने अपने ही सरकार पर करप्शन का आरोप लगाकर सीएम को कठघरे में लाकर खड़ा कर दिया है। कांग्रेस के लिए यह लड़ाई विधानसभा चुनाव में व्यवधान पैदा करने वाली है। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच कड़वाहट को कम करके चुनावी मौसम में दोनों नेताओं को कैम्पेन के लिए तैयार करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन अशोक गहलोत ने नालायक और निकम्मे शब्दो से सचिन पर प्रहार किया था। वो इसलिए कि सचिन ने अपनी ही सरकार के खिलाफ षड्यंत्र कर सरकार गिराने के लिए भरपूर प्रयास किया गया था।2020 से सचिन और अशोक गहलोत के बीच खाई परिलक्षित हुई है। अब इसको पाटा नही जा सकता है। सचिन खेमे के 13 विधायकों ने सभा मे उपस्थिति दर्ज कराई। छाती पर मूंग दलने वाले विधायको को गहलोत गले लगा सकते है? पायलट को सीएम बनाने की गुहार लगाने वाले विधायको की मांग को अशोक गहलोत स्वीकार करना नही चाहते है। इस वर्ष विधानसभा के चुनाव होने है। गहलोत ने कहा है कि रिपीट थ्योरी पर सरकार लाने वाले मेहनतकश सीएम की जरूरत है। शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पर करप्शन के आरोप लगाकर अपनी पार्टी कांग्रेस के मंत्रियों पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों लगाए है। जांच कराने का आह्वान किया।सभा मे अनेक तर्क वितर्क से अशोक गहलोत पर निशाना साधने वाले विधायको ने अशोक गहलोत को हाथताली देने के मूड में दिखाई दे रहे है। सचिन की लड़ाई युवाओ की और भ्रष्टाचार की नही है। उनको राजस्थान की सत्ता पर काबिज होना है।सचिन चाहते है कि इस तरह के उपद्रव कर गहलोत को कुर्सी देने के लिए मजबूर कर दूंगा। मख्खी की तरह निकाल कर बाहर फेंकने वाले अशोक गहलोत के हिमत की दाद दी जानी चाहिए। इतने लंबे समय तक अशोक गहलोत ने एकेला चलो की तर्ज पर राजस्थान में जनकल्याणकारी योजनाओ की घोषणा कर सरकार को रिपीट लाने के सभी प्रयास किए गए। सचिन को इन सब बातों से गहलोत ने दूर रखा,तब सचिन ने राजनैतिक जमीन खिसकती देख अनशन और जनसंघर्ष यात्रा से सरकार का ध्यान खींचने की कोशिश की गई। लेकिन उसके बाद भी अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया नही आने पर सचिन का मानस डगमगाने लगा और उन्होंने तत्काल जनसंघर्ष यात्रा को किसी के खिलाफ नही बताया।हेमराज चौधरी जो कि कैबिनेट मंत्री है।

म्यांमार में बंदरगाह निर्माण पूरा कर भारत ने दी है चीन को कड़ी चुनौती

यंगून ।
म्यांमार में चीन के बढ़ते जा रहे प्रभाव को अब कड़ी चुनौती मिली है। भारत के सहयोग से बना एक बंदरगाह यहां चालू हो गया है। समझा जाता है कि इस बंदरगाह से म्यांमार के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में बढ़ोतरी होगी। यह बंदरगाह म्यांमार के रखाइन प्रांत में बना है। सित्तवे पोर्ट नामक इस बंदरगाह पर पिछले पहला कार्गो (मालवाही) जहाज पहुंचा। यह जहाज कोलकाता से चला था। जहाज के स्वागत के लिए उस मौके पर वहं भारत और म्यांमार के सैन्य अधिकारी मौजूद थे।

सित्तवे पोर्ट भारत के मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट का हिस्सा है। इस प्रोजेक्ट के तहत कोलकाता से म्यांमार के पश्चिमी तट तक समुद्री रास्ता तैयार किया गया है। उस जगह से जमीनी मार्ग से म्यांमार के अलग-अलग हिस्सों में माल पहुंचाने के रास्ते तैयार किए जा रहे हैं। इनमें एक रास्ता कलादान नदी के जरिए जाएगा, जबकि एक हाईवे भी बन रहा है। भारत के जहाजरानी मंत्री सर्वोनंद सोनेवाल ने कहा है कि इस समुद्री मार्ग के तैयार होने से भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का दक्षिण-पूर्व एशिया से सीधा संपर्क बन गया है। कलादन परियोजना के निर्माण के लिए भारत और म्यांमार के बीच 2008 में समझौता हुआ था। तब इस पर साढ़े 48 करोड़ डॉलर खर्च होने का अनुमान लगाया गया था। बंदरगाह के उद्घाटन के मौके पर भारत के अधिकारियों ने आशा जताई कि इससे देश के उत्तर-पूर्वी इलाके का हिंद महासागर से संपर्क बनेगा और उससे उस पूरे क्षेत्र के आर्थिक विकास का रास्ता खुलेगा। विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि चीन भी म्यांमार के रास्ते हिंद महासागर तक अपनी पहुंच बनाने में जुटा हुआ है। चीन के विदेश मंत्री चिन गांग ने इस महीने के पहले हफ्ते में म्यांमार का दौरा किया। बीते दो मई को चिन की यहां सैनिक तानाशाह मिन आंग हलायंग से बातचीत हुई। इसके बाद चिन ने कहा कि उनका देश चीन-म्यांमार इकॉनमिक कॉरिडोर के निर्माण का कार्य अब तेज कर देगा। इस परियोजना के तहत म्यांमार में लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण होना है। इस इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिए चीन की हिंद महासागर तक पहुंच बन जाएगी। चीन ने रखाइन प्रांत के कयोकप्यू में एक बड़े बंदरगाह और औद्योगिक क्षेत्र के निर्माण की योजना बनाई है। इस लिहाज से फिलहाल भारत ने बाजी मार ली है। हालांकि कलादान ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर के तहत बनने वाले हाइवे का निर्माण कार्य धीमी गति से ही आगे बढ़ पा रहा है। इसका कारण उस क्षेत्र में म्यांमार की सेना और लोकतंत्र समर्थक गुटों के बीच चल रहा गृह युद्ध है, जहां इसका निर्माण होना है।

थिंक टैंक इंडियन काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स ने बीते महीने एक वर्कशॉप का आयोजन किया था। उसमें भारत के सरकारी अधिकारियों और विशेषज्ञों के अलावा म्यांमार के सैनिक शासन के अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया था। उस दौरान म्यांमार में भारत की परियोजनाओं पर काम की गति तेज करने पर विचार-विमर्श हुआ।

न्यूज ब्रीफ

देश के साथ संबंधों के लिए पाकिस्तान का मजबूत होना जरूरी,' क्यों कही अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने यह बात

वाशिंगटन । पाकिस्तान में लगातार हो रही घरेलू कलह के बीच अमेरिका ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का

समर्थन किया है। उसका कहना है कि हिंसा में बिना भाग लिए व्यक्ति को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। साथ ही उसने दोहराया कि देश के साथ संबंधों के लिए पाकिस्तान का मजबूत, स्थिर और समृद्ध होना जरूरी है। राज्य विभाग के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी को लेकर पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि लोगों को बिना हिंसा में भाग लिए खुद को अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मैंने इमरान कि गिरफ्तारी पर पिछले सप्ताह थोड़ी बात की थी। अब पाकिस्तान में चल रहे घटनाक्रम के बारे में आप पूछेंगे तो यही कहूंगा कि अमेरिका का किसी एक राजनीतिक दल या एक उम्मीदवार से कोई मतलब नहीं है। हमारा मतलब एक मजबूत, स्थिर और समृद्ध पाकिस्तान से है, जो अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि किसी भी गिरफ्तारी के लिए ऐसे व्यक्ति को उनके कानूनों के अनुसार बुनियादी मानवाधिकारों का भुगतान किया जाता है। पाकिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता के बारे में पूछे जाने पर, पटेल ने कहा कि मौजूदा स्थिती को देखकर कोई भी धारणा बनाना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि मेरे पास यहां से पेश करने के लिए कोई आकलन नहीं है। हालांकि, हम पूरी तरह से स्पष्ट है कि हमारी मीडिया और जानकारी तक पहुंच होनी चाहिए। साथ ही सरकार और पत्रकारों के बीच भी सूचना लगातार आदान-प्रदान होती रहनी चाहिए। गौरतलब है, पिछले इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से खान की गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान में अशांति फैल गई थी, जो जारी रही।

युगांडा में पुलिसकर्मी ने भारतीय बैंकर की हत्या की: चोरी की एके-47 लेकर बैंक पहुंचा, 13 राउंड फायरिंग की; 46 हजार का लोन विवाद था

युगांडा । युगांडा की राजधानी कम्पाला में 39 साल के भारतीय लेनदार की एक ऑफ ड्यूटी पुलिस वाले ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 12 मई की बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच 46 हजार रुपए के कर्ज को लेकर विवाद चल रहा था। मरने वाले का नाम उत्तम भंडारी बताया जा रहा है। वहीं, हमलावर ने हत्या के लिए चोरी की एके-47 एसॉल्ट राइफल का इस्तेमाल किया था। पूरी घटना कमरे में लगे कैमरे में कैद हुई। पुलिस ने बताया कि हमलावार ने लेनदार पर 13 राउंड फायरिंग की। 12 मई को हमलावर इवान वाबवायर की भंडारी से कर्ज के तौर पर ली गई राशि चुकाने पर बहस हो गई थी। कम्पाला के पुलिस अधिकारी पैट्रिक ओनयांगो के मुताबिक वाबवायर का आरोप है कि भंडारी ने उससे हिसाब से ज्यादा कर्ज वापस करने का कहा था। वीडियो में दोनों के बीच बहस होती दिख रही है। इसके बाद वाबवायर बंदूक से हवा में फायर करता है। इस दौरान कमरे में मौजूद लोग चीखने और भागने लगते हैं। वाबवायर लगातार भंडारी पर गोलियां चलाता रहता है। वो लोगों को बाहर निकालता है और कुछ बाद लौटता है। भंडारी के शरीर में मूवमेंट देखकर वो फिर उस पर गोलियां चलाने लगता है। इसके बाद वो कुछ कागज लेकर निकल जाता है।

न्यूजीलैंड में हॉस्टल में आग लगने से 6 की मौत: 90 फायर फाइटर्स ने 50 लोगों को रेस्क्यू किया, 20 अब भी लापता

न्यूजीलैंड । न्यूजीलैंड की राजधानी वेलिंगटन में एक चार मंजिला हॉस्टल में आग लग गई। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 20 लोग लापता हैं। हॉस्टल का नाम लोफर्स लॉज हॉस्टल है, जिसमें 92 कमरे थे। आग बुझाने के लिए 90 फायर फाइटर्स और 20 फायर ट्रकों को काम पर लगाया गया था। इन्होंने 50 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला, इनमें से 5 लोगों को हॉस्टल की छत से रेस्क्यू किया गया था। एक व्यक्ति ने तो जान बचान के लिए तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। जो बुरी तरह जख्मी हो गया। इमरजेंसी सर्विसेज के लोग अभी भी लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। इसके लिए आम नागरिकों की मदद भी मांगी गई है। अभी तक आग लगने के कारण का पता नहीं चला है, लेकिन लोकल मीडिया का कहना है कि आशंका है किसी ने आग जानबूझकर लगाई हो। प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस ने स्थिति को गंभीर बताया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना जाहिर की। वहीं, पुलिस का कहना है कि वो मरने वाले लोगों की पहचान करने में जुटे हुए हैं। हेल्थ बोर्ड के मुताबिक इस हॉस्टल में रहने वाले ज्यादातर लोग वो थे जिनका खुद का घर नहीं था। कई बुजुर्ग भी यहां रह रहे थे। जो अभी तक सदमे में हैं।

पाकिस्तान में चीफ जस्टिस से इस्तीफे की मांग

मरियम नवाज बोलीं- सुप्रीम कोर्ट ईमानदारी नहीं, इमरानदारी दिखा रहा है

इस्लामाबाद ।
पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रिहाई के खिलाफ पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट ने सुप्रीम कोर्ट के सामने धरना प्रदर्शन किया। इसकी अगुआई अलायंस चीफ मौलाना फजल-उर-रहमान ने की। पहले यह धरना बेमियादी था, देर रात इसको खत्म करने का फैसला हुआ। पीडीएम में शामिल सभी 13 पार्टियों के नेता और हजारों कार्यकर्ता इसमें शामिल हुए। इस दौरान नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज की नेता मरियम नवाज ने कहा- हमारा सुप्रीम कोर्ट और उसके चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल सिर्फ इमरान खान को इंसाफ दे रहे हैं। वो ईमानदारी नहीं, इमरानदारी दिखा रहे हैं। मौलाना ने कहा- जजों को सियासत का बहुत शौक है। मेरा चैलेंज है, वो कोर्ट से निकलें और फिर सियासत करें। देखते हैं क्या होता है।

2 घंटे में ठीक हो गया इमरान का पैर - मरियम नवाज ने इमरान पर तंज कसा। कहा- इमरान का जो पैर 6 महीने से ठीक नहीं हो रहा था, वो हमारे रेंजर्स ने 2 घंटे में ठीक कर दिया। चलना तो ठीक, खान तो अब दौड़ने भी लगा है। अगर चीफ जस्टिस उमर अता बंदियाल में जरा भी शर्म है तो वो इस्तीफा दें। जब तक वो चीफ जस्टिस हैं, तब तक मुल्क में फेयर इलेक्शन नहीं हो सकते। इमरान ने जितना नुकसान पाकिस्तान को पहुंचाया है, उतना तो दहशतगर्दों ने नहीं पहुंचाया। मरियम ने आगे कहा- खान कहता है कि पिंकी पीरनी (इमरान की पत्नी बुशरा बीबी) तो घरेलू महिला है। अगर वो घरेलू महिला है तो पर्दे के पीछे से सियासत क्यों कर रही है। जादू-टोने से मुल्क चलाने वाली के पास अरबों रुपए की जमीन कैसे आ गई।

मौलाना का इमरान समर्थकों को चैलेंज - पाकिस्तान में इमरान की गिरफ्तारी के बाद जबरदस्त हिंसा हुई थी। सरकार ने संसद में बताया कि अब तक 6 अरब रुपए के नुकसान का पता चला है। मौलाना फजल-उर-रहमान ने इस मुद्दे का जिक्र करते हुए इमरान समर्थकों को सीधी चुनौती दी। कहा- 9 मई को जिन लोगों ने मुल्क को आग के हवाले किया था, उन्हें मेरा चैलेंज है, आओ आज आमने-सामने का मुकाबला करके देख लो। मेरे साथी भी तैयार होकर आए हैं, हम यहीं बैठेंगे। मौलाना ने आगे कहा- जजों को अगर सियासत करनी है तो कोर्ट से बाहर निकलें। ये कैसा चीफ जस्टिस है कि एक 60 अरब का घोटाला करने वाले आदमी का कुर्सी से उठकर इस्तकबाल करता है। चीफ जस्टिस ने दुनिया में पाकिस्तान की नाक कटवा दी है।

इमरान बोले- समर्थक प्रदर्शन के लिए तैयार रहें - इमरान खान ने सोमवार को फिर अपने समर्थकों से प्रदर्शन के लिए तैयार रहने को कहा। खान बोले- सुप्रीम कोर्ट को दबाने की कोशिश की जा रही है। मेरी पार्टी के वर्कर्स को एक बार फिर विरोध प्रदर्शन के लिए तैयार रहना होगा। मैं जल्द ही इसके लिए तारीख का ऐलान करूंगा।

तीन अहम अपडेट - पाकिस्तान की संसद ने चीफ जस्टिस ऑफ पाकिस्तान उमर अता बंदियाल के खिलाफ रेफरेंस प्रपोजल लाने की भी मंजूरी दे दी है। इसके लिए पांच सांसदों की कमेटी बनाई गई है। ये जल्द ही प्रस्ताव तैयार करके कैबिनेट को भेजेगी। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से इमरान की गिरफ्तारी से जुड़ा बड़ा दावा किया गया है। इसके मुताबिक- सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स इमरान को लगातार राहत दे रहे हैं। लिहाजा, अब फौज ने खान को आर्मी एक्ट के तहत गिरफ्तार करने का फैसला किया है। अगर ऐसा होता है तो खान के खिलाफ केस फौजी अदालत में चलेगा। जाहिर है, सुप्रीम कोर्ट और उसके अंडर में आने वाली अदालतें इमरान की मदद नहीं कर पाएंगी। आर्मी कोर कमांडर्स की इमरजेंसी मीटिंग में आर्मी एक्ट के इस्तेमाल का फैसला किया गया। इमरान पत्नी बुशरा को लेकर लाहौर हाईकोर्ट पहुंचे। इस दौरान पति-पत्नी को सफेद चादर से घेरा गया था। हाईकोर्ट ने महज 4 मिनट की सुनवाई की और बुशरा को 23 मई तक अल कादिर ट्रस्ट स्कैम में प्रोटेक्टिव बेल दे दी। पाकिस्तान में सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ विरोध प्रदर्शन 26 साल बाद हुआ। नवंबर 1997 में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट पर हमला किया था। तब तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के खिलाफ एक मामले की सुनवाई चल रही थी।

विदेश मंत्री तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में ब्रसेल्स पहुंचे, बेल्जियम के पीएम को दी बधाई

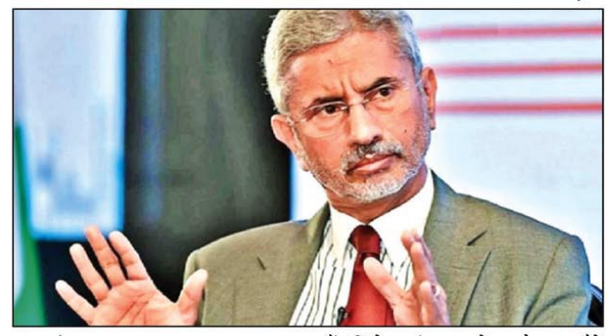

लंदन ।
विदेश मंत्री एस जयशंकर बांग्लादेश, स्वीडन और बेल्जियम की अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में ब्रसेल्स पहुंचे। यहां उन्होंने बेल्जियम के प्रधानमंत्री एलेक्जेंडर डी क्रू से मुलाकात की।

जयशंकर ने कहा कि उन्होंने बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से डी क्रू को व्यक्तिगत बधाई दी। बैठक में वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कौशल विकास और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद थे। जयशंकर स्वीडन के तीन दिवसीय दौरे के बाद बेल्जियम पहुंचे। यहां उन्होंने व्यापार और प्रौद्योगिकी सहित बढ़ते द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा की। जयशंकर होने वाली भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की पहली बैठक में हिस्सा लेने के लिए ब्रसेल्स गए हैं। जयशंकर बांग्लादेश, स्वीडन और बेल्जियम की छह दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए थे। अपनी इस यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर द्विपक्षीय और बहुपक्षीय ढांचे के तहत तीनों देशों के साथ भारत के जुड़ाव को और मजबूत करने के तरीकों पर वार्ता कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने उनके इस दौरे के बारे में जानकारी दी थी। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, अपनी यात्रा के पहले चरण में जयशंकर 11 और 12 मई को ढाका पहुंचे थे। 13 से 15 मई तक स्वीडन पहुंचे। तीन देशों की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में वे बेल्जियम पहुंचे। जहां वे दो दिन 15 और 16 मई तक रहेंगे। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार का विरोध करने वालों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जो लोग पुरानी व्यवस्था के लाभार्थी हैं, वे उसमें बदलाव का विरोध कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि यह उनके विशेषाधिकार को कमजोर कर देगा। जयशंकर यूरोपीय संघ (ईयू) हिंद-प्रशांत मंत्रिस्तरीय मंच में शामिल होने के लिए स्वीडन के तीन दिनी दौरे पर हैं। उन्होंने भारतीय समुदाय से भारत में हो रहे बदलाव का जिक्र किया। भारत के सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बनने की संभावना पर उन्होंने कहा कि प्रत्येक गुजरते साल के साथ संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता सवालों के घेरे में आ रही है और अच्छे के लिए इसमें सुधार किया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र को 1940 के दशक में बनाया गया था और भारत चार्टर का मूल हस्ताक्षरकर्ता था, लेकिन भारत उस वक्त स्वतंत्र देश नहीं था।

20 शहरों में शादी व बच्चों के लिए लुभाएगी चीनी सरकार, आबादी बढ़ाने को लॉन्च किया नया युग

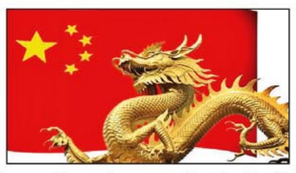

हांगकांग ।
अपने देश में लगातार घट रही आबादी को बढ़ाने के लिए चीन एक अनोखी स्कीम लाया है। इसके तहत सरकार बीजिंग के 20 से अधिक शहरों में युवाओं को जल्दी शादी-बच्चों के लिए लुभाने का प्रयास करेगी। हाल ही में सरकार की ओर से युवाओं के लिए 'नया युग' नामक प्रोजेक्ट लॉन्च किया गया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन का परिवार नियोजन संघ, जो सरकार की जनसंख्या और प्रजनन उपायों को लागू करता है। इसमें महिलाओं को शादी करने और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। योजना का उद्देश्य शादी को बढ़ावा देना, सही उम्र में बच्चे पैदा करना, बच्चों के पालन-पोषण की जिम्मेदारियों को साझा करने के लिए माता-पिता को प्रोत्साहित करना और दुल्हन की कीमतों और अन्य पुराने रीति-रिवाजों पर अंकुश लगाना परियोजनाओं का उद्देश्य है। इस पायलट प्रोजेक्ट में हेबेई प्रांत में मैन्युफैक्चरिंग हब ग्वांगझू और हान्डान शहरों को शामिल किया गया हैं। जनसंख्या में तेजी से गिरावट और बढ़ती उम्र से चीन की चिंता बढ़ गई है। इसी को देखते हुए सरकार के राजनीतिक सलाहकारों ने मार्च में एक प्रस्ताव पारित किया था। इसके मुताबिक देश की प्रजनन दर को बढ़ावा देने के लिए एकल और अविवाहित महिलाओं की एग फ्रीजिंग और आईवीएफ उपचार तक पहुंच होनी चाहिए। कई महिलाएं बच्चे की देखभाल का खर्च, कॅरियर और लैंगिक भेदभाव के कारण अभी भी बच्चे पैदा करने से डर रही है। डेमोग्राफर हे याफू ने बताया कि नई योजना के तहत हम कई पुरानी योजनाएं जैसे एक बच्चा एक नीति को बंद करना चाहते हैं। अब समाज को शादी और बच्चे के जन्म की अवधारणा पर युवा लोगों को अधिक मार्गदर्शन करने की जरूरत है। लोगों को बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करने के लिए चीन हमेशा से नई-नई परियोजना लाता रहा है।

मंडाविया बोले- फार्मास्युटिकल हब के रूप में भारत को मिली मान्यता, हेल्थ क्षेत्र में निभा रहा अहम भूमिका

टोक्यो ।
केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा कि वैश्विक फार्मास्युटिकल हब के रूप में भारत मान्यता प्राप्त है। इसका उद्योग सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं के भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता के रूप में सेवा करके दुनियाभर में स्वास्थ्य परिणामों को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, टोक्यो में भारतीय दूतावास में जापानी फार्मा कंपनियों के प्रतिनिधियों और जापान फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (जेपीएमए) के सदस्यों के साथ बातचीत के दौरान केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने यह बात कही। इस दौरान जेपीएमए के महानिदेशक जुनिची शिराइस और प्रबंध निदेशक डॉ सचिको नाकागावा भी मौजूद रहे। । मंडाविया ने कहा भारत ने वैश्विक वैक्सीन आपूर्ति का लगभग 60 प्रतिशत और जेनेरिक निर्यात का 20-22 प्रतिशत प्रदान करके वैश्विक पहुंच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारत ने लगभग 185 देशों को वैक्सीन की आपूर्ति की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भारतीय दवा उद्योग ने मुख्य रूप से जेनेरिक दवाओं के निर्माण, थोक दवाओं के निर्यात और सक्रिय दवा सामग्री की आपूर्ति पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने कहा, भारतीय दवा उद्योग में तीन हजार दवा कंपनियों और 10,500 विनिर्माण इकाइयों का नेटवर्क शामिल है। इसके 2030 तक 130 बिलियन अमरीकी डॉलर के मूल्य तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि फार्मास्युटिकल निर्माण के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए तीन बल्क ड्रग पार्क आ रहे हैं। फार्मास्युटिकल क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने छह राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल शिक्षा और अनुसंधान संस्थान स्थापित किए हैं। भारतीय बाजार में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने के लिए जापानी कंपनियों को प्रोत्साहित करते हुए मंडाविया ने कहा कि भारत में दवा उद्योग विदेशी कंपनियों से बहुत अधिक निवेश आकर्षित कर रहा है और भागीदारी एवं सहयोग देख रहा है।

अमेरिका के पास 1419 डिप्लॉएड परमाणु हथियार

न्यू स्टार्ट ट्रीटी के तहत किया खुलासा, रूस से कहा- अपने न्यूक्लिअर हथियारों की भी जानकारी दें

वाशिंगटन ।
अमेरिका ने अपने परमाणु हथियारों की जानकारी सार्वजनिक की है। वहां के स्टेट डिपार्टमेंट ने बताया कि उनके पास कुल 1419 डिप्लॉएड परमाणु हथियार हैं। ये जानकारी अमेरिका की रूस के साथ 2011 में हुई न्यू स्टार्ट ट्रीटी के तहत दी गई है। हालांकि, रूस ने यूक्रेन जंग का एक साल पूरा होने पर इस समझौते को सस्पेंड किया था। पुतिन ने अमेरिका पर आरोप लगाया था कि वो इस जानकारी का गलत इस्तेमाल कर रहा है। वहीं, अमेरिका अब रूस पर परमाणु हथियारों की जानकारी देने का दबाव बना रहा है।

रूस पर जानकारी छिपाने के आरोप

अमेरिका ने रूस पर आरोप लगाया है कि वो अपने परमाणु हथियारों की जानकारी छिपा रहा है। जो ट्रीटी का उल्लंघन है। वहीं, अमेरिका की दी गई जानकारी से सामने आया है कि उसके पास 662 इंटरकॉन्टिनेंटल, सबमरीन बैलिस्टिक मिसाइल और हैवी बॉम्बर्स हैं।

जो पिछले साल के मुकाबले घटे हैं। पिछले साल तक अमेरिका के पास 686 ऐसी मिसाइल थीं, जबकि रूस के पास 2022 में 526 इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल थी। न्यू स्टार्ट ट्रीटी के मुताबिक इनकी संख्या 700 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए।

अमेरिका के परमाणु हथियारों की संख्या भी घटी

अमेरिका के पास 1419 डिप्लॉएड परमाणु हथियार हैं। जो पिछले साल के मुकाबले घटे हैं। न्यू स्टार्ट ट्रीटी के तहत अमेरिका ने पिछले साल 1515 परमाणु हथियार होने की जानकारी दी थी। जबकि रूस के पास पिछले साल तक 1474 डिप्लॉएड परमाणु हथियार थे। ट्रीटी के मुताबिक इनकी संख्या 1550 से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। मार्च में रूस ने ऐलान किया था कि वो न्यू स्टार्ट ट्रीटी के तहत अमेरिका को अपने परमाणु हथियारों की जानकारी नहीं देंगे। इसके जवाब में अमेरिका ने भी जानकारी देने से इनकार कर दिया था।

क्या है न्यू स्टार्ट ट्रीटी

5 फरवरी 2011 को रूस और अमेरिका के बीच न्यू स्टार्ट ट्रीटी को लागू की गई थी। ट्रीटी का मकसद दोनों देशों में परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करना था। दोनों देशों ने तय किया था कि वो अपने पास 1550 से ज्यादा परमाणु हथियार और 700 से ज्यादा स्ट्रैटेजिक लॉन्चर नहीं रखेंगे। इसकी अवधि दस साल यानी साल 2021 तक थी। बाद में इसे 5 साल बढ़ाकर 2026 तक कर दिया गया था।

इसके मायने क्या हैं

बातचीत में नाटो के सेक्रेटरी जनरल जेन्स स्टोलेनबर्ग ने पुतिन के फैसले पर कहा- इससे तो एटमी हथियारों पर कंट्रोल का पूरा सिस्टम ही तबाह हो जाएगा। रूस को फैसले पर फिर विचार करना चाहिए। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के मुताबिक- इस फैसले में कुछ नया नहीं है, क्योंकि रूस पहले ही इस करार का पालन नहीं कर रहा था। हमने जनवरी में ही इस बारे में जानकारी दे दी थी। रूस ने अमेरिकी टीम को अपनी न्यूक्लियर साइट्स के इन्सपेक्शन से रोक दिया था। वैसे, पुतिन ने एक रास्ता खुला रखा है। खुद पुतिन ने कहा- हम एटमी ट्रीटी को छोड़ नहीं रहे हैं, फिलहाल इसे सस्पेंड किया गया है। अभी इस बारे में विचार किया जाना है। नाटो, फ्रांस और ब्रिटेन के पास तो काफी बड़ा एटमी जखीरा है।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने जम्मू के रोजगार मेले में 101 अभ्यर्थियों को बांटे नियुक्ति-पत्र

जम्मू (हिंस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री कैलाश चौधरी ने मंगलवार को यहां कन्वेंशन सेंटर में आयोजित रोजगार मेले के दौरान विभिन्न विभागों और मंत्रालयों में भर्ती के लिए चयनित किए गए 101 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के बेरोजगार युवाओं को 10 लाख नौकरियां देने के लिए 5वां रोजगार मेला आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने विस्तार से बताया कि पूरे देश में आयोजित इस तरह के 45 आयोजनों में जम्मू-कश्मीर के 101 सहित 71 हजार से अधिक सफल अभ्यर्थियों को नौकरी में नियुक्त के लिए पत्र सौंपे। उन्होंने उम्मीदवारों से अमृतकाल के दौरान राष्ट्र की सेवा करने और समर्पण और ईमानदारी के साथ काम करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में 1 लाख से अधिक स्टार्टअप स्थापित करने की सुविधा प्रदान की है और पात्र अभ्यर्थियों को कई कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान किए हैं। उन्होंने युवाओं से भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने में मदद करने का भी आह्वान किया।

अपनी ही सरकार से जवाब मांग रहे पायलट पर गहलोत खेमे ने शुरू किए जुबानी प्रहार

जयपुर (हिंस)। राजस्थान की कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच चल रही तकरार ने दोनों खेमों के बीच खींचतना बढ़ा दी है। सचिन पायलट ने जयपुर में जनसभा करके तीन मुद्दों को उठाया है और उन मुद्दों पर काम नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। पायलट के इस कदम के बाद गहलोत समर्थकों ने पायलट पर जुबानी हमला शुरू कर दिया है। जलदाय मंत्री महेश जोशी ने ट्वीट करके पायलट पर पलटवार किया। जोशी ने लिखा- अत्यंत आश्चर्यजनक और खेदजनक है कि कुछ जिम्मेदार लोग अपनी ही सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। अपनी ही सरकार पर आरोप लगाने से पहले उन्हें ये सोचना था कि वे ये आरोप खुद पर भी लगा रहे हैं। आरोप लगाने वालों को ये अच्छे से पता है कि जब कभी भी भ्रष्टाचार की बात सामने आई है तो मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए सशक्त चोट की है। भ्रष्टाचारियों के खिलाफ एसीबी की कार्रवाई इस बात पर प्रकाश डाल रही है कि भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा हो, एसीबी द्वारा बेहिचक और बड़ी सख्ती से कार्रवाई को अंजाम दिया गया। राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने ट्वीट किया, कांग्रेस सरकार में भ्रष्टाचार और पेपर लीक के खिलाफ ऐतिहासिक एक्शन हुए हैं। पिछली सरकार के गलत फैसलों के खिलाफ राज्य सरकार हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक लड़ी और सभी मामलों का निस्तारण हुआ और कार्रवाई की गई। जाट ने आगे लिखा- वसुंधरा सरकार के समय के खनन आवंटन, बजरी खनन और ईरानी कालीन प्रकरण पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ चुका है। ललित मोदी का मामला ईडी के पास लंबित है। पेपर लीक में आरपीएससी सदस्य तक को जेल में डाला गया है। युवाओं के भविष्य के लिए विशेष कानून बनाया और एसटीएफ का गठन किया गया है। करीब पौने दो लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी दी गई है। एसीबी ने रिकॉर्ड कार्रवाई की और भ्रष्टाचारियों को जेल में डाला है। मंत्री सुभाष गर्ग ने नाम लिए बिना पायलट खेमे पर निशाना साधा। गर्ग ने ट्वीट किया, ये बात आलाकमान जानता है या नहीं कि सरकार रिपीट न हो इस बात की सुपारी किस-किस ने ली है? प्रदेश में बजट व महंगाई राहत कैम्प अभियान के बाद जो माहौल बना है वो सुपारी लेने वालों के गले नहीं उतर रहा है। डीडवाना से विधायक चेतन डूडी ने पायलट पर युवाओं को भ्रमित करने का आरोप लगाया। डूडी ने कहा- पायलट के तीनों मुद्दे समझ से परे, युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं। चेतन डूडी ने पायलट पर इशारों में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिलीभगत का आरोप लगाया। चेतन डूडी ने ट्वीट किया- राजस्थान में सबसे बड़ा संजीवनी घोटाला है, इसमें लाखों लोगों के घर लुट गए। रैली में संजीवनी घोटाले के प्रमुख आरोपी का नाम भी नहीं लिया और रैली के बाद प्रमुख आरोपी ने पायलट साहब की तारीफ में ट्वीट किया। यही आज की रैली की सच्चाई है, क्योंकि दोस्ती तो मानेसर के समय से ही है। चेतन डूडी ने लिखा- सचिन पायलट ने जिन तीन मुद्दों को उठाया वो अव्यवहारिक और समझ से परे हैं। क्या आपको पता नहीं कि आरपीएससी स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। जो कभी भी भंग नहीं की जा सकती? आरपीएससी सदस्य का तो इस्तीफा भी राष्ट्रपति द्वारा मंजूर किया जाता है। आप क्यों युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं? डूडी ने आगे लिखा- पायलट साहब बताएं कि वसुंधरा सरकार के कौनसे मामले अब भी पेंडिंग हैं, जिनकी वो जांच करवाना चाह रहे हैं। क्योंकि सरकार आते ही सबसे पहले हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट से इन मामलों का निस्तारण हो चुका है। सभी खानें भी निरस्त हो चुकी हैं। राजस्थान में पेपर लीक पर 150 से ज्यादा लोगों को जेल में डाला गया है। पेपर लीक पर विशेष कानून और एसटीएफ बनाई गई है। यहां प्रतियोगी परीक्षा ना हो पाने पर एग्जाम फीस वापस हुई है। अब सरकारी भर्तियों में वन टाइम रजिस्ट्रेशन लागू किया है। इसके बाद परीक्षाओं की कोई फीस नहीं ली जाएगी। डूडी ने लिखा कि, पेपर लीक पर मुआवजा देने की मांग सिर्फ अपनी झूठी वाहवाही के लिए है, क्योंकि ऐसा किसी राज्य में नहीं होता। आज तक इतिहास में किसी नेता ने ऐसी मांग नहीं की। जितनी कड़ी कार्रवाइयां पेपर लीक पर राजस्थान में हुई है, वो दूसरे किसी राज्य में नहीं हुई है। ये युवा अच्छे से जानते हैं।

अंबाला छावनी में 13 करोड़ से सुधरेंगी 16 सड़कें : विज

अंबाला (हिंस)। हरियाणा के गृह एवं स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के प्रयासों से अंबाला छावनी विधानसभा क्षेत्र की 16 प्रमुख सड़कें 13 करोड़ रुपए की लागत से चकाचक की जाएंगी। गृह मंत्री अनिल विज ने बताया कि सदर क्षेत्र में आउटर लार्जर रोड, विभिन्न क्रास रोड, हिल रोड सहित, शास्त्री कालोनी एवं अन्य सड़कों के लिए 13 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी गई है। विज ने मंगलवार को बताया कि नगर परिषद इन सड़कों का निर्माण कराएगी। उन्होंने नगर परिषद अधिकारियों को इन सड़कों के जल्द टेंडर लगाने के निर्देश दिए ताकि निर्माण कार्य आरंभ किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि सड़कों को गुणवत्तापूर्वक बनाया जाए और निर्माण कार्य की निगरानी की जाए। इन सड़कों का निर्माण होने से लाखों वाहन चालकों को फायदा मिलेगा। सड़कों के निर्माण के लिए गृह मंत्री अनिल विज ने पूर्व में नगर परिषद अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए थे और अब निर्माण कार्य के लिए यह राशि रिलीज भी हो चुकी है। क्रास रोड जीरो से क्रास रोड नंबर चार हरगोलाल फैक्टरी तक सड़क के निर्माण पर 1.03 करोड़ रुपए की लागत आएगी। इसी तरह 1.45 करोड़ से हिल रोड पर क्रास रोड जीरो से क्रास रोड 6 तक, 1.03 करोड़ की लागत से नांदरा अस्पताल से खुशहाल हैंडलूम तक क्रास रोड नंबर 4, वहीं 1.99 करोड़ रुपए की लागत से निगार सिनेमा से आउटर लार्जर रोड तक क्रास रोड नंबर 4 का निर्माण होगा। इसके तरह 41 लाख रुपए की लागत से क्रास रोड नंबर 8 से क्रास रोड नंबर 9 करतार स्वीट से अप्पू हेयर ड्रेसर तक रोड बनेगी, जबकि 1.03 करोड़ से अलग-अलग क्षेत्रों की संपर्क रोड का भी निर्माण किया जाएगा। अंबाला सदर क्षेत्र की आउटर लार्ज रोड को भी जल्द नया रूप दिया जाएगा। क्रास रोड नंबर 0 से क्रॉस रोड नंबर 12 तक रोड को 4.22 करोड़ रुपए की लागत से बनाया जाएगा। रोड की दोनों लेन का नए सिरे से निर्माण होगा।

लोकायुक्त के पास पुलिस भ्रष्टाचार के खिलाफ सर्वाधिक शिकायतें : हरिपाल वर्मा

पिछली वित्तीय वर्ष में 1640 शिकायतों में से 577 का किया गया निपटारा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के लोकायुक्त न्यायाधीश हरि पाल वर्मा ने कहा कि वर्ष 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट आज राज्यपाल को सौंप दी गई है। यह रिपोर्ट विधानसभा पटल पर चर्चा के लिए रखी जाएगी। लोकायुक्त हरि पाल वर्मा मंगलवार को यहां अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। लोकायुक्त ने कहा कि गत वर्ष के दौरान लोकायुक्त कार्यालय में आई 1640 शिकायतों में से 577 शिकायतों का निपटारा किया गया है। इन शिकायतों में अधिकांश पुलिस विभाग में भ्रष्टाचार तथा विकास एवं पंचायत विभाग में अवैध कब्जों से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की शिकायतों को डीजीपी विजिलेंस को प्रारंभिक जांच के लिए भेजा जाता है। इसके अलावा, जिस कर्मचारी के खिलाफ शिकायत आती है, उसे भी सुनवाई के लिए अवसर प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त ने पुलिस विभाग के हर कर्मचारी के लिए वार्षिक प्रॉपर्टी विवरण सुनिश्चित करने के लिए सामान्य निर्देश जारी

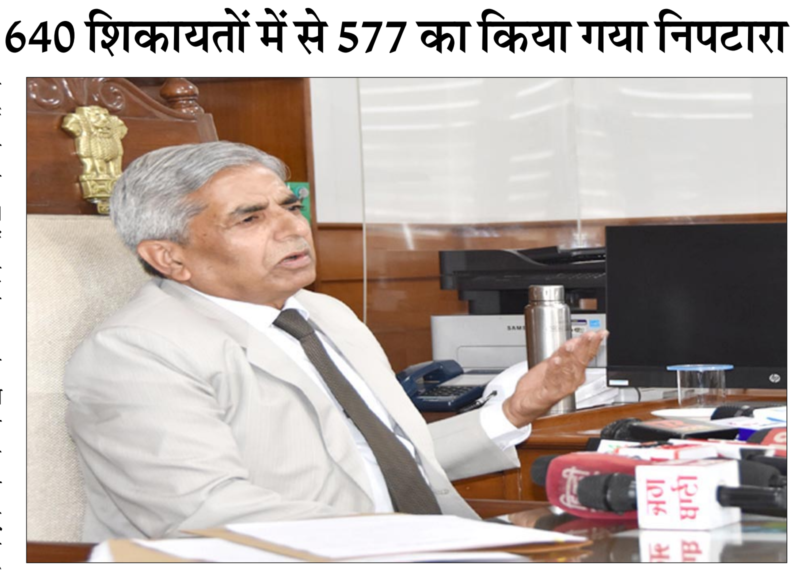

किए हैं। इसके बाद पुलिस अधीक्षकों से रिपोर्ट भी आई है। उन्होंने कहा कि विकास एवं पंचायत विभाग की शिकायतें ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध कब्जों से संबंधित होती हैं। लोकायुक्त ने कहा कि पंचकूला में लोकायुक्त भवन के लिए एचएसवीपी ने एक एकड़ भूखंड दिया गया है, जिस पर आगामी दो वर्ष में भवन बनवाया जाएगा और इसके बाद लोकायुक्त और ज्यादा बेहतर तरीके से कार्य कर सकेगा। एक प्रश्न के जवाब में लोकायुक्त ने कहा कि गत वर्ष के दौरान गुरुग्राम में एचएसवीपी की भूमि की लीज मनी तथा प्राइमरी कक्षा के लिए किताबों की खरीद बारे मामले पर भी स्वत: संज्ञान लेकर जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा कि लोकायुक्त में सबसे अधिक भिवानी, दादरी, बाढ़ड़ा जिले से शिकायतें आ रही हैं। लोकायुक्त में साधारण आवेदन पर एफिडेविट के साथ एक हजार रुपए की फीस भरकर कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है। इन शिकायतों पर लोकायुक्त द्वारा सुनवाई की जाती है। गरीब व्यक्तियों के लिए फीस में भी छूट प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि सूचना, लोक संपर्क, भाषा तथा संस्कृति विभाग के माध्यम से लोकायुक्त की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। एक अन्य जवाब में लोकायुक्त ने कहा कि शिकायतों के निर्णय के बाद समीक्षा संशोधन तथा न्यायालय की अवमानना का प्रावधान करने बारे एवं शिकायतकर्ता को शिकायत दर्ज करवाने के बाद अपनी शिकायत वापस लेने का भी अधिकार देने का अनुरोध किया गया है।

बौनों व किन्नरों की पेंशन भी ढाई सौ रुपए बढ़ाने का एलान

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने बौनों और किन्नरों का भत्ता बढ़ाकर 2,750 रुपए मासिक करने का ऐलान किया है। भत्ते की बड़ा हुई राशि 1 अप्रैल 2023 से लागू होगी। यह जानकारी हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ओम प्रकाश यादव ने मंगलवार को यहां विभाग की समीक्षा बैठक के बाद दी। उन्होंने बताया कि इन दोनों योजना के तहत भत्ता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति हरियाणा का अधिवासी होना चाहिए और उसकी आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। बौना भत्ता के लिए पुरुष का कद 3 फुट 8 इंच और महिला का कद 3 फुट 3 या इससे कम होना चाहिए। दोनों श्रेणियों के तहत भत्ता प्राप्त करने के लिए आवेदक को सिविल सर्जन से सर्टिफिकेट भी प्रस्तुत करना होगा। यादव ने बताया कि 1 अप्रैल 2023 से ही वृद्धावस्था सम्मान भत्ता, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन और लाडली सामाजिक सुरक्षा भत्ता योजना की राशि में भी बढ़ोतरी की गई है। अब यह राशि 2500 रुपए से बढ़ाकर 2750 रुपए मासिक कर दी गई है। इसके अलावा, निराश्रित बच्चों को दी जाने वाली सहायता राशि भी बढ़ाकर 1850 रुपए मासिक कर दी गई है। यह सहायता एक परिवार को अधिकतम दो बच्चों तक दी जाएगी। उन्होंने बताया कि 18 साल तक के स्कूल न जाने वाले दिव्यांग बच्चों को दी जाने वाली सहायता राशि भी बढ़ाकर 2150 रुपए की गई है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री ने बताया कि जम्मू एवं कश्मीर से विस्थापित होकर हरियाणा आने वाले कश्मीरी परिवारों की सहायता राशि बढ़ाकर 1250 रुपए प्रतिमाह प्रति सदस्य की गई है परन्तु यह राशि प्रति परिवार 6250 प्रतिमाह से अधिक नहीं होगी।

सड़क निर्माण में देरी पर राज्यमंत्री ने जनता के सामने बैठाए अधिकारी, लगाई फटकार

पिहोवा/इस्माईलाबाद। इस्माईलाबाद के बीचों-बीच गुजरने वाली सड़क निर्माण को लेकर हो रही कोताही में अब अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। मामले में सोमवार को राज्यमंत्री संदीप सिंह ने अधिकारियों से नाराजगी जताई। साथ ही उन्हें दुकानदारों के सामने बैठा दिया, जिसके बाद दुकानदारों ने अधिकारियों से सवाल-जवाब किए। दुकानदारों ने कहा कि सरकार अपना काम समय पर कर रही है, लेकिन अधिकारियों के ढीले रवैये के कारण उनका कारोबार ठप हो रहा है। पिछले लंबे समय से सड़क को उखाड़ कर छोड़ दिया गया। उसके बाद विभाग एक दूसरे पर जिम्मेदारी डाल रहे हैं। उधर, राज्यमंत्री संदीप सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही इस सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो वे मुख्यमंत्री से बात करके अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। इसके बाद ठसका मीरांजी में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए राज्य मंत्री संदीप सिंह ने ग्राम वासियों की समस्याएं सुनी। गांव की सरपंच मीना देवी द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए राज्यमंत्री संदीप सिंह ने गडरिया समाज की धर्मशाला के लिए अनुदान राशि का चेक जल्द जारी करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि गांव द्वारा जमीन उपलब्ध कराए जाने पर पंचायत भवन का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा एक करोड़ 58 लाख रुपए की लागत से ठसका से जलबेहड़ा सड़क का टेंडर जारी हो चुका है, जिसका कार्य जून माह से शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि गांव में अंबेडकर भवन के लिए 17 लाख रुपए जारी हो चुके हैं और कम्यूनिटी सेंटर के लिए भी 20 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है। इसके अलावा उन्होंने ढाई लाख रुपए की घोषणा गुरु रविदास सभा के लिए की। इस मौके पर ग्रामीणों की तरफ से राज्यमंत्री का जोरदार अभिनंदन किया गया। इसके बाद राज्य मंत्री ने गांव स्योंसर में संदीप मोर सरपंच और हेलवा में कर्मबीर सरपंच और गांव अरुणय में सोमा राम की ओर से आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर ग्राम वासियों की समस्याएं सुनी।

तीन दिन में व्यवस्था नहीं सुधरी तो विद्युत कार्यालय में नहीं बैठने देंगे अधिकारियों को

झालावाड़ (हिंस)। अघोषित बिजली कटौती को लेकर व्यापार महासंघ झालावाड़ और भाजपा ने दो पहिया वाहन रैली निकालकर जयपुर डिस्कॉम कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। इस दौरान अपनी मांगों से एसई को अवगत कराया। इससे पहले कार्यकर्ता, व्यापारी सांसद कार्यालय एकत्रित हुए यहां से दो पहिया वाहन रैली के माध्यम से नेशनल हाईवे होते हुए विभिन्न मार्गों से रैली निकाली और डिस्कॉम कार्यालय पहुंचे। उन्होंने गहलोत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसके बाद एसई कक्ष में पहुंचकर यहां भी करीब 20 मिनट तक विद्युत अधिकारियों को खरी-खोटी सुनाई। अघोषित बिजली कटौती, फ्यूल चार्ज सहित अन्य कई तरीके से आम उपभोक्ताओं को परेशान करने का आरोप लगाते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष संजय जैन ने कहा कि राजस्थान सरकार एक तरफ कह रही है 100 यूनिट माफ करेंगे, महंगाई राहत शिविर लगाएंगे लेकिन बिजली विभाग उपभोक्ताओं का खून चूस रहा है। मार्च में बिल फ्यूल चार्ज 30 रुपए आता था वह आज 1200 रुपए आ रहा है। पानी सप्लाई के समय बिजली कटौती करने से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही हैं। मनमर्जी से कटौती के बावजूद भारी-भरकम बिल देकर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा है। थोड़ी सी हवा चलने पर ही घंटो तक बिजली बंद हो जाती है। प्रदेश की सरकार आम उपभोक्ताओं को फ्री की घोषणाओं से केवल परेशान कर रही है। इसके बाद एक ज्ञापन राजस्थान के राज्यपाल के नाम सौंपा। भाजपा जिलाध्यक्ष संजय जैन ने प्रदर्शन के दौरान बताया कि बिजली अधिकारियों को अघोषित बिजली कटौती समाप्त करने के लिए तीन दिन का समय दिया गया है। अगर इसके बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो इन अधिकारियों को कार्यालयों में बैठने नहीं देंगे। जरूरत पड़ी तो अधिकारियों को काला मुंह भी किया जाएगा।

महंगाई राहत शिविर राजनीतिक शिगूफा : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राजस्थान सरकार के महंगाई राहत शिविरों को राजनीतिक शिगूफा बताया। उन्होंने कहा कि जनता की जेब से निकाला हुआ पैसा उन्हें देकर राहत शिविरों के नाम पर ठगने का काम राजस्थान सरकार कर रही है। मंगलवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में शेखावत ने कहा कि वर्तमान की राजस्थान सरकार भ्रष्टतम है और आकंठ भ्रष्टाचार में डूबी हुई है। निरंतर पिछले 4 साल से हमने इस विषय को सड़क से लेकर सदन में बार-बार उठाया है। जनाक्रोश यात्राओं और महाघेराव के माध्यम से सरकार के भ्रष्टाचार को जनता के सामने लाने का काम किया है, लेकिन अब तो इंतहां हो गई। शायद देश की राजनीति में पहली बार होगा। प्रदेश की सरकार के मंत्री ही अपने मंत्रिमंडल के साथियों के ऊपर सड़क पर और सदन में भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। मैं यह मानता हूं कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति और मजबूरी एक मुख्यमंत्री की नहीं हो सकती है कि उसके मंत्री ही उसको सड़क पर घेरने का काम कर रहे हैं। महंगाई राहत कैंपों से संबंधित सवाल पर शेखावत ने कहा कि यह केवल राजनीति शिगूफा मात्र हैं। क्या इन महंगाई राहत शिविरों में लोगों को पहली राहत प्रदान की जा रही है या देने की घोषणा की जा रही है। 12वीं

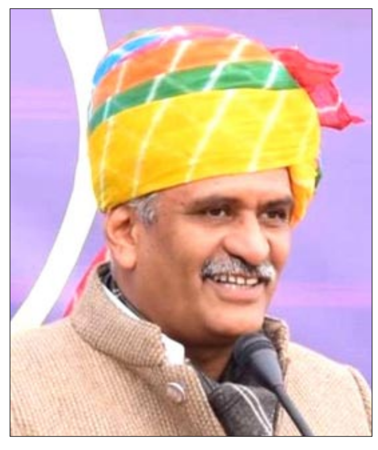

क्लास का कंप्यूटर साइंस पढ़ने वाला विद्यार्थी भी 50 से 100 यूनिट बिजली मुफ्त का बदलाव प्रोग्राम में कर सकता है तो गर्मी में लाखों लोगों को लाइन में खड़ा करके उनको गारंटी देने की आवश्यकता नहीं थी। उन्होंने कहा कि किसानों को 2000 यूनिट मुफ्त देने को भी कंप्यूटर प्रोग्राम में फिक्स किया जा सकता है, क्योंकि जिनको देना था, उनकी सूची आपके पास में है। आंकड़े गिनवाते हुए शेखावत ने कहा कि तत्कालीन भाजपा सरकार ने 850 रुपए प्रति किसान बिजली कनेक्शन पर सब्सिडी दी थी। दो साल तक इस सरकार ने उसको बंद किया और अपनी जेब में रखा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में सबसे महंगा डीजल-पेट्रोल राजस्थान में बिक रहा है। पड़ोसी राज्यों की तुलना में यहां 10 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल और 10 रुपए प्रति लीटर डीजल महंगा है। राजस्थान में हर माह 15 करोड़ लीटर पेट्रोल और 45 करोड़ लीटर डीजल बिकता है। इस लिहाज से 60 करोड़ लीटर की सेल पर सरकार 600 करोड़ रुपए प्रति माह राजस्थान की जनता की जेब से लूटने काम कर रही है। यह लूट चार साल से निरंतर जारी है। 50 महीने पर इन्होंने जितना लूटा है, वह करीबन 30 हजार करोड़ होता है। इसमें 27 हजार करोड़ रुपए सरकार ने अपनी जेब में डाला है। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि अब गैस में सब्सिडी के नाम पर 500 रुपए सिलेंडर देने की घोषणा कर रहे हैं। राजस्थान में 5 लाख 77 हजार 600 उज्जवला कनेक्शन हैं। 500 रुपए के हिसाब से प्रति माह भी सिलेंडर पर सब्सिडी देते हैं तो एक महीने की 25 करोड़ की सब्सिडी होती है। वैसे, एक सिलेंडर सामान्य परिवार में दो महीने में एक बार रिफील होता है। कुल मिलाकर 100 करोड़ तक की सब्सिडी दोगे। 27 हजार करोड़ जनता की जेब से निकाल कर 100 करोड़ रुपए राहत का ढोंग करना चाहते हो। इस तरह से राहत शिविरों के नाम पर जनता को आहत करने का कर रहे हो। शेखावत ने कहा कि मोदी जी ने 9 करोड़ घरों को पीने का पानी दिया। चार करोड़ लोगों को घर दिया। चार करोड़ लोगों के घर में बिजली पहुंचाई। 9 करोड़ लोगों को गैस का चूल्हा दिया, लेकिन करोड़ों लोगों को लाइन में खड़ा नहीं किया, क्योंकि हमने गरीब को गणेश मानकर उसकी सेवा का संकल्प लिया। शेखावत ने कहा कि गरीब आदमी को भिखारी की तरह लाइन में खड़ा करके हम दाता हैं, हम हाथ से दे रहे हैं कि इस भावना को दर्शाने के लिए उन पर अहसान थोपने के लिए, उन्हीं की जेब से निकाला हुआ पैसा उन्हें देखकर के राहत शिविर के नाम पर ठगने का काम राजस्थान की सरकार कर रही है। शेखावत ने कहा कि जल के विषय में हम तेजी से काम कर रहे हैं। देश के भूजल के पुनर्भरण के लिए पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया था, उसको आगे बढ़ा दिया है। पेयजल गुणवत्ता को जांचने के लिए हमने देश में नई व्यवस्था को लागू किया। इससे पहले देश में पानी की गुणवत्ता को जांचने का कोई भी ऑर्गेनाइज सिस्टम नहीं था। नदियों को जोड़ने की नई शुरुआत केन-बेतवा से हुई है। अब पार्वती-कालीसिंध-चंबल के पानी को जोड़कर हम कैसे राजस्थान-मध्यप्रदेश के बीच में प्रोजेक्ट कर सकते हैं, उस पर काम कर रहे हैं।

भ्रष्टाचार के आरोप में आईएएस धर्मेंद्र सिंह गिरफ्तार

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा पुलिस की एसआईटी ने फरीदाबाद नगर निगम के पूर्व अतिरिक्त आयुक्त आईएएस धर्मेंद्र सिंह को गुरुग्राम स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया। धर्मेंद्र सिंह इस समय सोनीपत नगर निगम के आयुक्त तथा दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर के पद पर थे। नई दिल्ली निवासी मैसर्स हरचंद दास गुप्ता कंस्ट्रक्शन कंपनी के मालिक ललित मित्तल ने जून 2022 में फरीदाबाद पुलिस के समक्ष 1.11 करोड़ रुपए हड़पने के आरोप में मामला दर्ज करवाया था। यह पैसे सरकारी ठेका दिलाने की एवज में पंकज गर्ग, आरबी शर्मा, जेके भाटिया द्वारा लिए गए थे। उसे फरीदाबाद नगर निगम में ठेका दिलाने की बात कही गई थी। उसके लिए आरोपियों ने अधिकारियों से सेटिंग होने का हवाला भी दिया।

जयपुर और अजमेर में रोजगार मेले आयोजित

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से राष्ट्रीय रोजगार मेले को संबोधित किया तथा विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त कर्मियों को लगभग 71 हजार नियुक्ति पत्र वितरित किए। राजस्थान में जोधपुर, जयपुर और अजमेर में रोजगार मेले आयोजित हुए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले 9 वर्षों में, सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को प्राथमिकता दी है और इसे तेज़, पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाया है। भर्ती प्रक्रिया में आने वाली कठिनाइयों को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्मचारी चयन बोर्ड, नई भर्तियों को शामिल करने में मोटे तौर पर 15-18 महीने का समय लेता था, जबकि आज इसमें केवल 6-8 महीने लगते हैं। उन्होंने रेखांकित किया कि पहले की कठिन भर्ती प्रक्रिया में आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते थे और फिर इन्हें डाक के माध्यम से जमा किया जाता था, लेकिन अब इसे ऑनलाइन प्रक्रिया के जरिये सरल बनाया गया है, जिसके लिए दस्तावेजों के स्व-सत्यापन का प्रावधान भी पेश किया गया है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि समूह *सी* और समूह *डी* के लिए साक्षात्कार भी समाप्त कर दिए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि इसका सबसे बड़ा फायदा पूरी प्रक्रिया से भाई-भतीजावाद की समाप्ति है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन 9 वर्षों के दौरान रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने नीतियों का निर्माण किया है। आधुनिक अवसंरचना के क्षेत्र में पहल हो, ग्रामीण विकास हो या जीवन की बुनियादी जरूरतों का विस्तार हो, भारत सरकार की प्रत्येक नीति युवाओं के लिए नए अवसर पैदा कर रही है। प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले 9 वर्षों में, नौकरियों की प्रकृति में अत्यधिक बदलाव देखा गया है, जहां देश के युवाओं के लिए नए क्षेत्र उभरकर सामने आए हैं। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि केंद्र सरकार इन नए क्षेत्रों को निरंतर समर्थन प्रदान कर रही है और उस स्टार्टअप क्रांति को रेखांकित किया, जिसे देश ने देखा है। उन्होंने बताया कि देश में स्टार्टअप्स की संख्या 2014 के पहले के 100 से बढ़कर आज 1 लाख से अधिक हो गई है, जिनसे 10 लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है। रोजगार मेला, देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया, जहां केंद्र सरकार के विभागों और इस पहल का समर्थन करने वाले राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए भर्तियां की गईं। राजस्थान में जोधपुर, जयपुर और अजमेर में रोजगार मेलों का आयोजन किया गया। जोधपुर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखवात रहे। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती का विशेष अभियान पारदर्शिता, ईमानदारी और समयबद्धता के साथ हो रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत व अन्य अतिथियों ने नियुक्ति पत्र वितरित किये। जोधपुर में कुल 100 नियुक्ति पत्र डाक विभाग, रेलवे, आइआइटी, बीएसएफ, केंद्रीय भूमि जल बोर्ड में नियुक्त युवाओं को वितरित किए गए। इस अवसर पर सचिन किशोर पोस्टमास्टर जनरल तथा पंकज कुमार सिंह मंडल रेल प्रबंधक, जोधपुर भी उपस्थित रहे। जयपुर में आयोजित रोजगार मेले में 230 से अधिक अभ्यर्थियों को केंद्रीय विद्युत एवं भारी उद्योग राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर द्वारा नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर जयपुर ग्रामीण सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ जयपुर सांसद रामचरण बोहरा, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी और दुष्यंतमुद्गल, उप महानिदेशक डाक प्रचालन भारतीय डाक विभाग उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि भारत को विकसित बनाने में युवाओं को अपनी महती भूमिका निभानी होगी। इस अवसर पर सफल अभ्यर्थियों से उन्होंने कहा कि उन्होंने यह मुकाम कड़ी मेहनत और परिश्रम से हासिल किया है।

गीता का एक वाक्य भी जीवन में उतार लें तो जीवन धन्य हो जाए : मनोहर लाल

करनाल में राधा जागरण में शामिल हुए मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि श्रीमद्भगवदगीता का एक वाक्य भी यदि हम अपने जीवन में उतार लें तो हमारा जीवन धन्य हो जाए। श्रीमद्भगवदगीता हमारे जीवन में परिवर्तन ला सकती है। गीता मानवता की सच्ची पथ प्रदर्शक है। गीता हमें कर्म का संदेश देती है। मुख्यमंत्री सोमवार की रात करनाल के सेक्टर-12 में आयोजित राधा जागरण में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भी मौजूद थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम स्वामी ज्ञानानंद महाराज को उनके जन्मोत्सव पर बधाई दी और दीर्घायु होने की कामना की। उन्होंने कहा कि यह भाव विभोर करने वाला क्षण है। इस संत समागम में भक्ति रस के साथ-साथ संतों का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद एक प्रकाश पुंज हैं, जो गीता के सार को जन-जन तक पहुंचाकर हम सभी का मार्गदर्शन कर रहे हैं। गीता रूपी सूर्य के प्रकाश से अज्ञान रूपी अंधकार नष्ट करने के लिए, इससे उत्तम अध्ययन कोई नहीं हो सकता। मुख्यमंत्री लाल ने कहा कि स्वामी ज्ञानानंद के जन्मोत्सव के साथ-साथ हरियाणा की 2 करोड़ 84 लाख जनसंख्या में से 15 मई को

94 हजार 558 लोगों का भी जन्मदिन है। उन्हें भी जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई। उन्होंने कहा कि जब संत महापुरुषों का जन्मोत्सव होता है तो हमें उस दिन संकल्प लेने की जरुरत होती है, ताकि जीवन में प्रगति के पथ पर आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि संत महापुरुष समाज सुधारक के रूप में काम करते हैं। स्वामीजी कुरीतियों, सामाजिक समस्याओं पर निरंतर कार्य कर रहे हैं। जेल के बंदियों तक गीता का संदेश पहुंचा रहे हैं। इसके साथ-साथ गौ माता की सेवा के लिए गौशालाएं चलाई जा रही हैं। गरीबों का नि:शुल्क पोलियो आप्रेशन, रक्तदान शिविर और अन्य सेवा के काम किए जा रहे हैं।

टेलीकॉम कंपनी में फिर होगी छंटनी: 3 साल में 11,000 एम्प्लॉइज को निकालेगी वोडाफोन, सीईओ डेला वैले ने खराब परफॉर्मेंस का हवाला दिया

नई दिल्ली।
वोडाफोन ग्रुप ने हाल ही में छंटनी की अनाउंसमेंट की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ग्रुप की नई चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मार्गेरिटा डेला वैले ने बताया है कि कंपनी के 11,000 एम्प्लॉइज की छंटनी की जाएगी। इन सभी एम्प्लॉइज को तीन साल के पीरियड में हटाया जाएगा। मार्गेरिटा डेला वैले का मानना है कि टेलीकॉम कंपनी के इस साल फ्री कैश फ्लो में 1.5 बिलियन यूरो की गिरावट के पूर्वानुमान के बाद यह बदलाव करना जरूरी है। डेला वैले को कंपनी में पिछले महीने ही परमानेंट तौर पर अपॉइंट किया गया है।

मेरी प्रायोरिटीज- कस्टमर्स, सिंपलिसिटी और ग्रोथ: डेला वैले

डेला वैले ने कहा, कंपनी की परफॉर्मेंस अच्छी नहीं रही है। मेरी प्रायोरिटीज- कस्टमर्स, सिंपलिसिटी और ग्रोथ है। हम अपनी कॉम्पिटेटिवनेस को फिर से हासिल करने के लिए कॉम्प्लेक्सिटी को दूर करते हुए अपने ऑर्गेनाइजेशन को सरल बनाएंगे।

वर्तमान में वोडाफोन में 1 लाख एम्प्लॉइज

रिपोर्ट के मुताबिक, यह कंपनी के लिए अब तक की सबसे बड़ी छंटनी होगी। वर्तमान में वोडाफोन में 1 लाख एम्प्लॉइज हैं। टेलीकॉम कंपनी ने बताया कि उसे चालू फाइनेंशियल ईयर में 3.3 बिलियन यूरो नकद जनरेट करने की उम्मीद है, जो मार्च के आखिरी में खत्म हुए पिछले फाइनेंशियल ईयर के 4.8 बिलियन यूरो से कम है।

साल की शुरुआत में 1,000 एम्प्लॉइज की छंटनी की थी

इससे पहले वोडाफोन ने इस साल की शुरुआत में इटली में 1,000 एम्प्लॉइज की छंटनी की अनाउंसमेंट की थी। जर्मनी में भी 1,300 एम्प्लॉइज की छंटनी की जा सकती है। जर्मनी वोडाफोन के लिए सबसे बड़ा मार्केट है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टेलीकॉम कंपनी का मार्केट में परफॉर्मेंस कमजोर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

एलन मस्क का टेस्ला के अधिकारियों को निर्देश- बिना मेरी इजाजत के कोई भर्ती नहीं होगी

कैलिफोर्निया । टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने कहा है कि कंपनी में अब उनकी निजी मंजूरी के बिना किसी की भी भर्ती नहीं होगी। अधिकारियों को भेजे गए एक ईमेल में मस्क ने निर्देश दिए हैं कि जिन भी लोगों को भर्ती किया जाना है, उनके नामों की लिस्ट हर हफ्ते उन्हें भेजी जाए। इतना ही नहीं अधिकारियों को भर्ती के लिए सावधानी से सोचने की भी हिदायत दी गई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, मस्क ने कहा है कि जब तक भर्ती अधिकारियों को उनकी ओर से मंजूरी का ईमेल न मिल जाए, तब तक कोई टेस्ला जॉइन नहीं कर सकता। यहां तक कि कोई कॉन्ट्रैक्टर भी नहीं। गौरतलब है कि पिछले महीने ही कंपनी ने अपना सबसे कम तिमाही मुनाफा दिखाया था। यह बाजार के अनुमान से भी कम रहा, क्योंकि टेस्ला लगातार मांग बढ़ाने के लिए अमेरिका और चीन जैसे देशों में अपनी कारों की कीमतों में कटौती कर रही है। मस्क ने पिछले हफ्ते ही एलान किया था कि वह ट्विटर का सीईओ पद छोड़ रहे हैं। मस्क ने इस पर के लिए एनबीसी यूनिवर्सल की एडवर्टाइजिंग प्रमुख लिंडा यैकैरिनो को नियुक्त किया था और कहा था कि इससे उन्हें टेस्ला पर ध्यान देने का ज्यादा समय मिलेगा। माना जा रहा है कि इसके बाद मस्क जल्द ही टेक्सास के ऑस्टिन में स्थित टेस्ला के हेडक्वार्टर में शेयरधारकों से बात कर सकते हैं।

ब्रिटेन से आयातित कारों पर खत्म हो सकता है कर, 46,200 गाड़ियों के आयात पर लागू होगा नियम

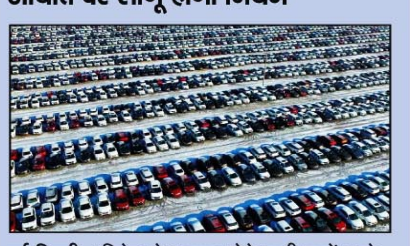

नई दिल्ली । ब्रिटेन से आयात होने वाली कारें आने वाले समय में सस्ती हो सकती हैं। भारतीय कार निर्माता कंपनियां ब्रिटेन के साथ कारोबार में सीमित संख्या में वाहनों पर आयात कर को खत्म करने पर सहमत हो गई हैं। सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने वाणिज्य मंत्रालय को इस तरह का प्रस्ताव दिया है। आयात कर में कटौती का उद्देश्य भारतीय बाजार को खोलना है। भारत अभी कार आयात पर 60 प्रतिशत और 100प्रतिशत कर लगाता है। इसे चरणबद्ध तरीके से पांच साल में घटाकर 10प्रतिशत कर दिया जाएगा। कार कंपनियां केवल अधिकतम 46,200 वाहनों के लिए ही कर घटाने पर सहमत हुई हैं। भारत में आयात कर किसी भी प्रमुख कार निर्माता देश की तुलना में दुनिया में सबसे अधिक है। पहले साल में 26,400 वाहनों और 5 साल में 46,200 पर यह लागू होगा। सियाम ने कहा, बातचीत के दौरान जरूरत पड़ी तो 10प्रतिशत को घटाकर शून्य भी किया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला बहुत कुछ नहीं कर सकता है, क्योंकि प्रस्तावित वाहनों की संख्या कम है।

डीमैट खाते अप्रैल में बढ़कर 11.60 करोड़ पहुंचे

नई दिल्ली । शेयरों को इलेक्ट्रानिक फार्मेट में रखने के लिए जरूरी करीब 15.9 लाख नए डीमैट खाते दो डिपॉजिटरीज सीडीएसएल व एनएसडीएल के पास खोले गए और कुल डीमैट खातों की संख्या अप्रैल में 11.60 करोड़ हो गई। अप्रैल में खुले नए डीमैट खाते वित्त वर्ष 23 के मासिक औसत 20.7 लाख के मुकाबले 23 फीसदी कम रहे। अप्रैल में निफ्टी में 4.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई और यह इंडेक्स अहम वैश्विक इक्विटी बाजारों के बेंचमार्क में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला रहा, जिसकी वजह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की तरफ से निवेश और जनवरी-मार्च तिमाही के उत्साहजनक नतीजे रहे। निफ्टी मिडकैप 100 में अप्रैल के दौरान 5.9 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज हुई जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 7.5 फीसदी की उछाल आई। एफपीआई ने अप्रैल में 11,631 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा कि इक्विटी में सीधे निवेश करने वाले निवेशकों की मामला अब सैचुरेशन पॉइंट में पहुंच गया है। आईपीओ की संख्या में कमी ने इस प्रवृत्ति में योगदान किया है। साल 2023 में आईपीओ के सुस्त बाजार का भी नए डीमैट खातों में बढ़ोतरी न होने में योगदान रहा क्योंकि नए इश्यू निवेशकों को बाजार की ओर आकर्षित करते हैं। अप्रैल 2023 तक महज पांच आईपीओ ही बाजार में पेश हुए हैं।

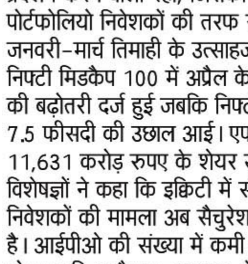

ट्रेड डेफिसिट घटकर 21 महीने के निचले स्तर पर आया

अप्रैल महीने में 15.24 बिलियन डॉलर रहा, इंपोर्ट 14.1प्रतिशत और एक्सपोर्ट 12.7प्रतिशत गिरा

नई दिल्ली।
भारत का ट्रेड डेफिसिट यानी व्यापार घाटा अप्रैल महीने में घटकर 21 महीने के निचले स्तर पर आ गया है। ट्रेड डेफिसिट के घटने के पीछे इंपोर्ट और एक्सपोर्ट दोनों में कमी को बताया जा रहा है। डोमेस्टिक डिमांड में नरमी और वस्तुओं की कीमतों में कमी के कारण इंपोर्ट बिल कम हुआ है। देश का ट्रेड डेफिसिट 15.24 बिलियन डॉलर था, जबकि टोटल इंपोर्ट 49.9 बिलियन डॉलर था।

इंपोर्ट 14.1प्रतिशत गिरकर 49.9 बिलियन डॉलर हो गया

सरकार द्वारा 15 मई को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि एक्सपोर्ट और इंपोर्ट के बीच का अंतर मार्च में 19.73 बिलियन डॉलर से गिरकर अप्रैल में 15.24 बिलियन डॉलर हो गया है। इकोनॉमिस्ट के ब्लूमबर्ग सर्वे ने 19.04 बिलियन डॉलर की व्यापार कमी का अनुमान जताया था। अप्रैल महीने में एक साल पहले के मुकाबले इंपोर्ट 14.1प्रतिशत गिरकर 49.9 बिलियन डॉलर हो गया, जबकि एक्सपोर्ट 12.7प्रतिशत गिरकर 34.66 बिलियन डॉलर रह गया है।

भारत का सर्विस एक्सपोर्ट 30.36 बिलियन डॉलर बढ़ा

हालांकि, इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस कंसल्टिंग वर्क में तेज उछाल के कारण सर्विस एक्सपोर्ट में दूसरे महीने ग्रोथ देखने को मिली है। मार्च में 27.75 बिलियन डॉलर की तुलना में अप्रैल महीने में भारत का सर्विस एक्सपोर्ट 30.36 बिलियन डॉलर बढ़ा है। यह दिसंबर 2022 में 31.09 बिलियन डॉलर के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गया था।

ओवरऑल एक्सपोर्ट्स 65.02 बिलियन डॉलर होने का अनुमान

अप्रैल-2023 में भारत का ओवरऑल एक्सपोर्ट्स (मर्चेंडाइज और सर्विसेस को मिलाकर) 65.02 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो अप्रैल 2022 की तुलना में 2प्रतिशत की ग्रोथ है। अप्रैल-2023 में ओवरऑल इंपोर्ट्स 66.40 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो अप्रैल 2022 की तुलना में 7.92प्रतिशत कम है।

इस साल अप्रैल में भारत का मर्चेंडाइज एक्सपोर्ट्स सालाना आधार पर 12.7प्रतिशत घटकर 34.66 बिलियन डॉलर रह गया। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले साल इसी महीने में दर्ज किए गए 58.06 बिलियन डॉलर के मुकाबले इंपोर्ट्स भी करीब 14प्रतिशत घटकर 49.9 बिलियन डॉलर रह गया। डायरेक्टर जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड संतोष सारंगी ने कहा कि ट्रेड के आंकड़ों में संशोधन से फाइनेंशिल ईयर 2022-23 में देश से टोटल एक्सपोर्ट्स 775.87 बिलियन डॉलर हो गया है।

क्या होता है ट्रेड डेफिसिट

जब एक निश्चित अवधि के दौरान देश का इंपोर्ट, एक्सपोर्ट से ज्यादा हो जाता है, तो वो ट्रेड डेफिसिट या व्यापार घाटे की कैटेगरी में आता है। इसे निगेटिव बैलेंस ऑफ ट्रेड भी कहते हैं। दूसरे शब्दों में, जब कोई देश बेचने से ज्यादा खरीदता है, तो उसे ट्रेड डेफिसिट कहा जाता है।

लॉटरी किंग सेंटियागो मार्टिन से जुड़ी 457 करोड़ की संपत्ति जब्त, ईडी ने पीएमएलए के तहत की कार्रवाई

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ धनशोधन से जुड़े मामले में 457 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। उनपर केरल में अवैध तरीके से लॉटरी बेचकर सिक्किम सरकार को 900 करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप है। प्रवर्तन निदेशालय ने इसकी जानकारी दी। एजेंसी ने मार्टिन और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ कोयंबटूर और चेन्नई में छापेमारी की। इस दौरान कोयंबटूर में फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के आधिकारिक परिसरों पर भी 11 और 12 मई को नए सिरे से छापे मारे गए। फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सिक्किम लॉटरी का मास्टर वितरक है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) इसके संचालक मार्टिन के खिलाफ 2019 से जांच कर रहा है। मार्टिन को तमिलनाडु में लॉटरी किंग के नाम से जाना जाता है। धनशोधन का यह मामला केरल में सिक्किम सरकार की लॉटरियों की बिक्री से संबंधित कथित अपराधों के लिए मार्टिन और अन्य के खिलाफ दायर सीबीआई के आरोपपत्र से संबंधित है। ईडी ने एक बयान में आरोप लगाया, मार्टिन और उनकी सहयोगी कंपनियों और इकाइयों ने 01.04.2009 से 31.08.2010 की अवधि के दौरान पुरस्कार विजेता टिकटों के दावे को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने के कारण सिक्किम सरकार को 910 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया।

एक साल में रिकॉर्ड 3.47 लाख करोड़ के घर बिके

टॉप-7 हाउसिंग मार्केट में 3.79 लाख मकानों की बिक्री, ये 2021-22 से 36प्रतिशत ज्यादा

नई दिल्ली।
मार्च में खत्म वित्त वर्ष के दौरान देश में मकानों की बिक्री 3.47 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंट एनारॉक के मुताबिक, ये 2021-22 में घरों की बिक्री से 48प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान बिके घर भी 36प्रतिशत बढ़कर 3.79 लाख से ज्यादा हो गए।

बीते वित्त वर्ष बिके मकानों की संख्या और उनकी कुल कीमत के मामले में मुंबई महानगर क्षेत्र सबसे आगे रहा। एनारॉक ग्रुप के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, 'देश के टॉप हाउसिंग मार्केट में बिके कुल मकानों में की हिससेदारी 30प्रतिशत रही। मार्च तक 12 महीनों में इस इलाके में 1.67 लाख करोड़ रुपए के घर बिक गए।' पुरी ने कहा कि लोग न सिर्फ रहने के लिए बल्कि निवेश के मकसद से भी घर खरीद रहे हैं। प्रॉपर्टी निवेश के भरोसेमंद साधन के तौर पर उभर रही है।

मकानों के दाम बढ़ने में मुंबई दुनियाभर में छठे स्थान पर

जनवरी-मार्च के बीच मुंबई में मकानों के दाम 5.5प्रतिशत बढ़े। इस मामले में देश की आर्थिक राजधानी दुनियाभर के टॉप-46 शहरों में छठे स्थान पर रही। एक साल पहले मुंबई इस मामले में 38वें स्थान पर थी। बीती तिमाही मकानों के दाम बढ़ने के मामले में बेंगलुरु 16वें और दिल्ली 22वें स्थान पर पहुंच गई। पिछले साल ये दोनों शहर क्रमश: 37वें और 39वें स्थान पर थे। इस मामले में दुबई सबसे आगे रहा, जहां मकानों के दाम 44.2प्रतिशत बढ़े हैं।

सभी स्टेशनों पर एक समान संकेतक लगाए जाएंगे; मंत्री ने परियोजना से जुड़ी पुस्तक का किया विमोचन

नई दिल्ली।
रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सभी स्टेशनों पर एक जैसे संकेतकों से जुड़ी परियोजना से संबंधित एक पुस्तक का विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यात्रियों की आसानी के लिए पूरे भारत में रेलवे स्टेशनों पर संकेतकों का मानकीकरण एक समान रंग, फॉन्ट और चित्रों के उपयोग के आधार पर किया जाएगा।

भारतीय रेलवे जो अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूरे भारत में 1,275 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहा है, यात्रियों के लिए सुविधाजनक बनाने के लिए स्टेशनों पर एक समान संकेतक लगाने की कोशिश में जुटा है। रेल मंत्री ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेलवे रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के अनुभव को बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। इस दौरान यह महसूस किया गया है कि स्टेशनों पर संकेतकों के लिए मानक दिशानिर्देश जारी किए जाएं जो सुसंगत और पर्याप्त हों। उन्होंने कहा, आज मुझे भारतीय रेलवे के स्टेशनों पर मानक संकेतकों जुड़ी पुस्तिका जारी करते हुए खुशी हो रही है। भारतीय रेलवे आधुनिक, मानक संकेतकों को अपनाएगा, जो दिव्यांगों के भी अनुकूल होंगे। भारतीय रेलवे नेटवर्क में दुनिया में सबसे अधिक स्टेशन हैं। उन्होंने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि प्रत्येक यात्री को मानक संकेतों के साथ सुविधाओं तक आसान पहुंच उपलब्ध हो।

वॉट्सऐप में आया चैट लॉकिंग फीचर: केवल वही मैसेज लॉक करें, जो जरूरी हों; पूरा ऐप लॉक करने की जरूरत नहीं

नई दिल्ली।
मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप ने चैट लॉक फीचर लॉन्च किया है। इसके जरिए यूजर्स किसी ग्रुप या इंडिविजुअल चैट को लॉक कर सकते हैं। इस फीचर के बाद आपकी चैट्स को सिर्फ आप एक्सेस कर पाएंगे। इसके लिए आपको डिवाइस पिन या बायोमैट्रिक्स लॉक का इस्तेमाल करना होगा।

मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने फेसबुक पोस्ट के जरिए इस फीचर के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वॉट्सऐप में नया लॉक फीचर आपकी चैट को ज्यादा सिक्योर बनाएगा। चैट एक पासवर्ड प्रोटेक्टेड फोल्डर में होगी। इसकी वजह से नोटिफिकेशन या मैसेज का कंटेंट दिखाई नहीं देगा।

चैट लॉक फीचर के जरिए चैट को लॉक और हाइड कैसे करें सबसे पहले इस फीचर के लिए वॉट्सऐप को लेटेस्ट वर्जन में अपडेट करें। इसके बाद वॉट्सऐप को ओपन करें। अब उस चैट पर जाएं, जिसे आप लॉक और हाइड करना चाहते हैं। उस चैट वाले अकाउंट की प्रोफाइल पिक्चर पर टैप करें।

अब आपको डिसअपीयरिंग मैसेज के नीचे नया चैट लॉक फीचर लिखा दिखाई देगा, उसपर क्लिक करें, जिसके बाद चैट लॉक हो जाएगा।

इसी तरह आप अन्य चैट को भी लॉक और हाइड कर सकते हैं। लॉक और हाइड चैट को एक्सेस कैसे करें वॉट्सऐप ओपन करें। अब ऐप के होम पेज में मौजूद चैट को नीचे की तरफ स्क्रॉल करें। इसके बाद एक सीक्रेट फोल्डर दिखाई देगा, जिसपर टैप करना है। अब पासवर्ड डालें या फिंगरप्रिंट लगाएं, जिसके बाद आप चैट को एक्सेस कर पाएंगे।

जल्द इस फीचर में रख सकेंगे अलग पासवर्ड

इस फीचर में अभी वही पासवर्ड का यूज होता है, जो मोबाइल फोन की स्क्रीन को लॉक करने के लिए किया जाता है। इसके कारण यदि आपके मोबाइल का पासवर्ड किसी को पता है, तो वह आपके लॉक चैट को एक्सेस कर सकता है। हालांकि, आने वाले दिनों में कंपनी इस फीचर में यूजर्स को कस्टम पासवर्ड सेट करने का ऑप्शन दे सकती है।

एनएसई ने लॉन्च किया नया फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट

अब एफएनओ सेगमेंट के तहत डब्लूटीआई क्रूड ऑयल और नैचुरल गैस में भी कर सकते हैं ट्रेड

नई दिल्ली।
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने क्रूड ऑयल और नैचुरल गैस फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट्स लॉन्च कर दिया है। इसके बाद अब फ्यूचर एंड ऑप्शन सेगमेंट के तहत डब्लूटीआई क्रूड ऑयल और नैचुरल गैस में भी ट्रेड कर सकते हैं। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया ने पिछले महीने एनएसई को मंजूरी दी थी। इस मंजूरी के बाद एनएसई ने ग्रुप के साथ एक डेटा लाइसेंसिंग एग्रीमेंट किया, जिससे प्लेटफार्म पर भारतीय रुपए में डब्लूटीआई क्रूड ऑयल एंड नेचुरल गैस के ट्रेड और डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट्स को सेटल कर सकें।

30 सालों से मार्केट पार्टिसिपेट्स का भरोसेमंद एक्सचेंज है एनएसई - एनएसई के चीफ बिजनेस डेवलपमेंट ऑफिसर श्रीराम कृष्णन ने कहा कि मार्केट पार्टिसिपेट्स को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि एनएसई ने डब्लूटीआई क्रूड ऑयल और नैचुरल गैस फ्यूचर कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च किया है। एनएसई करीब 30 सालों से मार्केट पार्टिसिपेट्स का भरोसेमंद एक्सचेंज बना हुआ है, जिसका कारण हाई लेवल सिक्योरिटी और लचीलेपन के साथ मजबूत टेक्नोलॉजी प्लेटफार्म है। दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव एक्सचेंज है एनएसई फ्यूचर्स इंडस्ट्री एसोसिएशन के साल 2022 के आकड़ो के अनुसार, ट्रेडिंग वॉल्यूम के लिहाज से एनएसई दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव एक्सचेंज है। लगातार यह चौथा साल है जब एनएसई ने यह स्थान हासिल किया है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉनिक ऑर्डर बुक के लिहाज से एनएसई का तीसरा स्थान है। एनएसई भारत में इलेक्ट्रॉनिक बेस्ड ट्रेडिंग शुरू करने वाला पहला एक्सचेंज है। इसने 1994 में ऑपरेशन्स शुरू किया और सेबी ने 1995 के बाद से हर साल इक्विटी शेयरों के हर दिन औसत कारोबार मामले में भारत में सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज के रूप में स्थान दिया गया है। एनएसई का फुली इंटीग्रेटेड बिजनेस मॉडल है, जो एक्सचेंज लिस्टिंग, ट्रेडिंग सर्विस, मार्केट डेटा फीड्स के साथ फाइनेंस एजुकेशन ऑफर करता है।

सोना महंगा, चांदी की कीमत भी तेज

नई दिल्ली । कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन सराफा बाजार में सोना और चांदी में तेजी देखी गई है। 16 मई को सराफा बाजार में सोने और चांदी की नई कीमतें जारी की गईं। सोना 24 कैरेट 110 रुपए प्रति 10 ग्राम महंगी कीमत के साथ खुला जबकि चांदी 300 रुपए प्रति किलोग्राम महंगे भाव पर खुली। 22 कैरेट सोने की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में 10 ग्राम सोने की कीमत 56,900 रुपए, मुंबई सराफा बाजार में 56,750 रुपए, कोलकाता सराफा बाजार में 56,750 रुपए और चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 57,180 रुपए पर कारोबार कर रही है। 24 कैरेट सोने की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में 10 ग्राम सोने की कीमत 62,060 रुपए, मुंबई सराफा बाजार में 61,910 रुपए, कोलकाता सराफा बाजार में 61,910 रुपए और चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 62,380 रुपए है। वहीं चांदी की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में आज 01 किलोग्राम चांदी की कीमत 75,100 रुपए है, मुंबई सराफा बाजार और कोलकाता सराफा बाजार में भी चांदी की कीमत 75,100 रुपए है जबकि चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 78,800 रुपए है।

कियारा-सिद्धार्थ एयरपोर्ट पर एक साथ हुए स्पॉट, वीडियो वायरल

-वीडियो के सोशल मीडिया पर शेयर होते ही फैंस हुए फिदा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और अदाकारा कियारा आडवाणी लंबे समय बाद फिर एक साथ स्पॉट हुए। कपल इसी साल फरवरी में शादी के बंधन में बंधा था। शादी के बाद से कियारा और सिद्धार्थ अपने प्रोफेशल कमिटमेंट को पूरा करने में जुटे हैं, वहीं काफी समय के बाद इस जोड़ी को एक साथ एयरपोर्ट पर साथ देखा गया। दोनों का ये एयरपोर्ट वाला वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में सिद्धार्थ मैचिंग टी-शर्ट और डेनिम जैकेट के साथ सफेद जॉगर्स पहने नजर आ रहें हैं। दोनों ने अपनी मिलियन डॉलर की मुस्कान के साथ अपने लुक को पूरा किया। जब वो एयरपोर्ट के गेट पर पोज दे रहे थे, तब मीडिया को उन्हें भैया-भाभी कहते सुना गया। इसे सुनने के बाद दोनों शरमाते हुए एक दूसरे से बात करते हुए नजर आने लगे। वीडियो के सोशल मीडिया पर शेयर होते ही उनके चाहने वाले उन पर फिदा हो गए। सोशल मीडिया पर एक फैन ने लिखा कि इतने क्यूट मेड फॉर ईच अदर। एक अन्य फैन ने लिखा कि बीटाउन का सबसे प्यारा जोड़ा। इसके अलावा भी इनके इस वीडियो पर फैंस हार्ट और इमोजी भेज रहे हैं। कियारा आडवाणी जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ सत्यप्रेम की कथा में नजर आने वाली हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म की शूटिंग पूरी की और सोशल मीडिया पर अपने फैंस को इसके बारे में अपडेट किया। इसके अलावा उनकी राम चरण के साथ गेम चेंजर भी है। दूसरी ओर सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पाटनी और राशि खन्ना के साथ योद्धा में दिखाई देंगे। वो जल्द ही रोहित शेट्टी की सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स में शिल्पा शेट्टी और विवेक ओबेरॉय के साथ भी नजर आएंगे। इस सीरीज से वो अपना ओटीटी डेब्यू भी करेंगे।

इंटीमेट सीन्स करने से हिचक रहे थे नवाजुद्दीन

-ऐसे नवाजुददीन को तैयार करती थीं कुब्रा सैत

मुंबई (ईएमएस)। अनुराग कश्यप की वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स में एक्ट्रेस कुब्रा सैत के अलावा नवाजुद्दीन सिद्दीकी और सैफ अली खान ने भी काम किया है। सेक्रेड गेम्स में कुब्रा सैत और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के बीच काफी इंटीमेट सीन्स थे। लेकिन इन सीन्स को करने में नवाजुद्दीन सिद्दीकी काफी हिचक रहे थे। उनकी हिचक दूर करने के लिए कुब्रा सैत ने एक तरकीब सोची, जिसके बारे में उन्होंने अब बताया है। एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने बताया कि इंटीमेट सीन शूट करने से पहले वह नवाजुददीन को गाल पर किस किया करती थीं। कुब्रा सैत ने बताया कि वह नवाजुद्दीन को कंफर्टेबल फील करवाने की काफी कोशिश किया करती थीं। एक्ट्रेस के मुताबिक, नवाजुद्दीन बेहद शमीर्ले इंसान हैं।कुब्रा सैत ने कहा, वह सीन पहले दिन शूट किया गया था। यह पहले दिन का आखिरी सीन था। मुझे बस जाकर सीन पूरा करना था। मुझे याद है कि हमने सीन पूरा किया और सीन को पूरा करने के लिए हमने सात टेक लिए। सातवें टेक तक, हम कितने घंटे फिल्मा रहे थे, इसकी गिनती खो चुके थे। आखिर में मैं फर्श पर गिर गया और वापस नहीं उठ सकी। मैं थक गई थी। मैं लगातार रो जा रही थी। जब मैं सिसक रही थी तो नवाजुद्दीन और एके (अनुराग कश्यप) ने मुझे उठाया और कस कर पकड़ लिया। मैंने बहुत धीमी आवाज में कट सुना।इसके बाद कुब्रा सैत ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी संग शूट किए गए इंटीमेट सीन के बारे में कहा, मुझे वह बहुत पसंद हैं। वह एक खूबसूरत इंसान हैं और कमाल के को-स्टार हैं। साथ ही बहुत शमीर्ले भी हैं। हमारे एक साथ वो सारे क्रेजी (इंटीमेट) सीन्स भी थे। मुझे लगता है कि वह इस पृथ्वी पर सबसे शमीर्ले इंसान हैं। तो उनसे पकड़ पकड़ के सीन करवाना पड़ता था। मैं उनके गालों पर किस करती थी और कहती थी कि चल ना सेक्स सीन करते हैं। यह मेरा काम है मुझे ऐसा माहौल बनाने की जरूरत है। इससे पहले कुब्रा सैत ने सेक्रेड गेम्स में अपने फ्रंट न्यूडिटी वाले सीन के बारे में बात की थी और बताया था कि किस तरह अनुराग कश्यप ने उनसे वह सीन सात बार करवाया था।

पहली बार बेटी से 4 दिन दूर रहीं आलिया

-आलिया ने शेयर की बेटी से जुड़ी ये बातें

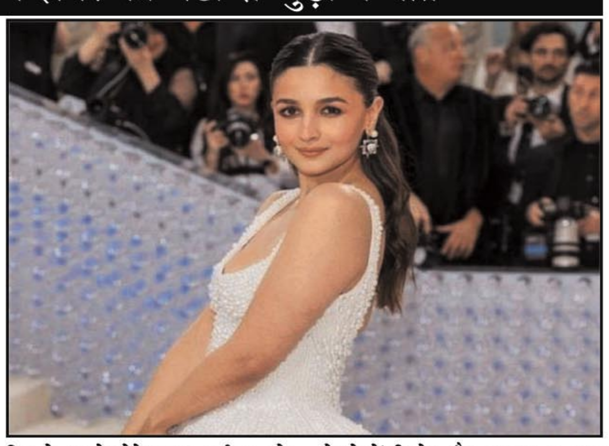

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस आलिया भटट ने बताया कि मेट गाला के दौरान वे पहली बार अपनी बेटी से 4 दिन दूर रहीं। अब आलिया ने एक इंटरव्यू में राहा और उनके बीच बन रहे मूमेंट्स को लेकर बात की है। राहा अभी केवल 6 महीने की है और अब वो अपनी मां यानी आलिया के साथ जुड़ने लगी है। अपनी बातचीत में, आलिया ने सबसे प्यारी चीज का खुलासा किया जो राहा ने करना शुरू कर दिया है और केवल मां ही हैं जो उस चीज को अच्छे से समझ सकती है।

एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि कैसे राहा ने ब्रेस्टफीडिंग के समय समय उसके चेहरे को छूना शुरू कर देती है और आलिया के लिए यह सबसे अच्छा पल बन गया है। अपने इंटरव्यू के दौरान, आलिया से उनके जीवन में अब तक की सबसे अच्छी चीज के बारे में पूछा गया, जिस पर एक्ट्रेस ने जवाब दिया, मेरी बेटी ने मेरे चेहरे को छूना शुरू कर दिया। मुझे लगता है कि यह पिछले हफ्ते मेरे साथ हुई सबसे अच्छी चीज है। क्योंकि अब जब मैं उसे ब्रेस्टफीडिंग कराती हूं तो वह बस एक मिनट लेती है, मेरी तरफ देखती है, और मेरे चेहरे को छूना शुरू कर देती है। यह हम दोनों के बीच एक रोमांटिक पल जैसा है। और यह वास्तव में मेरे साथ अब तक की सबसे अच्छी चीज है। मेरा जीवन। शूटिंग के सबसे कठिन हिस्से के बारे में बात करते हुए, विशेष रूप से प्रेग्नेंसी के दौरान एक एक्शन फिल्म के बारे में, आलिया ने उसी इंटरव्यू में कहा, मेरी बेटी के साथ हर दिन एक नया दिन है, जो एक नए हावभाव या एक नई अभिव्यक्ति का अनुभव करता है। मैं कहती रहती हूं कि सबसे महत्वपूर्ण चीज जो मैंने सीखी है वह है धैर्य। अपनी नन्ही परी राहा के साथ मदरहुड इंजॉय कर रही आलिया भट्ट इन दिनो काफी खुश नजर आती हैं।

प्रियंका के साथ सेल्फी के लिए सिक्योरिटी गार्ड से पंगा

एक फैंस को प्रियंका चौपड़ा के साथ सैल्फी लेने के लिए सिक्योरिटी गार्ड से पंगा लोना पड़ा। जानकारी के अनुसार अपनी बहन परिणीती चोपड़ा की सगाई के लिए दिल्ली पहुंची प्रियंका चोपड़ा को देख फैंस की भीड़ उमड़ गई। उन्हें आज सुबह एयरपोर्ट पर देखा गया। एक्ट्रेस कैजुअल कूल लुक में नजर आईं। इसी बीच एक फैन सेल्फी के लिए एक्ट्रेस के कुछ ज्यादा ही नजदीक आने की कोशिश करता दिखा। दर-असल प्रियंका चलते-चलते सभी के साथ सेल्फी ले रहीं थीं कि इतने में काली टीशर्ट पहने एक लड़का आता है और सेल्फी के बहाने कलोज आने की कोशिश करता है, सिक्योरिटी गार्ड उसे धक्का देकर पीछे हटाते हैं। एयरपोर्ट का यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पर लोग बढ़ चढ़कर कमेंट कर रहें हैं। बता दें कि आज दिल्ली के कपूरथला हाउस में परिणीति चोपड़ा की सगाई होने वाली है।

अंजुम फकीह जल्द ही टीवी पर करेगी खतरनाक स्टंट

-खतरों के खिलाड़ी 13 की शूटिंग से पहले बिगडी हालत

मुंबई (ईएमएस)। टीवी एक्ट्रेस अंजुम फकीह जल्द ही टीवी पर खतरनाक स्टंट करते हुए दिखाई देंगी। वो रोहित शेट्टी के शो खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में पार्टिसिपेट करने जा रही हैं। कुंडली भाग्य सीरियल में सृष्टि का किरदार निभाकर सबका दिल जीतने वाली अंजुम फकीह शो के लिए बहुत एक्साइटेड थीं, लेकिन अब उनकी हालत खराब हो गई है। शूटिंग शुरू होने से पहले ही वो एंजाइटी और फीवर से जूझ रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को ये जानकारी दी और उनके लिए प्रार्थना करने की गुजारिश की है। अंजुम फकीह को खतरों के खिलाड़ी 13 में कई जाने-माने चेहरों संग देखा जाएगा। इस सीजन में शिव ठाकरे, डेजी शाह, अर्चना गौतम और रोहित रॉय सहित कई सिलेब्स हिस्सा ले रहे हैं। ऐसे में अंजुम स्ट्रेस में आ गई हैं और अपने रिएलिटी शो डेब्यू से पहले ही बीमार पड़ गई हैं। उन्होंने फैंस को हेल्थ अपडेट दिया है। 33 साल की एक्ट्रेस अंजुम फकीह ने इंस्टाग्राम पर नोट लिखा है और बताया कि वो पिछले कुछ दिनों से ठीक नहीं हैं, उन्हें सपोर्ट और प्रेयर्स की जरूरत है। उन्होंने ये भी कंफर्म किया है कि वो एंजाइटी और फीवर का शिकार हो गई हैं। वो लिखती हैं, कुछ दिन हो गए हैं, मेरी तबीयत ठीक नहीं है, सारी चिंताएं मेरे अंदर आ रही थीं और कुछ एपिसोड थे जहां मैं बेचैन थी, तेज बुखार, खराब हेल्थ, यह आमतौर पर मेरे साथ होता है जब मैं खुद को तनाव से बाहर करती हूं।.. खतरों से लड़ने चली थी और खिलाड़ी की ये हालत है... कृपया प्रार्थना करें कि मैं ज्यादा न सोचूं, बस एक पॉजिटिव एटिट्यूड के साथ उड़ना चाहता हूं.... आशा है कि जाने से पहले हम जल्द ही ठीक हो जाएंगे...अंजुम फकीह, शिव ठाकरे, डेजी शाह, अर्चना गौतम और रोहित रॉय के अलावा रूही चतुर्वेदी, ऐश्वर्या शर्मा, अंजलि आनंद, अर्जित तनेजा, सौंदस मौफकीर, नायरा बनर्जी का नाम कंफर्म हुआ है। इनके अलावा शीजान एम खान, मुनव्वर फारूकी और सुमेध मुद्गलकर का नाम भी सामने आ रहा है।

फिल्म विक्रम वेधा में ऋतिक रोशन ने किया कुछ अजीब

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने अपनी फिल्म विक्रम वेधा के बारे में बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस फिल्म में कुछ ऐसा करने की कोशिश की जो उनके लिए थोड़ा अजीब था। फिल्म में सैफ अली खान भी हैं। यह अब ऑनलाइन प्रसारित हो रही है, जिसका डिजिटल प्रीमियर दर्शकों के लिए मुफ्त किया जा रहा है। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या फिल्म में उनका प्रयोग कम किया है? फिल्म में एक गैंगस्टर की भूमिका निभाने वाले ऋतिक ने लिखा, वास्तव में मैं इसके लिए उत्सुक हूं कि आप सब विक्रम वेधा देखें! मैंने इसमें कुछ ऐसा करने की कोशिश की जो मेरे लिए थोड़ा अजीब था। अगर यह काम करता है तो आप मुझे बताएं! साथ ही, आप डिजिटल प्रीमियर बिल्कुल मुफ्त देख सकते हैं जो मुझे लगता है अद्भुत है। शाबाश जियोसिनेमा, ऐसा करने के लिए! विक्रम वेधा एक नव-नूर फिल्म है, एक शैली जो अमेरिका में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई थी। यह इसी नाम की एक तमिल फिल्म की रीमेक है।

मेरी महाभारत ऐसी फिल्म होगी, जो न कभी देखी होगी, न सुनी होगीः राजामौली

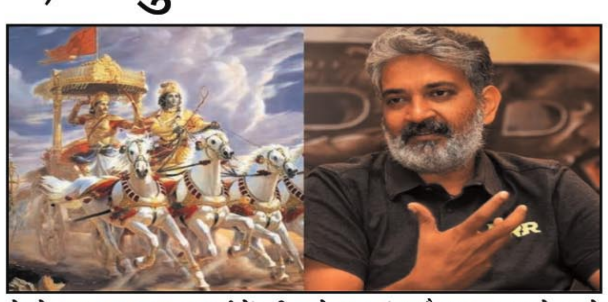

मुंबई (ईएमएस)। आरआरआर के बाद महेश बाबू को लेकर 3 भागों में फिल्म बनाने वाले एसएस राजामौली सोशल मीडिया पर चचाओं में है। उनकी चर्चा महाभारत पर फिल्म बनाने को लेकर हो रही है। महाभारत के लिए राजामौली ने कहा है कि उनकी महाभारत ऐसी फिल्म होगी जिसके बारे में आपने न पहले कभी देखा होगा और न पहले कभी सुना होगा। कहानी वही होगी लेकिन उसे पेश करने का अंदाज जुदा होगा। डायरेक्टर एसएस राजामौली ने हाल ही में एक इवेंट के दौरान बताया कि अगर वो कभी महाभारत पर फिल्म बनाते हैं तो वो फिल्म कैसी होगी। राजामौली ने अपनी बहन के पति डॉक्टर एवी गुरुवा रेड्डी से बात करते हुए बताया कि अगर वो कभी महाभारत पर फिल्म बनाने पर आ गए तो वो 10 अलग-अलग पार्ट में पूरी महाभारत को फिल्माना चाहेंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले राम चरण के साथ हुई बातचीत में राजामौली ने बताया था कि उनकी महाभारत का मटेरियल और कैरेक्टर उससे पूरी तरह अलग होंगे, जिस तरह हम आज महाभारत की सेटिंग और किरदारों को जानते हैं। राजामौली ने कहा था कि मैं महाभारत में अपने किरदारों को जिस तरह से पेश करूंगा, वैसा कुछ आपने पहले कहीं भी न कभी देखा होगा, न सुना होगा। मेरे मन में महाभारत को लेकर ऐसा ही कुछ विजन है। मैं अपने तरीके से आपको महाभारत की कहानी सुनाऊंगा। न ही कहानी बदलेगी, न तो इसके किरदार लेकिन मैं ये जानता हूं कि मुझे इन किरदारों को किस तरह पेश करना है और उनके बीच के कनेक्शन-इमोशन को स्क्रीन पर कैसे दिखाना है।

फोटो शेयर कर पुरानी यादों में खो गए अनुभव

बीते दिनों फिल्मकार अनुभव सिन्हा पुरानी यादों में खो गए। मुल्क, आर्टिकल 15, रा.वन और हालिया भीड़ जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले निर्देशक ने इंस्टाग्राम पर दो अलग-अलग पोस्ट में अपनी फिल्मों रा.वन और मुल्क की शूटिंग के पहले दिन की तस्वीरें साझा कीं। अनुभव द्वारा साझा की गई पहली तस्वीर में वह दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर के साथ नजर आ रहे हैं। दोनों को गहन बातचीत में देखा जा सकता है क्योंकि निर्देशक अपने अभिनेता को कुछ समझाते हुए दिखाई देते हैं। उन्होंने तस्वीर पर कैप्शन दियाः शूट डे हैशटैग मुल्क। मैं उन्हें बहुत मिस करता हूं। अनुभव ने कैप्शन में लिखा हैः शूट डे 1 हैशटैहग रा.वन। क्या राइड है जो अभी भी जारी है। रा.वन को भारतीय एनिमेशन और वीएफएक्स में गेम-चेंजर माना जाता है।

अटलांटा में 26 को शुरू होगा शानदार संगीतमय नाटक मुगल-ए-आजमः द म्यूजिकल

-6 एशियाई देशों में 200 से अधिक शो किया, अब जा रहा उत्तरी अमेरिका

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के आसिफ का गौरवशाली शाहकार मुगल-ए-आजम पिछले 60 वर्षों से भी अधिक समय से लाखों प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करता रहा है और अब इसी फिल्म से प्रेरित शानदार संगीतमय नाटक, मुगल-ए-आजमः द म्यूजिकल छह एशियाई देशों में 200 से अधिक शो करने के बाद उत्तरी अमेरिका जा रहा है। इसका 13-शहरों का दौरा अटलांटा में शुक्रवार 26 मई को शुरू होगा और फिर न्यूयॉर्क, शिकागो सहित कई दूसरे शहरों में भी जायेगा।

भारत में सबसे लंबे समय तक चलने वाले ब्रॉडवे-शैली के इस नाटक को निर्देशित किया गया है। फिरोज अब्बास खान ने शापूरजी पालनजी समूह द्वारा इसे निर्मित किया है। इसे सिनेमा ऑन स्टेज द्वारा उत्तरी अमेरिका में प्रस्तुत किया जाएगा और दर्शक देखेंगे एक कालातीत प्रेम कहानी, जिसमें शामिल है भारत की इंद्रधनुषी संस्कृति और उसकी बेशकीमती कलात्मक समृद्धि एवं संगीत और नृत्य कला की सुंदरता। शापूरजी पालनजी समूह से जुड़े प्रबंधक दीपेश सालगिया का कहना है कि सात साल पहले जब हमने इस परियोजना को शुरू किया था तो हमने नहीं सोचा था कि यह 19 सीजन तक चलेगा और सिंगापुर, कुआलालंपुर, दुबई, मस्कट, दोहा और अब उत्तरी अमेरिका जैसे देशों की यात्रा करेगा। इस तरह के एक बड़े शो में बहुत सारी तकनीकी और लॉजिस्टिक विशेषताएं होती हैं, पर अंततः जो बात इसे सर्वप्रिय बनाती है वो है सलीम और अनारकली के बीच की एक भावनात्मक प्रेम कहानी। यह भारत का सबसे महंगा थिएटर प्रोडक्शन है और हर जगह दर्शकों को इसके डांस सीक्वेंस, शानदार लाइटिंग, मनीष मल्होत्रा की बेहतरीन रंगभूषा और कलाकारों का अभिनय मंत्रमुग्ध कर देता है।

सूडोकु नवताल- 6433

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6432 का हल

6	3	8	5	2	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	9	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7180

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ता	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्नि
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

शब्दजाल में क्रिकेट खेलने वाले 10 देशों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे भी हो सकते हैं.

श्रीलंका,बांग्लादेश,भारत,इंग्लैंड,पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया,दक्षिण अफ्रीका, केन्या, हालैंड

शब्दजाल - 7179 का हल

मं	ग	ल	पां	डे	प	र	तू	ग	झ	सु
ज	अ	ल	म	आ	भ	ग	त	सिं	ह	भा
चं	द्र	शे	ख	र	आ	जा	द	र	ला	ष
ज	कु	अ	उ	बे	ला	क	ल	रि	श	चं
स	ति	श	ध	व	दा	ल	क्ष्मी	बा	ई	द्र
र	रं	ल	म	व	लि	र्त	अ	ती	प	बो
दा	गा	ल	सिं	गा	प	म	श	कौ	या	स
र	बा	जीं	ह	त	क	छ	फा	ग	श	थ
प	स	म	हा	त्मा	गां	धी	क	शा	जू	द
टे	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
ल	औ	ता	त्या	टो	पे	ग	या	दु	र	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6133

		1		6		2
6	34		33		33	
5		3		7		4
1	22		35		34	
		5	6	2		3
3	30		37	5	33	
2		7			6	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6132 का हल

5	6	7	1	2	3	4
2	33	1	34	6	30	5
3	5	4	6	7	1	2
4	36	2	32	1	23	6
7	6	5	4	3	2	1
6	36	6	34	4	31	3
1	2	3	4	5	6	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

धर्मशाला स्टेडियम में आईपीएल मैचों के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

धर्मशाला।
हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला स्टेडियम में 17 व 19 मई को आईपीएल मैच खेले जाएंगे। 17 मई को पंजाब और दिल्ली का मैच होगा। वहीं 19 मई को पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स का मैच होगा। ऐसे में पर्यटकों व क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ ज्यादा तादाद में रहेगी। इन आईपीएल मुकाबलों को देखते हुए स्टेडियम की सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। इन मैच के लिए एक हजार से अधिक पुलिसकर्मियों को सुरक्षा इंतजामों में लगाया गया हे। इसमें शहर को 4 सैक्टर में बांटा गया है।

इसमें पहला सैक्टर स्टेडियम परिसर, दूसरा ट्रैफिक और पार्किंग, तीसरा स्टेकहोल्डर्स के ठहरने वाला स्थल और चौथा सैक्टर खिलाड़ियों के रहने वाला स्थल होगा।

मैच वाले दिन धर्मशाला स्टेडियम सहित खिलाड़ियों के ठहरने वाले स्थल से लेकर स्टेडियम को आने वाले रूट पर 4 ड्रोन के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। खिलाड़ियों के ठहराव स्थल और खिलाडियों के अभ्यास मैच के लिए आने-आने के दौरान भी प्रवेश द्वारों पर क्विक रिएक्शन टीम (क्यूआरटी) के जवान तैनात रहेंगे। इस दौरान इस रास्ते पर अन्य वाहनों को अनुमति नहीं रहेगी। इन मैचों के दौरान दर्शकों को प्रवेश साढ़े 4 बजे से मिलने लगेगा।

वहीं मैच का समय शाम साढ़े 7 बजे रहेगा। एसपी कांगड़ा ने लोगों से अपील की है कि जिनके पास टिकट नहीं हैं, ऐसे लोग स्टेडियम की ओर न आएं, ताकि अनावश्यक भीड़ न हो। आसपास रहने वाले लोगों के वाहनों को डाईट चौक से होते हुए चीलगाड़ी रोड से कोतवाली बाजार की ओर भेजा जाएगा।धर्मशाला से खनियारा रूट पर जाने वाले वाहनों को वाया दाड़ी-कंड होते हुए भेजा जाएगा, जबकि खनियारा से धर्मशाला आने वालों के लिए दाड़नू से होते हुए फव्वारा चौक कोतवाली बाजार पहुंचाया जाएगा।

धर्मशाला से मैक्लोडगंज जाने वाले वाहनों को बाईपास से होकर भेजा जाएगा। मैक्लोडगंज से आने वाले वाहनों को खड़ा डंडा रोड से धर्मशाला लाया जाएगा। मैच के लिए जिला पुलिस द्वारा बनाया गया ट्रैफिक प्लान आपातकालीन सेवा वाहनों पर लागू नहीं होगा। आईपीएल मैच देखने आने वाले लोगों के वाहनों की पार्किंग सुविधा जोरावर स्टेडियम और दाड़ी मेला ग्राऊंड में उपलब्ध रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

चेन्नई के अंतिम लीग मैच के बाद इंग्लैंड लौटेंगे स्टोक्सः एशेज की तैयारी करेंगे, इस सीजन में केवल दो मैच खेल सके

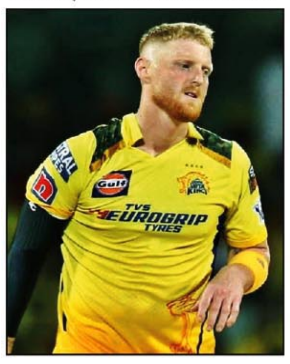

नई दिल्ली। चोट से जूझ रहे इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स इंडियन प्रीमियर लीग 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के अंतिम लीग मैच के बाद वापस इंग्लैंड लौट जाएंगे। जिससे उन्हें अगले महीने से शुरू हो रही एशेज सीरीज की तैयारियों के लिए पूरा समय मिल सके। चेन्नई अपना अंतिम लीग मैच दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 20 मई को अरुण जेटली स्टेडियम में खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज 16 जून से शुरू होगी। रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच 16 जून को एशेज सीरीज की शुरुआती होने जा रही है। स्टोक्स को दिल्ली के खिलाफ अपना अंतिम लीग मैच खेलने के बाद वापस यूके लौटेंगे। इस 31 साल के ऑलराउंडर को चेन्नई ने दिसंबर 2022 की नीलामी में 16.25 करोड़ रुपए में खरीदा था। हालांकि अभी तक उन्होंने सिर्फ दो मैच खेला है। उन दो मैचों में कुल 15 रन बनाए। साथ ही गेंदबाजी करते हुए एक ओवर में 18 रन दिए थे। उसके बाद पैर की उंगली में चोट के कारण वह कोई भी मैच नहीं खेल पाए। बेन स्टोक्स ने पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप में इंग्लैंड को चैंपियन बनाया। चेन्नई का प्रदर्शन चेन्नई की टीम ने इस सीजन में अभी तक 13 में से 7 मैच जीते हैं और पांच में उसे हार मिली है। एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। अभी चेन्नई 15 अंक लेकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर है। यहां से वह प्लेऑफ में जाने से बस एक जीत दूर है।

यूरोप चरण के लिए हरमनप्रीत को हॉकी टीम की कमान, कोच फुल्टोन का पहला टूर्नामेंट

नई दिल्ली। ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को एफआईएच प्रो लीग हॉकी के यूरोप चरण के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कप्तान बनाया गया है। यह नए कोच क्रेग फुल्टोन का यह पहला टूर्नामेंट होगा। अपने मैदान पर एफआईएच प्रो लीग के पिछले चरण में भारतीय टीम विश्व चैम्पियन जर्मनी और आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपराजेय रही। यूरोप में टीम इस लय को कायम रखना चाहेगी जहां उसका सामना लंदन में बेल्जियम और ब्रिटेन से होगा जबकि नीदरलैंड में उसे अर्जेंटीना और नीदरलैंड से खेलना है। अपनी शादी के कारण घरेलू मैचों से बाहर रहे गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक की टीम में वापसी हुई है जिनके साथ अनुभवी पी आर श्रीजेश होंगे । इनके अलावा टीम में पांच पेनल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ हरमनप्रीत, अमित रोहिदास,जरमनप्रीत सिंह, संजय और मनदीप मोर हैं। मनप्रीत सिंह अब मिडफील्ड की बजाय बैकलाइन में सुमित और गुरिंदर सिंह के साथ होंगे। मिडफील्ड में उपकप्तान हार्दिक सिंह, दिलप्रीत सिंह, एम रबिचंद्र सिंह, शमशेर सिंह, आकाशदीप सिंह और विवेक सागर प्रसाद हैं। फॉरवर्ड पंक्ति में सिमरनजीत सिंह की वापसी हुई है जो आखिरी बार जकार्ता में एशिया कप में खेले थे। उनके साथ अभिषेक, ललित उपाध्याय, एस कार्ति, गुरजंत सिंह, सुखजीत सिंह, राजकुमार पाल और मनदीप सिंह होंगे।

वरुण को नीलामी में खरीदना चाहते थेः फ्लेमिंग

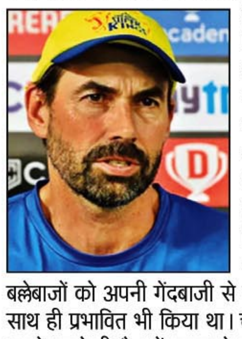

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएकसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने स्पिनर वरूण चक्रवर्ती की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वे उसे खरीदना चाहते थे पर नीलामी में सफल नहीं हो पाये थे। वरुण कुछ साल तक चेन्नई के सीएसके टीम के नेट गेंदबाज भी रहे थे। उन्होंने कप्तान महेंद्र सिंह धोनी सहित सीएसके टीम के बल्लेबाजों को अपनी गेंदबाजी से खास परेशान करने के साथ ही प्रभावित भी किया था। चेपॉक पर आईपीएल के अपने पहले ही मैच में वरुण ने दो विकेट लिए थे। फ्लेमिंग ने कहा,'वरूण को हासिल नहीं कर पाने का दुख हमें आज तक है। उसने कई साल हमें नेट पर परेशान किया। हम नीलामी में उसे खरीद नहीं सके। चक्रवर्ती को पंजाब किंग्स ने साल 2019 में आठ करोड़ 40 लाख रूपये में खरीदा और 2020 में केकेआर ने उसे चार करोड़ में खरीदने के बाद टीम में ही रखा है। फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी केकेआर के खिलाफ हालात को समझ नहीं पायी। उन्होंने कहा, ''हम हालात को पढने में नाकाम रहे। बल्लेबाजों के लिए यह कठिन मैच था। विकेट में शुरूआत मे काफी उछाल थी जो धीरे धीरे खत्म हो गई। हम इन नए हालात में खेलना अभी भी सीख रहे हैं। वहीं केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर ने रिंकू सिंह को किसी भी टीम के लिए आदर्श पैकेज बताया।

रेसलर्स विवाद में जांच कमेटी ने मांगे सबूत

ऑडियो-वीडियो प्रूफ देने को कहा ; कमेटी सदस्य ने कहा- बृजभूषण पिता सामान, उनका व्यवहार मासूमियत भरा

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे देश के शीर्ष पहलवानों का आज 24वां दिन है। महिला पहलवानों के भाजपा सांसद और कुश्ती महासंघ प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दर्ज किए गए छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कर रही कमेटी पर शिकायतकर्ता 3 महिला पहलवानों ने अपनी चिंताएं व्यक्त की है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पहलवानों का आरोप है कि कमेटी ने उनसे बृजभूषण के खिलाफ छेड़छाड़ के ऑडियो और वीडियो प्रूफ की मांग की है। कमेटी उन्हें सताने का काम कर रही है। कमेटी मेंबरों ने महिला पहलवानों को बताया कि उनके हाथ तब तक बांधे हैं जब तक वे बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के सबूत नहीं दे देती। बिना सबूत वो कुछ नहीं कर सकते। जिस पर पहलवानों ने कहा कि ऐसे होने पर कौन महिला यौन शोषण के समय वीडियो रिकॉर्ड कर पाएगी। जब आप कुछ ऐसा अनुभव करते हो तो सांस भी नहीं ले सकते।

कमेटी सदस्यों ने बृजभूषण को बताया पिता सामान - एक महिला पहलवान ने बताया कि कमेटी के एक सदस्य ने उनसे कहा है कि बृजभूषण सिंह उनके पिता के समान हैं और उन्होंने अपना ये व्यवहार मासूमियत में किया है, तुम इसे गलत तरीके से अनुचित स्पर्श समझ रही हो। दूसरी पहलवान ने बताया कि सुनवाई के दौरान भारतीय खेल संघ

की बिल्डिंग के वेटिंग एरिया को भारतीय कुश्ती महासंघ के बृजभूषण के करीबी कर्मचारियों और कोचों की भीड़ से भर दिया गया था, जो काफी डरवाना था। वहीं, उन्होंने बताया कि पीड़ितों ने अपने बयान देने के समय केवल निगरानी समिति की महिला सदस्यों को ही कमरे में मौजूद होने का अनुरोध किया था, लेकिन यह अनुरोध माना नहीं गया।

गवाही के दौरान बार-बार बंद की गई रिकॉर्डिंग - इन दो पहलवानों ने अपनी पुलिस शिकायतों में भी दावा किया कि गवाही देते समय कई बार समिति ने वीडियो रिकॉर्डिंग को बंद कर दिया था। यह छह सदस्यीय समिति, पूर्व बॉक्सिंग विश्व चैंपियन मैरी कॉम के नेतृत्व में गठित की गई थी और यह जनवरी में धरने के पश्चात केंद्रीय स्पोर्ट्स मंत्रालय द्वारा आयोजित की गई थी। इसकी सुनवाई फरवरी में हो जाने के बावजूद, इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। लेकिन पिछले महीने इसके आधार प्रशिक्षण के बाद खेल मंत्रालय ने अपनी मुख्य फिंडिंग्स को साझा किया। तीन पहलवानों में से एक ने कहा कि पहली सुनवाई से ही समिति ने उन्हें अपनी कठिनाइयों को बताने का विश्वास नहीं दिया। पहली सुनवाई में ही, कुछ लड़कियों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए कहा गया था जो बहुत असहज थी। इसलिए अगली बार से हम समूह में उपस्थित हुई।

कमेटी बोली अपने यौन उत्पीड़न का फिर से वर्णन करें - समिति के सामने दो सुनवाई हुई और कम से कम 12 व्यक्तियों ने साक्ष्य दिया। इनमें से कुछ पहलवानों के बयान अदालती अधिकारी द्वारा दर्ज किए गए हैं। पिछले सप्ताह, बृजभूषण सिंह से दिल्ली पुलिस ने पूछताछ की है। दूसरे पहलवान ने कहा कि सुनवाई के दौरान एक पीड़िता कमेटी के सदस्यों को एहसास हुआ कि वीडियो रिकॉर्डिंग चालू नहीं है, तो उसे यह कहने के लिए कहा गया कि वह बृजभूषण सिंह द्वारा यौन उत्पीड़न का वर्णन फिर से करें। तीसरे पहलवान ने दावा किया कि उन्होंने देखा कि कमेटी के कई सदस्य उनकी पीड़ा के प्रति असंवेदनशील है। वे बेहद जल्दबाजी में थे, ऐसा लग रहा था कि एक कान से हमारी बात सुनी जा रही थी और एक कान से उन्हें निकाला जा रहा था। बयान पूरा होने से पहले ही हमें आगे बढ़ने को कह दिया जाता था। वे बयान लेते वक्त हमारी भावनात्मक स्थिति को समझने का प्रयास नहीं कर रहे थे। जिससे हम समिति के सामने बोलने में असहज महसूस कर रहे थे।

एक सदस्य ने जूम मीटिंग के जरिए लिया सुनवाई में हिस्सा - पहलवानों ने बताया कि कमेटी के एक सदस्य ने जूम पर एक सुनवाई में हिस्सा लिया था। यह महिला पहलवानों से जुड़ी इतनी संवेदनशील मुद्दा था, लेकिन यह सदस्य कमरे में मौजूद नहीं था। एक महिला पहलवान ने बताया कि हमें बताया गया था कि यह सदस्य जिम में है और इसलिए जूम के माध्यम से जुड़ा है। इस कमेटी में मैरी कॉम के अलावा, कमेटी में पूर्व एसएआई कार्यकारी निदेशक (टीम्स विंग) राधिका श्रीमन, खेल मंत्रालय की लक्ष्य ओलंपिक पोडियम योजना के पूर्व सीईओ राजेश राज गोपालन, मिशन ओलंपिक सेल के सदस्य और पूर्व शटलर त्रिप्ति मुरगुंडे, पहलवान ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त और वर्ल्ड चैंपियन पदक विजेता बबीता फोगाट शामिल थी। राधिका श्रीमन को छोड़कर, कमेटी में शामिल कोई अन्य सदस्य टिप्पणी के लिए उपलब्ध नहीं हो सका।

लियोनल मेसी के बिना चार साल बाद चैंपियन बना बार्सिलोना, 27वीं बार ला लिगा का खिताब जीता

बार्सिलोना।
अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी के बिना बार्सिलोना ने चार साल में पहली बार ला लिगा चैंपियन बनने का गौरव हासिल कर लिया। बार्सिलोना ने मेसी के रहते हुए अंतिम बार 2019 में स्पेनिश लीग का खिताब जीता था। बार्सिलोना ने इस बार चार मैच शेष रहते ही 27वीं बार ला लिगा को अपनी झोली में डाल लिया। रात एस्पियोनल पर 4-2 से जीत हासिल करते ही 34 मैचों में 85 अंकों के साथ वह चैंपियन बन गया।

बार्सिलोना की जीत में पोलैंड के स्ट्राइकर रॉबर्ट लेवानडॉस्की ने दो गोल किए। हालांकि, चैंपियन बनने के बाद एस्पियोनल के समर्थकों ने बार्सिलोना को जश्न नहीं मनाने दिया और उन्हें मैदान से सीधे लॉकर रूम में जाना पड़ा।

मेसी के बिना 1998-99 में विजेता बना था बार्सिलोना

मेसी के बिना बार्सिलोना 25 साल पहले 1998-99 के सत्र में विजेता बना था। मेसी पहली बार 2004-05 के सत्र में क्लब आए थे और पहले ही सत्र में बार्सिलोना विजेता बना था। बार्सिलोना से ज्यादा लॉ लिगा का खिताब रियल मैड्रिड ने 35 बार जीता है। उसने गेटाफे को 1-0 से हराकर लीग में दूसरे स्थान बना लिया। मैड्रिड अभी बार्सिलोना से 14 अंक पीछे है। इससे पहले दूसरे स्थान पर मौजूद एटलेटिको मैड्रिड को अंतिम स्थान पर चल रहे एल्शे ने 1-0 से पराजित कर तीसरे स्थान पर खिसका दिया।

लेवानडॉस्की ने किए दो गोल

अलेजांड्रो बाल्डे के पास पर 11वें मिनट में लेवानडॉस्की ने बार्सिलोना को बढ़त दिलाई। नौ मिनट बाद ही बाल्डे ने पेड्री के पास पर गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। बाल्डे का यह लीग में पहला गोल रहा। 40वें मिनट में राफिन्हा के क्रॉस पर लेवानडॉस्की ने एक और गोल किया। 21 गोल के साथ वह लीग के शीर्ष गोल स्कोरर बन गए। 53वें मिनट में फ्रेंकी डि जांग के पास पर कोंडे ने हेडर के जरिए गोल किया। जावी पाउडो ने 73वें मिनट में और जोसेलू ने स्टापेज समय में एस्पियोनल के लिए गोल किए।

यह शानदार अनुभूति हैः जावी

चैंपियन बनने के बाद बार्सिलोना के कोच जावी हर्नांडेज ने कहा, यह शानदार अनुभूति है। यह बेहतरीन तरीके से काम निभाने की भावना है। क्लब की परियोजनाओं को कुछ स्थायित्व प्रदान करना महत्वपूर्ण है। लीग का खिताब जीतना इस बात को दर्शाता है कि चीजें सही रास्ते पर जा रही हैं और हमें इसी रास्ते पर आगे चलना होगा।

साई के एसटीसी सेंटर जम्मू में लेना है दाखिला तो तैयार रहिये, 23 मई को इन खेलों के लिए होंगे ट्रायल

जम्मू।

साई स्पोटर्स ट्रेनिंग सेंटर जम्मू, जेएंडके स्पोटर्स काउंसिल के तत्वाधान से 23 मई से विभिन्न खेलों के ट्रायल आयोजित करने जा रहा है। इसमें बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को साई के ट्रेनिंग सेंटर में दाखिला मिल सकेगा। यहां खिलाड़ियों के खेल में सुधार लाकर उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जाएगा।

साई एसटीसी जम्मू के उपनिदेशक नदीम अहमद डार के अनुसार, एसटीसी जम्मू में वालीबाल, हैंडबाल और बास्केटबॉल के रेजिडेंशियल स्कीम के लिए 23 और 24 मई को ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा, हैंडबाल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और वुशु की डे-बोर्डिंग स्कीम के लिए भी जम्मू के एमए स्टेडियम में दो दिवसीय ट्रायल का आयोजन 23 और 24 मई को किया जाएगा।

ट्रायल के लिए इन बातों का रखें विशेष ध्यान

बता दें कि इसमें 12 से 18 आयुवर्ष वाले वे खिलाड़ी जिन्होंने राष्ट्रीय, प्रदेश या फिर जिला स्तर पर पदक जीते होंगे, भाग ले सकेंगे। आयोजनस्थल पर 23 मई की सुबह 9 बजे इच्छुक खिलाड़ियों को असली आयु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, फोटो और उपलब्धियों संबंधी दस्तावेज लाने अनिवार्य होंगे।

किन खिलाड़ियों को दी जाएगी वरीयता

ट्रायल में उन्हीं खिलाड़ियों को वरीयता दी जाएगी, जिन्होंने राष्ट्रीय, प्रदेश, राज्य या फिर जिला स्तर पर स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक अर्जित किए होंगे। ट्रायल के दौरान प्रतिभागियों को आयोजकों की ओर से किसी भी तरह का कोई भी टीए, डीए और ठहराने व खान-पान की सुविधा मुहैया नहीं करवाई जाएगी।

अगर किसी प्रतिभागी कोई कोई आपत्ति या संशय है तो वे 9888280373, 7006272855 और 9872618649 पर संपर्क कर अधिक जानकारी हासिल कर सकते हैं।

प्रदेश के खिलाडियों को मिलेगा तोहफा, खेल कोटे से भर्ती वाले विभाग होंगे चिह्नित; जल्द होगा निर्णय

देहरादून।
प्रदेश के प्रतिभावान खिलाड़ियों को खेल कोटे से नौकरी देने के संबंध में अब कदम आगे बढ़ रहे हैं। जल्द ही मुख्य सचिव की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में खेल कोटे से नौकरी देने वाले विभागों और पदों को चिह्नित किया जाएगा। इसके बाद इस विषय को कैबिनेट के सम्मुख प्रस्तुत किया जाएगा। प्रदेश सरकार ने खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकारी विभागों में खेल कोटे से भर्ती करने का निर्णय लिया है। राज्य की खेल नीति में सरकारी सेवाओं की भर्तियों में खिलाड़ियों को चार प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने की व्यवस्था की गई है। प्रदेश में पहले भी खिलाड़ियों को खेल कोटे से भर्ती देने की व्यवस्था थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी थी। उस समय कोर्ट के आदेश को चुनौती नहीं दी गई। खेल नीति बनी तो सरकार का ध्यान इस ओर गया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खिलाड़ियों को खेल कोटे से भर्ती करने की बात कही। मुख्यमंत्री घोषणा के क्रम में खेल विभाग ने इसका प्रस्ताव शासन को भेजा, जिस पर शासन ने खेल विभाग को सुपष्ट मंतव्य के साथ प्रस्ताव देने को कहा। इस कड़ी में खेल विभाग ने शासन को खेल कोर्ट से भर्ती करने संबंधी प्रस्ताव भेजा। इसमें खिलाडियों के

राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए प्रदर्शन के आधार पर सरकारी सेवा देने का उल्लेख किया गया है। मसलन, ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वालों को 5200 ग्रेड पे की नौकरी दी जानी प्रस्तावित है।

इसी प्रकार राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करने वालों को 2000 ग्रेड पे तक की नौकरी देना प्रस्तावित है। अब शासन ने खेल विभाग से कहा है कि वह उन सारे विभागों को चिह्नित करे, जिनमें खेल कोटे के तहत नौकरी दी जा सकती है। दरअसल, जिन दूसरे राज्यों में खेल कोटे से नौकरी दी जा रही है, उनमें प्रमुख रूप से खेल विभाग और पुलिस विभाग शामिल हैं। ऐसे ही विभागों की सूची खेल विभाग तैयार कर रहा है। इसके बाद जल्द ही मुख्य सचिव स्तर पर बैठक होगी, जहां खेल कोटे से भर्ती करने वाले विभागों और पदों का चयन किया जाएगा।

संयुक्त निदेशक खेल एवं युवा कल्याण अजय अग्रवाल का कहना है कि जल्द ही इस संबंध में मुख्य सचिव स्तर पर बैठक होनी है, जिसमें विभागों और पदों के संबंध में निर्णय लिया जाएगा।

टीम इंडिया को टी20 में रोहित शर्मा और विराट कोहली से ऊपर आने की जरुरत, रवि शास्त्री ने दिया बेबाक बयान

नई दिल्ली।

भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री चाहते हैं कि राष्ट्रीय टीम अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा से ऊपर आए और अगली टी20 इंटरनेशनल सीरीज में युवाओं को जगह दे।

शास्त्री ने कहा, पहली जो टी20 इंटरनेशनल सीरीज आए, उसमें इन युवाओं को जगह देना चाहिए। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे खिलाड़ी खुद को साबित कर चुके हैं। आप जानते हैं कि उनकी अहमियत क्या है। मैं आईपीएल की राह चलते हुए इन युवाओं को मौका देना पसंद करूंगा और विराट व रोहित को वनडे तथा टेस्ट क्रिकेट के लिए तरोताजा रखना चाहूंगा। उन्होंने आगे कहा, इतने अनुभवी खिलाड़यों के साथ आपका ध्यान टेस्ट क्रिकेट पर जाना चाहिए। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पर रखना चाहिए ताकि वो तरोताजा रहें।

मौजूदा फॉर्म पर हो नजरें

रवि शास्त्री ने कहा कि विशेषज्ञ भूमिकाओं के लिए भारत के पास बाएं हाथ और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का अच्छा मिश्रण है। उन्होंने साथ ही

कहा कि मौजूदा फॉर्म के आधार पर भारतीय टीम में चयन होना चाहिए। शास्त्री ने कहा, एक साल लंबा समय है। खिलाड़ी फॉर्म में हो सकता है और फॉर्म खराब भी हो सकता है। आप उस समय सर्वश्रेष्ठ लोगों का चयन करें। अनुभवी और फिटनेस मायने रखती है। जो फॉर्म में हो, निरंतर प्रदर्शन कर रहा हो, उसे मौका दें।

उन्होंने आगे कहा, काम के लिए सही खिलाड़ी का चयन करें। ऐसा नहीं होना चाहिए कि कोई खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के लिए तीसरे या चौथे नंबर पर खेल रहा हो, उसे जब राष्ट्रीय टीम में चुना जाए तो छठे नंबर पर खिलाए या ओपनिंग कराएं। मुझे बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का मिश्रण पसंद है। आईपीएल में देखें, उन टीमों ने बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें मिश्रण था।

विकेटकीपर के लिए कौन सा स्थान बेहतर

रवि शास्त्री का मानना है कि विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना आदर्श है। ऋषभ पंत के चोटिल होने के अलावा भारत के पास ईशान किशन और संजू सैमसन हैं। जितेश शर्मा ने पंजाब किंग्स के लिए बेहतरीन फिनिशर के रूप में काम किया।

पूर्व हेड कोच ने कहा, अगर आपके पास अच्छे ओपनर्स हैं तो आपको ऐसा विकेटकीपर चाहिए, जो छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करे। हां, अगर आपकी ओपनिंग कमजोर है तो फिर ऐसा विकेटकीपर खोजें जो ऊपर बल्लेबाजी कर सके। यह सभी टीमों पर लागू होता है।

श्रीकांत-सिंधू फिर हारे, भारत लगातार दूसरी बार सुदीरमन कप के ग्रुप दौर में बाहर

सुजहोयू। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और पीवी सिंधू को अपने-अपने मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा और इसके साथ ही भारत को सुदीरमन कप में ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में मलयेशिया के हाथों 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। एक दिन पहले चीनी ताइपे के खिलाफ भारतीय टीम को 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था। लगातार दूसरी बार भारत को मिश्रित टीम चैंपियनशिप में ग्रुप दौर में ही बाहर होना पड़ा। फिनलैंड में खेले गए पिछले संस्करण में भी भारत नॉकआउट दौर में प्रवेश नहीं कर सका था। श्रीकांत को दुनिया के आठवें नंबर के ली जी जिया के हाथों 16-21, 11-21 से हार मिली। दुनिया की 12वें नंबर की सिंधू को गोह से 21-14, 10-21, 20-22 से हार मिली। ध्रुव कपिला और अश्विनी पोनप्पा की जोड़ी को गोह सून और लेई शेवोन जेमी ने 35 मिनट में 21-16, 21-17 से हरा दिया। तीन मैच हारते ही भारत बाहर हो गया था। अंतिम दो मैचों में सात्विक-चिराग की जोड़ी को आरोन चिया और सोह वू यिक से 18-21, 19-21 से हार मिली। महिला युगल में गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जौली 15-21, 13-21 से हार गए। इस ग्रुप से चीनी ताइपे और मलयेशिया शीर्ष दो टीमों के रूप में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर गए। अंतिम ग्रुप मैच में अब भारत को ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। सिंधू ने कहा कि यह बेहद निराशाजनक है। तीसरे गेम में मैं आठ अंकों से पिछड़ रही थी लेकिन मैंने अंतर घटाया और अंततः दो अंकों से हारना काफी खला। दूसरे गेम में मैंने गलतियां की।

अच्छे दिन की शुरूआत के लिए अपनाएं ये उपाय

अच्छी दिनचर्या से शरीर को हैल्दी और खूबसूरत आजीवन बनाया रख जा सकता है। अधिकांश महिलाओं को कोई बीमारी नहीं होती, उनकी सिर्फ जीवनशैली गलत होती है। गलत जीवनशैली से शरीर का पूरा सिस्टम ही गडबडा जाता है और इस सिस्टम के सुधरने पर ही स्वास्थ्य एवं सौंदर्य में निखार आता है।

- महिलाएं सुबह बिस्तर छोडते ही काम में लग जाती हैं। उन्हें अपने खानपान की तरफ जरा भी ध्यान नहीं होता है। उनकी यह आदत धीरे-धीरे उन्हें कमजोर और कांतिहीन बना देती है।
- सुबह का नाश्ता करने के बाद ही घर के कार्यो में लगें। दिन के इस बससे कीमती भोजन को छोडने का अर्थ है कि आप अपने दिन का प्रारंभ उपवास से करती हैं, जो आपकी सेहत के लिए एक दिन खतरनाक साबित हो सकता है।
- पानी हल्का गुनगुना पानी पीएं। अगर आपको डाइजेशन की प्रॉब्लम है, तो ठंडा पानी कतई न पीएं। अगर आप सीधे नल का पानी पीते हैं, तो वॉटर प्यूरिफायर लगवा लें। पानी के टेस्ट को बदलने के लिए नींबू या ऑरेंज स्कवैश मिलाकर भी पी सकते हैं।
- शारीरिक श्रम के अनुकूल भोजन करें। जैसा काम हो वैसा भोजन बेहतर स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। आप वर्किंग लेडी हैं। दिन भर ऑफिस में काम करती हैं और घर आकर भी घरेलू कार्य करती हैं तो आपको अधिक कैलोरी की जरूरत है।

- खाने का समय तय न होने पर पेट से अधिक दिल पर खतरा बढ जाता है। आप कब खाती हैं, यह आपके पौष्टिक आहार से भी अधिक महत्वपूर्ण है। आप जैसा भी भोजन करें, पर निश्चित समय पर करें और भूख रोकने की गलत आदत से बचें। भूख एक नेयुरल क्रिया है और इसे रोकने पर आपके स्वास्थ्य पर खतरा बढ जाता है।
- महिलाओं को मांसपेशियों संबंधी अधिक समस्या होती हैं क्योंकि वे व्यायाम करना पसंद नहीं करती हैं। मांसपेशियों को स्वस्थ एवं सुदृढ रखने के लिए नियमित व्यायाम आवश्यक है क्योंकि मांसपेशियां मजबूत होने पर ही खाया-पिया शरीर में लगता है और आप डाइट को ढंग से पचा पाती हैं।
- वैसे तो फलों का जूस पीने की बजाय इन्हें खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। दरअसल, जब हम जूस पीते हैं, तो उसमें मौजूद शुगर हमारे ब्लड में जल्दी घुल जाती है। इसलिए जूस को लाइट करने के लिए इसमें थोड़ा पानी मिला दें। एक कप जूस में तीन-चौथाई हिस्सा पानी का रखें।
- कॉफी में से कैफीन निकाल देने के बाद डीकैफ कॉफी तैयार की जाती है। इसमें बहुत थोड़ी मात्रा में टेबल क्रीम या दूध डाला जाता है और शुगर, हनी या आटिर्फिशियल स्वीटनर की बहुत कम मात्रा भी डाल सकते हैं।
- हर्बल टी कैफीन फ्री हर्बल टी बेहतरीन लिक्कड है। इसमें पेपरमिंट व कैमोमाइल है, जो डाइजेस्टिव सिस्टम की प्रॉब्लम्स व सूजन को कम करते हैं। यह आपको फ्रेशनेस भी देती है।

अब तनाव को भी कम करेगा प्रोटीन

प्रोटीन एक महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। इससे न केवल बीमारियों से लड़ने की क्षमता विकसित होती है, बल्कि कई शारीरिक क्रियाएं भी संचालित होती हैं। अब ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने ऐसा नया प्रोटीन ढूंढ़ने का दावा किया है जो तनाव को कम करने में भी सक्षम है। तनाव के चलते शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने में प्रभावी नए प्रोटीन को टीआरपीवी-1 का नाम दिया गया है।

ब्रेन ट्यूमर को खत्म कर सकते हैं स्टैम सैल

हार्वर्ड के वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि स्टैम सैल की मदद से ब्रेन ट्यूमर को खत्म किया जा सकता है। इस खोज में मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल ने भी मदद की है। वैज्ञानिकों ने इस संबंध में चूहों पर प्रयोग किया। उन्होंने पाया कि ब्रेन ट्यूमर से ग्रस्त जिन चूहों को स्टैम सैल की खुराक दी गई उनमें इस बीमारी से लड़ने की ताकत बढ़ गई।

क्या आपको हो सकती हैं ये 8 खतरनाक बिमारियां

आपका चेहरा जैसे आपके दिल की बात बताती है उसी तरह आपके सेहत के संकेत भी देते हैं। रूखी त्वचा, फटे होंठ और झुर्रियां जैसी छोटी-मोटी समस्या घरेलू उपायों से ठीक की जा सकती हैं, मगर कभी-कभी यह समस्या किसी बड़ी बीमारी का संकेत भी होती है। इसलिए हर समय इन छोटे संकेतों को बढ़ते उम्र का नाम देकर नजरअंदाज़ न करें, तुरन्त किसी त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लें।

कैसे एक आहार विशेषज्ञ इन संकेतों के द्वारा हेल्थ स्टेट्स के बारे में पता लगाते हैं।

असमय झुर्रियों का आना

वैसे तो चेहरे पर झुर्रियों का आना किसी को भी अच्छा नहीं लगता है लेकिन उम्र के लक्षणों को रोका नहीं जा सकता। लेकिन हर समय यही कारण नहीं होता है, महिलाओं में असमय झुर्रियों का आना आस्टिओपरोसिस के प्रथम लक्षण होते हैं। क्रोनोस लॉगजिविटी रिसर्च इंस्टीच्युट इन फोनिक्स के अध्ययन के अनुसार समय से पहले जिन महिलाओं को मेनोपोज हो जाता है उनका बोन डेन्सिटी कमजोर और असमय झुर्रियों की समस्या होती है। विटामिन डी का अत्यधिक और कम होना असमय झुर्रियों के कारण होता है।

चेहरे पर अवांछित बाल

चेहरे पर अवांछित बाल किस महिला को अच्छा लगता है, लेकिन इसके अलावा भी एक बात सोचने वाली यह है कि पॉलिसिस्टिक ऑवरी सिंड्रोम के भी लक्षण हो सकते हैं। इसके लिए लड़कियों को इनफर्टिलिटी, अनियमित मासिक धर्म जैसी समस्याएं होती है। इसलिए अवांछित बालों को साफ करने के लिए वैक्सिंग, थ्रेडिंग करने ब्यूटीपार्लर जाने से पहले इसके पीछे छुपे कारण की पहले जांच करें।

अत्यधिक रूखी त्वचा

मौसम के बदलाव के कारण कभी-कभी त्वचा रूखी हो जाती है और देखरेख के बाद वह ठीक हो जाती है। लेकिन जब आप यह देखें कि स्किन को हाइड्रेड करने, सही खाना खाने, मॉश्चराइज करने के बावजूद पूरा शरीर रूखा ही रह जा रहा है तो वह डाइबीटिज के प्रथम लक्षण है। जब आपके पैर और हाथ की त्वचा ज्यादा रूखी नजर आ रही है तो इसका मतलब है कि यह हृदय के बीमारी के लक्षण है। कभी-कभी ऑक्सिजन की कमी का कारण भी त्वचा रूखी हो जाती है जो सराइअसिस के लक्षण होते हैं।

गर्दन पर पिग्मेन्टेशन

यदि सनबर्न के उपचार और स्क्रबिंग के बाद गर्दन का पिग्मेन्टेशन नहीं जा रहा है तो यह डाइबीटिज, एलर्जी के लक्षण भी हो सकते है। यहां तक कि रैशेज सराइअसिस के लक्षण भी हो सकते हैं।

मस्सा

वैसे तो मस्सों से किसी नुकसान की संभावना नहीं होती है सिर्फ यह बढ़ता रहता है। लेकिन मस्से का रंग और आकार आम मस्से से अलग हो तो स्किन कैंसर मेलानोमा के लक्षण होते हैं। लीवर प्रॉब्लम के कारण भी यह होता है।

रैशेज या चेहरे पर लाल आभा

डर जाने से, थक जाने से, या शर्मिंदगी महसूस होने से चेहरे पर लाली छा सकती है मगर जब ठोढ़ी और नाक पर लाल रैशेज नजर आते हैं तब एसएलइ के यह लक्षण होते हैं। चेहरे पर मुहांसे जैसे ब्रेकआउट्स रोसिया जो रक्त कोशिका के बढ़ने के कारण होता है। यहाँ तक कि यह एच.आई.वी इन्फेक्शन के प्रथम संकेत के लक्षण भी हो सकते है।

फटे होंठ

यह आम तौर पर मौसमी सर्दी-खांसी के कारण भी होते है। या विटामिन सी, दवाई से एलर्जी, थॉयराइड आदि के कमी के कारण नमी की कमी हो जाती है। लेकिन इसके साथ जब आपकी आंखे, मुंह, रूखी त्वचा और जोड़ो में दर्द हो रहा हो तो यह लक्षण इम्यून सिस्टेम के डिसऑडर के लक्षण होते है।

सूजा चेहरा

शरीर में जल की अधिकता के कारण इडिमा रोग होता है जो किडनी के सही तरह से कम न करने या रक्त के सही तरह से पंप न करने के कारण चेहरा सूज जाता है। इसलिए अब जब भी आपको अपने चेहरे पर यह लक्षण नजर आए तो घरेलू उपचार करने के जगह पर तुरन्त डॉक्टर से सलाह लें।

ये आदतें जिंदगी के लिए हो सकती हैं खतरनाक

लंबे जीवन की ख्वाहिश हर कोई रखता है। लेकिन रोज हम कुछ ऐसे काम करते हैं, जो हमारी जिंदगी को कम कर देते हैं। विभिन्न शोधों में पता चला है कि साधारण दिखने वाली कुछ आदतें जिंदगी के लिए खतरनाक हो सकती हैं।

टीवी देखना

ब्रिटिश जर्नल ऑफ स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन में छपे एक शोध के अनुसार, ज्यादा टीवी देखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। शोध के मुताबिक, एक घंटा टीवी देखने से जिंदगी के 22 मिनट कम हो जाते हैं, यानी अगर रोज छह घंटे टीवी देखना जीवन से औसतन पांच साल कम कर देता है।

बैठे रहना

कई शोधों में साबित हो चुका है कि लगातार बैठे रहने से कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जामा इंटरनल मेडिसिन के शोध के मुताबिक, दिन में लगातार ग्यारह घंटे बैठने से बीमारियों से मौत का खतरा 40 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। इसलिए काम के बीच में थोड़ी देर ठहलना चाहिए।

बेरोजगारी

बेरोजगारी की वजह से कई युवा खुदकुशी कर लेते हैं या उनकी अचानक मौत हो जाती है। शोधकर्ताओं ने 15 देशों में 40 साल तक दो करोड़ लोगों पर शोध किया। शोध में पता चला कि बेरोजगार लोगों में अचानक मौत का खतरा नौकरीपेशा लोगों की तुलना में 63 प्रतिशत ज्यादा होता है।

वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक प्रणाली का काउंसलर्स और साइकैट्रिस्ट भी कर रहे उपयोग

गुस्से को दूर कर सुकून देती है फॉरगिवनेस थैरेपी

माफ कर देना केवल बड़प्पन का ही काम नहीं, इससे आपके मन को भी सुकून मिलता है। एक तरह से यह बिलकुल किसी चिकित्सीय थैरेपी की भांति प्रक्रिया होती है। तो बस एक बार आजमाइए 'फॉरगिवनेस थैरेपी' और महसूस कीजिए इसका कमाल।

कई बार मनुष्य के जीवन में कुछ ऐसे वाकये होते हैं, जो दिमाग में गहरे बैठ जाते हैं और किसी व्यक्ति-विशेष के प्रति हमेशा उसके गुस्से की आग को भड़काए रखते हैं। ऐसे में व्यक्ति वाकये के याद आते ही चिड़चिड़ा हो जाता है, क्योंकि वह गुस्सा निकाल नहीं सकता। यहाँ तक कि किसी खुशी की बात पर भी वह उस बीती बात को याद कर दुःखी होने लगता है। असल में इसलिए कि आपके मन की पीड़ा मिटाना जरूरी है। यह आपके हित में है। ऐसा करने से आपका क्रोध नुकसानदायक नहीं रहेगा।

इस विषय पर जॉन क्रिस्टॉफ अर्नोल्ड ने 'व्हाय फॉरगिव' नामक किताब लिखी है। जिसका तर्क है क्रोध या बदले की भावना को धो डालना। ऐसी समस्या का निराकरण यह है कि फॉरगिवनेस थैरेपी अपनाई जाए। आइए, जानते हैं यह थैरेपी क्यूं जरूरी है और कैसे कार्य करती है-यूं तो यह कोई नई थैरेपी नहीं है, लेकिन अब यह वैज्ञानिक रूप से प्रामाणिक प्रणाली बन गई है। सभी काउंसलर्स, साइकैट्रिस्ट भी इसका उपयोग कर रहे हैं। सवाल यह है कि माफ क्यूं

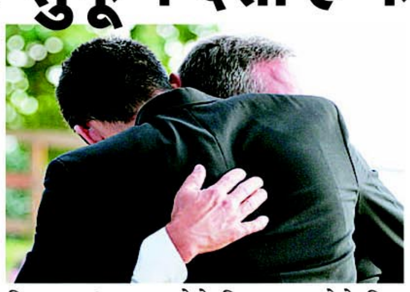

किया जाए? महान बनने के लिए, भूल जाने के लिए या किसी ने कहा है इसलिए?

समस्या को पहचानें

सबसे पहले उस समस्या को पहचानें। उसके कारण और परिस्थितियों को समझें। बस, हल शुरू हो गया। कारण में कोई घटना, व्यक्ति का व्यवहार या प्रताड़ना हो सकते हैं। फिर यह सोचना शुरू करें कि ऐसा क्यों हुआ? अब विशेषज्ञों की बात मानें। जी हां! विशेषज्ञों के अनुसार माफ करने का तरीका यह है कि उस व्यक्ति की निजी, पारिवारिक और सामाजिक परिस्थितियों में स्वयं को रखकर देखा जाए। उस स्थिति को जीकर देखें। इससे आपको सब स्वाभाविक लगेगा।

नामुमकिन है दर्द को भूलना

सामने वाले ने जो कष्ट दिए थे, वे कुछ हल्के लगेंगे। इस अभ्यास को दोहराएं। जी हां! माफ करके भूल जाओ गलत है, क्योंकि दर्द को भूलना नामुमकिन है। माफ करके याद रखो यही सिद्धांत है। बस याद रखना है व्यक्ति की परिस्थिति को। बार-बार जब आप इस स्थिति में जिएंगे तो आपको उसका व्यवहार उचित लगने लगेगा और यहीं से शुरू होगा इलाज।

कम होगा गुस्सा

बदले की भावना के अंत के साथ गुस्सा कम होता जाएगा। वह बुरी घटना स्वाभाविक लगने लगेगी। यह थोड़ी धीमी प्रक्रिया है, लेकिन वाकई कारगर है। महसूस करके निजात पाना है, खुद से इलाज करके उबरना है। आजमाकर देखिए।

गर्मी में बढ़ जाता है फूड पॉयजनिंग का खतरा

गर्मी के दिनों में फूड प्वॉजनिंग का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में हम खाने-पीने में सावधानी बरत कर इन चीजों से बच सकते हैं। फूड प्वॉयजनिंग तब होती है जब आप ऐसे भोजन या पानी का सेवन करते हैं जिसमें बैक्टीरिया, परजीवी विषाणु, वायरस तथा इन कीटाणुओं द्वारा पैदा किए गए विषैले तत्व मौजूद होते हैं। घर से बाहर भोजन करने पर भी फूड प्वॉयजनिंग हो जाती है। यदि भोजन बनाने में साफ-सफाई का पूरा ध्यान न रखा जाए तो इसका खतरा अधिक रहता है। बिना साफ-सफाई के भोजन, अच्छी तरह न धुले बर्तन, फ्रिज से बहुत देर तक बाहर रखा गया सलाद, सही तापमान पर न रखे गए खाद्य पदार्थ, अच्छी तरह साफ न की गई सब्जियां तथा फल फूड प्वायजनिंग का मुख्य कारण होते हैं।

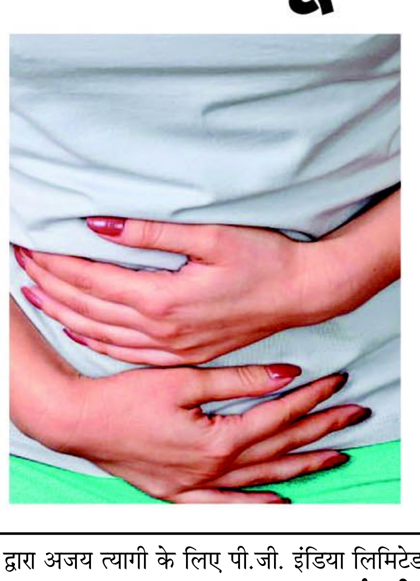

कब होता है अधिक खतरा...?

फूड पॉयजनिंग की संभावना वृद्धों, गर्भवती महिलाओं, नन्हे शिशुओं तथा बच्चों, डायबिटीज, लिवर रोग या एड्स जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों में अधिक होती है। इसके सामान्य लक्षण खाना खाने या दूषित पानी पीने से 2 से 6 घंटे भीतर सामने आने लगते हैं। इनमें शामिल हैं पेट में ऐंठन, डायरिया, बुखार तथा कंपकंपी, सिर दर्द, उलटी आना तथा कमजोरी। फूड पॉयजनिंग होने पर डाक्टर इसके संकेतों की गंभीरता की जांच करता है, जिसमें डीहाईड्रेशन शामिल है। अधिकांशतः कुछ दिनों में इसका उपचार हो जाता है।

क्या किया जाए उपचार...?

डॉक्टर का उद्देश्य होता है कि लक्षणों को दूर भगाए और आपके शरीर को पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ मिल सके। इसके लिए आपको आवश्यकता है कि डायरिया को मैनेज करें। उलटी तथा उबकाई पर नियंत्रण करें। पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन तथा आराम करें। यदि आपको डायरिया, बुखार इत्यादि है तो डॉक्टर की सलाह के बिना कोई भी दवा न लें। डॉक्टर की सलाह के बिना फूड प्वॉयजनिंग से पीड़ित बच्चों को कोई दवा न दें। फूड पॉयजनिंग के कारण आर्थराइटिस, रक्तस्राव की समस्याएं, नर्वस सिस्टम को नुक्सान, किडनी की समस्याएं तथा दिल के आसपास के ऊतकों में सूजन इत्यादि जटिलताएं हो सकती हैं। इनसे बचने के लिए तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

रेसिपी

मूंगदाल की कढ़ी

सामग्री

1 लीटर छाछ, 1/2 कप मूंग दाल का पेस्ट, डेढ़ कप उबली हुई सब्जियां (मटर, फूलगोभी, फलियां, गाजर), 1/2 टे.स्पून लहसुन का पेस्ट, 1/2 टे.स्पून अदरक (बारीक कटा हुआ), 1/2 टी स्पून जीरा, 1/2 टी स्पून हल्दी पाउडर, 1 टे.स्पून हरी मिर्च (बारीक कटी), नमक स्वादानुसार, 1 प्याज बारीक कटी, 1 टमाटर (कटा हुआ), सजाने के लिए धनिया।

विधि

एक भारी तले के बर्तन में दाल का पेस्ट और छाछ को अच्छी तरह मिलाकर पकाएं। दस मिनट तक लगातार चलाते रहें। आंच को धीमी करके आधे घंटे तक पकने दें। अब इसमें उबली हुई सब्जियां डालकर 15 मिनट तक पकाएं। तड़का लगाकर, बारीक कटे हरे धनिये से सजाकर गर्मागर्मा रोटी के साथ सर्व करें।

पचरंगा पुलाव

सामग्री

2 कप बासमती चावल, 1 शिमला मिर्च, 6-8 फ्रेंच बीन्स, 1 गाजर, 8-10 फूलगोभी (छोटे टुकड़े), 2 प्याज, 3 टे.स्पून शुद्ध घी, 1 टी स्पून जीरा, 1 इंच का टुकड़ादाल चीनी, 3-4 छोटी इलायची, 3-4 लौंग,1 काली मिर्च (साबुत), 2 तेज पत्ता, 1/4 कप हरी मटर के दाने, नमक स्वादानुसार।

विधि

चावल को साफ कर धो लें और आधे घंटे के लिए पानी में भिगोएं। शिमला मिर्च धोकर बीच में से काटें। बीज निकाल कर आधा इंच के टुकड़े कीजिए। गाजर धो कर छील लें व उसके आधे इंच के टुकड़े कीजिए। इसी तरह गोभी को धोकर नमक युक्त गरम पानी में पांच मिनट तक रखिए और पानी से बाहर निकालिए। प्याज छीलिए और पतले लंबे टुकड़े काटिए। भारी तली के बर्तन में घी गरम कीजिए और उसमें जीरा, दालचीनी, छोटी इलायची, लौंग, काली मिर्च व तेज पत्ता डालिए और अच्छी तरह हिलाएं। उसमें प्याज डालकर दो-तीन मिनट तक होने तक हिलाइए। कटी गाजर, फ्रेंचबीन्स, गोभी और हरी मटर डालिए और एक मिनट तक पकाएं। अब इसमें भीगे हुए चावल डाल दें और एक मिनट हिलाइए। चार कप पानी और नमक भी डालें। एक उबाल आने दीजिए। उसके बाद मध्यम आंच पर तीन से चार मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए, पानी के सूख जाने तक पकाइए। इसमें शिमला मिर्च डालिए। आंच कम कीजिए, ढकिए और छह से आठ मिनट तक या चावल और सब्जियों के पक जाने तक पकाइए। आंच से उतार लें और पांच मिनट तक बिना ढक्कन ढके रखें। अब दही अथवा पुदीने की चटनी के साथ गर्मागर्म पचरंगा पुलाव परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**